हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 06 अक्टुबर 2024 | वर्ष:02 | अंक:144 | पृष्ठ-14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

सीएम ने सुना अमेठी हत्याकांड के पीड़ितों का दुख दर्द,

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने 05 अक्टूबर शनिवार को अमेठी में शिक्षक व उसके परिजनों की हत्या के पीड़ितों से मुलाकात की। पीड़ित परिजन सीएम से मिलने के लिए लखनऊ आए थे। मुलाकात में ऊंचाहार से विधायक डॉ. मनोज पांडेय भी मौजूद रहे। वो ही पीड़ित परिजनों को लेकर सीएम आवास पहुंचे थे। गौरतलब हो, अमेठी में शिक्षक सुनील, पत्नी पूनम और दो बच्चों की बृहस्पतिवार रात हत्या कर दी गई थी। हत्यारोपी चंदन वर्मा को एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार सुबह आरोपी की पुलिस कर्मियों से मुठभेड़ भी हुई जिसमें उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस कस्टडी में आरोपी ने दरोगा से पिस्तौल छीनकर फायरिंग मामले में पुलिस ने धारा 109 बीएस में एफआईआर दर्ज की है। अमेठी में दर्ज दोनों मुकदमों में पुलिस चंदन वर्मा को रिमांड पर लेगी। रायबरेली न्यायालय में सीओ तिलोई आरोपी को पेश कर 14 दिन की रिमांड की मांग करेंगे। मोहनगंज और शिवरतनगंज थाना में चंदन पर दो मुकदमे दर्ज है।

सोलापुर क्षेत्र में बीजेपी पर कम हुआ मतदाताओं का भरोसा,

लोकसभा चुनाव में विधानसभा चुनाव के पहले दिया स्पष्ट संदेश

सोलापुर में हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की प्रनीति सुशील कुमार शिंदे ने भारतीय जनता पार्टी के लगातार दो बार के जीत के क्रम को तोड़ते हुए विजय हासिल की है। सीना नदी के किनारे बसा यह शहर जिला मुख्यालय भी है।

एजेंसी

सोलापुर:सोलापुर महाराष्ट्र का महत्वपूर्ण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र है। जहां हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की प्रनीति सुशील कुमार शिंदे ने भारतीय जनता पार्टी के लगातार दो बार के जीत के क्रम को तोड़ते हुए विजय हासिल की है। सीना नदी के किनारे बसा यह शहर जिला मुख्यालय भी है। यहां पर हिंदू चालुक्यों और देवगिरि यादवों का शासन था। बाद में यह बहमनी और बीजापुर साम्राज्य का हिस्सा बन गया। यहां आज भी मुस्लिम शासकों द्वारा बनाए गए किले के अवशेष मौजूद हैं। यहां के सिद्धेश्वर मंदिर में बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। औद्योगिक केंद्र होने के साथ ही इस इलाके में सूती वस्त्रों का बड़े स्तर पर निर्माण किया जाता है।लोकसभा क्षेत्र सोलापुर पूरी तरह से सोलापुर जिले के अंतर्गत ही आता है। जो मोहोल, सोलापुर सिटी नॉर्थ, सोलापुर सिटी सेंट्रल, अक्कलकोट, सोलापुर साउथ और पंढरपुर विधानसभा क्षेत्रों को मिलाकर बनाया गया है।इस लोकसभा क्षेत्र की मोहोल विधानसभा सीट पर

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित पवार गुट का लंबे समय से कब्जा बना हुआ है। पार्टी इस क्षेत्र में 1999 के बाद से अब तक कोई भी चुनाव नहीं हारी है। वर्तमान में पार्टी के नेता यशवंत विट्ठल माने विधायक हैं। उनके पहले उन्हीं की पार्टी के रमेश नागनाथ कदम भी मोहोल से विधायक रह चुके हैं। देश में हुए पहले आम चुनाव के बाद से ही अस्तित्व में आये सोलापुर सिटी नॉर्थ विधानसभा सीट पर अब तक बीजेपी और कांग्रेस के अलावा कोई भी पार्टी जीत हासिल नहीं कर सकी है। इस सीट पर 1980 के बाद से दोनों ही पार्टियों के बीच चुनावी जंग जारी है। जिसके तहत भारतीय जनता पार्टी 1990 के बाद से सिर्फ 1999 में ही यहां चुनाव हारी है। फिलहाल सोलापुर सिटी नॉर्थ विधानसभा क्षेत्र पर भारतीय जनता पार्टी के विजय देशमुख का लगातार 20 साल से कब्जा बन बना हुआ है। महाराष्ट्र में 2008 में हुए परिसीमन के बाद अस्तित्व में आये सोलापुर सिटी सेंट्रल विधानसभा क्षेत्र पर अब तक कांग्रेस की नेता प्रनीति सुशील कुमार शिंदे ही लगातार तीन बार से चुनाव जीतती चली आ रही हैं लेकिन वर्तमान में यह सीट खाली है क्योंकि विधायक प्रणीति शिंदे 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर सोलापुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुनी जा चुकी हैं।राज्य की विधानसभा में 250 नंबर से जाने जानीवाली अक्कलकोट विधानसभा सीट पर अब तक एनसीपी और शिवसेना अपना खाता भी नहीं खोल सकी हैं। अक्कलकोट में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों को ही मजबूत दावेदार माना जाता है। 2019 में हुए अंतिम चुनाव में बीजेपी के सचिन कल्याण शेट्टी ने जीत दर्ज की थी। विधायक कल्याण शेट्टी के पहले इस विधानसभा क्षेत्र पर 5 साल तक कांग्रेस के सिद्धराम म्हेत्रे ने बतौर विधायक इस क्षेत्र की जनता की सेवा की थी।राज्य की सोलापुर लोकसभा क्षेत्र की सोलापुर साउथ विधानसभा सीट को 10 साल पहले तक कांग्रेस का एक मजबूत क्षेत्र समझा जाता था। जिसकी प्रमुख वजह पार्टी का यहां 1962 से लेकर 2014 तक सिर्फ एक बार ही चुनाव हारना था,।

भारत हमेशा से हिंदू राष्ट्र रहा है : आरएसएस प्रमुख भागवत

एजेंसी

नईदिल्ली: भागवत ने स्वयंसेवकों के साथ शिव मंदिर परिसर के बाहर पौधारोपण अभियान में भी भाग लिया। इस अवसर पर 51 पौधे लगाए गए और स्वयंसेवकों ने पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत हमेशा से हिंदू राष्ट्र रहा है और अब इसे और अधिक प्रगतिशील, सक्षम और मजबूत इकाई में बदलना होगा। वह राजस्थान के बारां में अपने चार-दिवसीय दौरे के दूसरे दिन एक संवाद सत्र के दौरान एक स्वयंसेवक द्वारा पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।आरएसएस सरसंघचालक ने पुष्टि की कि भारत हमेशा से हिंदू राष्ट्र रहा है और इसे और अधिक उन्नत, सक्षम और मजबूत बनाया जाना चाहिए। समाज को आरएसएस से जोड़ने के तरीके के बारे में उन्होंने कहा कि अजनबियों को परिचितों में, परिचितों को साथियों में और साथियों को स्वयंसेवकों में बदला जाना चाहिए।भागवत ने स्वयंसेवकों के साथ शिव मंदिर परिसर के बाहर पौधारोपण अभियान में भी भाग लिया। इस अवसर पर 51 पौधे लगाए गए और स्वयंसेवकों ने पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया। उन्होंने सुबह बारां में मांगरोल रोड स्थित प्राचीन प्यारेराम मंदिर के दर्शन किए।भागवत ने स्वयंसेवकों के साथ शिव मंदिर परिसर के बाहर पौधारोपण अभियान में भी भाग लिया। इस अवसर पर 51 पौधे लगाए गए और स्वयंसेवकों ने पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया।

भागवत ने स्वयंसेवकों के साथ शिव मंदिर परिसर के बाहर पौधारोपण अभियान में भी भाग लिया। इस अवसर पर 51 पौधे लगाए गए और स्वयंसेवकों ने पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले महायुति का एक और बड़ा दांव, अहमदनगर का नाम बदलकर अहिल्यानगर हुआ

एजेंसी

महाराष्ट्र :महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने अहमदनगर जिले का नाम बदलकर अहिल्यानगर करने के प्रस्ताव को केंद्र की मंजूरी की घोषणा के कुछ घंटों बाद, शनिवार, 5 अक्टूबर को इसके लिए एक अधिसूचना जारी की। जानकारी के मुताबिक, इंदौर की 18वीं सदी की शासक अहिल्याबाई होल्कर, जो इसी जिले की रहने वाली थीं, के सम्मान में महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले का नाम अब आधिकारिक तौर पर बदलकर अहिल्यानगर कर दिया गया है।गौरतलब है कि जिले का नाम बदलने के फैसले की घोषणा सबसे पहले महाराष्ट्र के

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने की थी। मई 2023 में अहिल्याबाई होल्कर की 298वीं जयंती के अवसर पर अहमदनगर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सीएम शिंदे ने श्रद्धेय मराठा रानी के नाम पर जिले का नाम बदलने के राज्य के फैसले की पुष्टि की, जिनका जन्म अहमदनगर जिले के चोंडी गांव में हुआ था।मार्च 2024 में महाराष्ट्र सरकार ने अहमदनगर का नाम बदलकर अहिल्यानगर करने के प्रस्ताव को मंजूरी देदी और इसे अंतिम मंजूरी के लिए केंद्र के पास भेज दिया, जिसे अब मंजूरी मिल गई है।इस बीच, यह ध्यान रखना उचित है कि वर्तमान विकास ने तीसरी बड़ी बार चिह्नित किया है जब राज्य में जिले का नाम बदल दिया गया है।सितंबर 2023 में, महाराष्ट्र सरकार ने औरंगाबाद और उस्मानाबाद राजस्व प्रभागों का नाम बदलकर क्रमशः छत्रपति संभाजीनगर और धाराशिव राजस्व प्रभाग करने की अधिसूचना जारी की।

बांग्ला को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने पर खुशी हुई : ममता

एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांग्ला को शास्त्रीय का दर्जा देने के केंद्र सरकार के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार पिछले कुछ वर्षों से इसके लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही थी।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बांग्ला, असमिया, मराठी, पाली और प्राकृत को शास्त्रीय भाषाएं घोषित कर दिया गया।बनर्जी ने कोलकाता में एकडालिया एवरग्रीन दुर्गा पूजा का उद्घाटन करते हुए कहा, हमबांग्ला दुनिया में पांचवी सबसे अधिक बोली जाने वाली है।हमें खुशी है कि हमारी को

वह दर्जा मिल गया है, जिसकी वह हकदार थी।उन्होंने कहा, हमबांग्ला की वर्षों तक अनदेखी की गई, लेकिन मैंने खुद पहल करते हुए पत्र लिखकर वह मुद्दा (बांग्ला को शास्त्रीय का दर्जा देने का) केंद्र सरकार के सामने उठाया। हमारी सरकार ने अपने दावे के समर्थन में बड़ी संख्या में दस्तावेज भेजे थे।

'अर्बन नक्सल और देश को बांटने वाले लोगों की भाषा बोल रहे राहुल गांधी', जेपी नड्डा का कांग्रेस पर वार

एजेंसी

हिमाचल प्रदेश:हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में एक सभा को संबोधित करते हुए,जेपी नड्डा ने कहा कि मैं लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद पहली बार हिमाचल आया हूं। आप लोगों ने चारों की चारों सीटें भाजपा को जिताईं, इसके लिए मैं आपको विशेषकर धन्यवाद देता हूं। आपकी मदद से, आपके आशीर्वाद से 60 साल बाद नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनें। उन्होंने कहा कि आप सब लोगों ने (भाजपा कार्यकर्ता) मेरे साथ वो दिन भी देखा है, जब हम किराए के मकान में अपना कार्यालय चलाते थे। कभी किसी समर्थक से दुकान के ऊपर की

जगह ले लिया करते थे और व्यापार मंडल की दरी लाकर बिछाते थे, कार्यक्रम करते थे और व्यापार मंडल को धन्यवाद के साथ दरी वापस दे देते थे। जेपी नड्डा ने कहा कि आज हम लोगों के लिए खुशी का विषय है कि भाजपा का भव्य कार्यालय है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प के साथ इस कार्यालय का उपयोग होना चाहिए।

हरियाणा चुनाव: हरियाणा में वोटिंग खत्म, 8 अक्टूबर को आएंगे नतीजे

एजेंसी

हरियाणा:हरियाणा चुनाव को लेकर वोटिंग खत्म हो चुकी है। आज 90 सीटों पर वोट डाले गए। हरियाणा के साथ साथ जम्मू-कश्मीर के नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे। चुनाव आयोग के अनुसार, शाम 5:30 बजे तक अनुमानित मतदान प्रतिशत 63% तक पहुंच गया। हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि मैं उन घटनाओं को बड़ा मानता हूं, जो

मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। कुछ छोटी-मोटी घटनाओं की खबरें आई हैं। प्रशासन ऐसी चीजों पर नजर रख रहा है। लेकिन, यहां कोई बड़ी घटना नहीं घटी है. और मतदान प्रक्रियाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है। टीवीएसएन प्रसाद ने कहा कि हरियाणा में अब लोग जागरूक हो गए हैं। मैं चुनाव आयोग का भी आभारी हूं कि उसने इतने व्यवस्थित तरीके से चुनाव कराया जो पूरी दुनिया में मशहूर है। हरियाणा में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला है।

हरियाणा में इखढ को लग सकता है बड़ा झटका, Exit Polls में कांग्रेस को बढ़त के अनुमान

एजेंसी

हरियाणा में 90 सीटों के लिए आज मतदान संपन्न हो गए हैं। चुनावी नतीजे 8 तारीख को आएंगे। लेकिन आज एग्जिट पोल आने शुरू हो गए हैं। ज्यादातर एग्जिट पोल में कांग्रेस के लिए अच्छी खबर है। हालांकि कई एग्जिट पोल में भाजपा और कांग्रेस के बीच जबरदस्त टक्कर दिखाया गया है। पीपुल्स पल्स के एग्जिट पोल के आंकड़ों के मुताबिक, कांग्रेस 55 सीटें हासिल करने की राह पर है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि भाजपा 26

सीटों (+ या - 6) से पीछे रहेगी, इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) दो से तीन सीटें, निर्दलीय तीन से पांच सीटें और जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) एक सीट जीतेगी।मैट्रिज-रिपब्लिक का अनुमान है कि हरियाणा में कांग्रेस को 55 से 62 सीटें मिलेंगी।इसके साथ ही बीजेपी 18-24, जेजेपी 0-3, इनेलो 3-6, अन्य 2-5 सीटों पर जीत हासिल कर सकती है। ध्रुव रिसर्च के मुताबिक कांग्रेस 57-64, बीजेपी 27-32, अन्य 5-8 सीटें हरियाणा में जीत सकती हैं।दैनिक भास्कर के मुताबिक कांग्रेस 44-54, बीजेपी 19-29, जेजेपी 0-1, इनेलो 1-5, अन्य 4-9 सीटें जा सकती है।

शिंदे सेना सांसद के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका, HC के जज जारी रखेंगे सुनवाई

एजेंसी

बॉम्बे:बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति रियाज चागला की एकल न्यायाधीश पीठ ने कहा कि वह ठाणे निर्वाचन क्षेत्र से शिवसेना (एकनाथ शिंदे) सांसद नरेश म्हस्के के चुनाव के खिलाफ शिवसेना (यूबीटी) नेता राजन विचारे द्वारा दायर चुनाव याचिका पर सुनवाई जारी रखेगी।पिछली सुनवाई के दौरान, ठाणे संसदीय सीट से एक अन्य प्रतियोगी गुरुदेव सूर्यवंशी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील सुभाष झा और हरेकृष्ण मिश्रा ने मामले की सुनवाई करने वाले न्यायमूर्ति चागला पर आपत्ति जताई थी। झा ने तर्क दिया कि विचारे के वरिष्ठ अधिवक्ताओं में से एक, डेरियस खंबाटा, न्यायमूर्ति छागला के वरिष्ठ थे, जब उन्होंने कानून का अभ्यास शुरू किया था। उन्होंने उच्च न्यायालय की वेबसाइट की ओर इशारा किया, जिसमें 1993 में एक वकील के रूप में नामांकन के बाद खंबाटा के चैंबर में शामिल होने वाले न्यायमूर्ति छागला का उल्लेख था। झा ने तर्क दिया कि इस पूर्व पेशेवर संबंध ने न्यायमूर्ति छागला के लिए मामले की अध्यक्षता करना अनुपयुक्त बना दिया।26 सितंबर को जब झा ने आपत्ति जताई और मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय को पत्र लिखने का जिक्र किया तो न्यायमूर्ति चागला ने सुनवाई स्थगित कर दी. हालाँकि, शुक्रवार को न्यायमूर्ति छागला ने स्पष्ट किया कि उन्होंने मुख्य न्यायाधीश से परामर्श किया था और घोषणा की थी कि मामला आगे बढ़ेगा, अगली सुनवाई 10 अक्टूबर के लिए निर्धारित की जाएगी।विचारे की याचिका में म्हस्के के चुनाव की वैधता को चुनौती दी गई है, जिसमें अदालत से चुनाव को "अमान्य और अमान्य" घोषित करने और विचारे को ठाणे निर्वाचन क्षेत्र से विधिवत निर्वाचित प्रतिनिधि घोषित करने का अनुरोध किया गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता डेरियस खंबाटा और पंकज सावंत के नेतृत्व में उनकी कानूनी टीम ने पहले तर्क दिया था।

बंगाल में नाबालिग के अपहरण-हत्या पर बवाल, भाजपा का विरोध प्रदर्शन, कहा- राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति गंभीर

एजेंसी

पश्चिम बंगाल :पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के जॉयनगर में शुक्रवार को एक नौ वर्षीय लड़की की हत्या कर दी गई। शुक्रवार देर रात उसका शव मिला। पुलिस ने आरोपी 18 वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर लिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने पहले तो गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करने से इनकार कर दिया। 200 लोगों की भीड़ ने महिषमारी पुलिस चौकी में तोड़फोड़ की और आग लगा दी। शनिवार तड़के जब पुलिस शव बरामद करने के लिए गांव पहुंची तो गुस्साए ग्रामीणों ने उनके साथ मारपीट की।

हालांकि, इसको लेकर राजनीति तेज हो गई है। भाजपा ममता बनर्जी सरकार पर हमलावर हो गई है। बीजेपी नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि नौ साल की बच्ची कल ट्यूशन से लौट रही थी, आज उसका

शव नहर में मिला। लड़की के परिवार ने पुलिस से मामले में एफआईआर दर्ज करने का आग्रह किया था लेकिन ममता बनर्जी की पुलिस ने इसे दर्ज नहीं किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने उसके शरीर को देखा है उसके शरीर पर उसी तरह की चोटें थीं जैसी अभया के शरीर पर थीं। ऐसे में शव को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। पोस्टमार्टम केंद्र सरकार के अधीन अस्पताल में किया जाना चाहिए। भाजपा नेत्री ने कहा कि मैंने लड़की के पिता से बात की और वह इस बात से सहमत हैं कि शव को संरक्षित किया जाना चाहिए। सीएम को जिम्मेदारी लेने की जरूरत है क्योंकि वह आरोपियों को बचाती हैं।' हम आरोपियों को मौत की सजा और मामले को सीबीआई जांच की मांग करेंगे। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति गंभीर है। यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि बंगाल में कानून-व्यवस्था काम नहीं कर रही है। वहां हालात ठीक नहीं हैं। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि जयनगर में एक मासूम के साथ हुई घटना से पता चलता है कि ममता बनर्जी का प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं है. ममता बनर्जी ने उनसे (पुलिस से) एफआईआर दर्ज नहीं करने को कहा क्योंकि पश्चिम बंगाल में बलात्कार की घटनाएं बढ़ रही हैं।

बाढ़ पीड़ितों की सेवा में तत्पर एनडीए सरकार: डॉ. दिलीप जायसवाल ने किया राहत कार्यों का निरीक्षण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- सहरसा में सामुदायिक किचन का दौरा कर डॉ. दिलीप जायसवाल ने जांची भोजन की गुणवत्ता
- डॉ. दिलीप जायसवाल : एनडीए सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ, हरसंभव सहायता का आश्वासन
- महिषी में बाढ़ पीड़ितों के साथ भोजन ग्रहण कर डॉ. दिलीप जायसवाल ने राहत कार्यों का जायजा लिया
- बाढ़ राहत कार्यों में जुटी एनडीए सरकार, डॉ. दिलीप जायसवाल ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश
- गंडौल चौक में सामुदायिक किचन और राहत कार्यों का निरीक्षण, डॉ. दिलीप जायसवाल ने की पीड़ितों से मुलाकात
- बाढ़ पीड़ितों के लिए एनडीए सरकार का संकल्प : राहत कार्यों में कोई कमी नहीं होगी ब्र डॉ. दिलीप जायसवाल
- डॉ. दिलीप जायसवाल का आश्वासन : बाढ़ पीड़ितों को उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं और सहायता मिलती रहेगी

सहरसा, 5 अक्टूबर 2024:
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि एनडीए सरकार बाढ़ पीड़ितों की सेवा और राहत कार्यों के प्रति हर समय तत्पर है। आज डॉ. जायसवाल ने सहरसा जिले के गंडौल चौक पर बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए संचालित सामुदायिक किचन का दौरा किया साथ ही उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा चलाए जा रहे बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान डॉ. जायसवाल ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि बाढ़ पीड़ितों को उच्च गुणवत्ता का भोजन और हरसंभव सहायता मिलती रहे।डॉ. जायसवाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित लोगों तक नियमित और गुणवत्तापूर्ण भोजन के साथ सभी आवश्यक सुविधाएं पहुँचाई जाएं। डॉ. जायसवाल ने बाढ़ राहत कार्यों में जुटे कर्मियों के प्रयासों की सराहना की और सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत अभियानों का जायजा लिया।

डॉ. जायसवाल ने स्पष्ट किया कि एनडीए सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर प्रभावित परिवार को समय पर राहत और सहायता मिले, ताकि इस आपदा में कोई भी असहाय महसूस न करे।इसके साथ ही, डॉ. जायसवाल ने महिषी विधानसभा क्षेत्र के पुनाच में एनडीए सरकार द्वारा बाढ़ पीड़ितों के लिए संचालित राहत कार्यों का निरीक्षण किया। वहां उन्होंने तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की और बाढ़ पीड़ितों के साथ स्वयं भोजन ग्रहण किया।डॉ. जायसवाल ने कहा, "यह सरकार का संकल्प है कि इस कठिन समय में हर बाढ़ पीड़ित के साथ खड़ा रहें और उनके जीवन को जल्द से जल्द व्यवस्थित करने की दिशा में काम किया जाए। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि राहत और पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी न हो, और हर जरूरतमंद को समय पर सहायता मिलती रहे।सरकार राहत शिविरों में भोजन, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सेवाएं प्रदान कर रही है।डॉ. जायसवाल ने आश्वासन दिया कि सरकार हर पीड़ित तक उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं पहुँचाने के लिए कृतसंकल्प है।

मजलिसे इसाले सावाब शाहिद सैयद हसन नसरुल्लाह

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,शहर के शिया मोहल्ला दहियावां में एक मजलिस का आयोजन कर लेबनान में शहीद सैयद हसन नसरुल्लाह को याद किया गया मजलिस का आगाज यावर हुसैन साहब के सोजखानी से हुआ उसके बाद पेशखानी जनाब नाजिश छपरावी जनाब कल्बे अब्बास जनाब काजिम राजा से हुआ उसके बाद मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना डॉक्टर सैयद मासूम राजा बॉइज साहब ने कहा के हसन नसरुल्लाह की आवाज जुल्म के खिलाफ थी जालिम के खिलाफ थी यतीम और मस्कीनों के साथ ही मजलूमों के साथ थी हसन नसरुल्लाह की आवाज दुनिया में हो रहे हर उसे आतंक के खिलाफ थी जो किसी मजलूम पर हो रहा हो दुनिया का सबसे खतरनाक आतंकवादी संगठन-ISIS को खत्म करने में सैयद हसन नसरुल्लाह का भी बहुत बड़ा रोल रहा उनकी आवाज सिर्फ शिया पर हो रहे जुल्म की नहीं बल्कि दुनिया में हर मजहब के लोगों पर हो रहे जुल्म के खिलाफ थी हम इस मजलिस को बरपा करके दुनिया के जालिमीन को यह बताना चाहते हैं कि देखो हम कल भी आतंक के खिलाफ थे और आज भी आतंकी खिलाफ हैं

बिजली विभाग के द्वारा स्मार्ट नहीं, खून चुसवा मीटर लगाया जा रहा है: बिहार कांग्रेस प्रभारी मोहन प्रकाश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- भभुआ में स्मार्ट मीटर के खिलाफ जन जागरण अभियान में शामिल हुए बिहार कांग्रेस प्रभारी मोहन प्रकाश व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

पटना, शनिवार, 5 अक्टूबर, 2024
बिजली विभाग के द्वारा लगाए जा रहे प्रीपेड स्मार्ट मीटर के खिलाफ बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के लगातार आंदोलनों की कड़ी में बिहार कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश और प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कैमूर जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा जिला मुख्यालय भभुआ में जन जागरण अभियान में शामिल हुए।बिहार कांग्रेस के प्रभारी मोहन प्रकाश ने जन जागरण अभियान को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में गरीबों के ऊपर आर्थिक जुल्म किए जा रहे हैं। बिजली के प्रीपेड स्मार्ट मीटर के नाम पर गोरखधंधा किया जा रहा है और ये सीधे सीधे बड़े पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में सीएफएल आया तो गरीबों को महंगे बिजली से बचाने के लिए जागरण चलाया गया और तब के बिजली की बिल और अब की बिजली बिल के कीमत में कितना अंतर आ चुका है वे सभी को दिख रहा है फिर स्मार्ट मीटर के नाम पर गरीबों का खून चूसने के लिए ऐसे हथकंडे अपनाने से जनता को ही नुकसान हो रहा है। खून चूसने वाले मीटर से बिहार की जनता को बचाने का काम कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता अंतिम दम तक करेंगे। बिहार सरकार पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि पहले अखबारों से खबर आती है कि तीन दिन बिजली नहीं कटेगी अब आज खबर आ रही है कि सात दिन बिजली नहीं काटी जायेगी, आप यूं ही हमारा साथ देते रहिए हम आपको आश्वस्त करते हैं कि इस निरंकुश सरकार को स्मार्ट मीटर योजना को ही वापस लेने को हम सब मजबूर करके उम लेंगे।बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने जन जागरण अभियान को संबोधित करते हुए कहा कि हम लगातार इस मुद्दे पर राज्यव्यापी जन जागरण अभियान चला रहे हैं।

मोदी जी ने लोकल फॉर वोकल तथा स्वच्छता को बढ़ावा देकर समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत बनाने का काम किया हैं :- अरविन्द सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 5 अक्टूबर :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि मा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने लोकल फॉर वोकल तथा स्वच्छता को बढ़ावा देकर समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत बनाने का काम किया हैं। मा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के वोकल फॉर लोकल की पहल के कारण पर्व-त्यौहार के समय में छोटे-मोटे आम व्यापारियों, रेहड़ी पटरी, ठेले खोमचे वाले की कमाई को बढ़ाने का काम मोदी जी ने किया है। और गरीब आदमी को व्यापार करने के लिए बल देने का काम किया है उन्हें अपनी आमदनी एवं रोजी-रोटी कमाने का अवसर दिया है। साथ ही सभी लोगों की वोकल फॉर लोकल के मंत्र को अपना कर अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का भी मौका दिया है।

लोकल फॉर वोकल के लाभ से आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा, स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करना, सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना है।

आपको लोकल फॉर वोकल को अपनाने के लिए स्थानीय उत्पादों का उपयोग करें, स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करें, छोटे और मध्यम आकार के उद्योगों को समर्थन दें, सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा दें, लोकल फॉर वोकल के बारे में जागरूकता फैलाएं।लोकल फॉर वोकल रोजगार सृजन पर भी केंद्रित है, ताकि लोगों को रोजगार के अवसर मिलें।

और इस पहल में सांस्कृतिक विरासत को भी बढ़ावा देने पर ध्यान दिया जा रहा है, ताकि भारतीय संस्कृति को बचाया और बढ़ावा दिया जा सके।

श्री अरविन्द ने कहा कि 10 साल पहले तक कांग्रेस शासन काल में भारत की 60 प्रतिशत से ज्यादा आबादी खुले में शौच के लिए मजबूर थी जो मानव गरिमा के विरुद्ध था।इतना ही नहीं ये देश के गरीबों, दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का अपमान था जो पीढ़ी दर पीढ़ी निरंतर चला आ रहा था। यों तो मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदर्शिता एवं स्वच्छता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के कारण आज हर गांव खुले में शौच से मुक्त है। स्वच्छ भारत अभियान के सफलता के परिणाम ही हैं की शौचालयों की उपलब्धता में वृद्धि से गांव में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।

जिससे स्वच्छ भारत मिशन की अभूतपूर्व सफलता में दिखा हैं मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व और जनभागीदारी का विशेष महत्व।

दूसरे ओर मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लोकल फॉर वोकल एवं स्वच्छता को बढ़ावा देकर विकसित, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत बनाने का काम किया है।

बाढ़ पीड़ितों की सेवा में तत्पर एनडीए सरकार: डॉ. दिलीप जायसवाल ने किया राहत कार्यों का निरीक्षण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सहरसा, 5 अक्टूबर 2024: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि एनडीए सरकार बाढ़ पीड़ितों की सेवा और राहत कार्यों के प्रति हर समय तत्पर है। आज डॉ. जायसवाल ने सहरसा जिले के गंडौल चौक पर बाढ़ पीड़ित परिवारों के लिए संचालित सामुदायिक किचन का दौरा किया साथ ही उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा चलाए जा रहे बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान डॉ. जायसवाल ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित लोगों तक नियमित और गुणवत्तापूर्ण भोजन के साथ सभी आवश्यक सुविधाएं पहुँचाई जाएं। उन्होंने कहा, "एनडीए सरकार इस कठिन समय में बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है और उनकी हर संभव मदद के लिए हर पल तत्पर है।इस अवसर पर मंत्री श्री नीरज सिंह बबलू, विधायक श्री आलोक रंजन झा, स्थानीय विधायक श्री गुंजेश्वर साह, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री दिवाकर सिंह और अन्य प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवजात शिशुओं को एसएनसीयू लाने व वापस घर छोड़ने के लिए उपलब्ध करायी जायेगी नि:शुल्क एंबुलेंस की सुविधा

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत नि:शुल्क एंबुलेंस सुविधा देने का प्रावधान
- नवजात शिशुओं को बेहतर चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विभाग संकल्पित

नवजात शिशुओं के लिए समर्पित है सदर अस्पताल का एसएनसीयू यूनिट छपरा। नवजात एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग कृत-संकल्पित है। इस दिशा में स्वास्थ्य के विभाग के द्वारा कई महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहें है।नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा देने के उद्देश्य से जिला अस्पताल में एसएनसीयू यूनिट की स्थापना की गयी है। जिसमें बर्थ एस्फिक्सिया, समय से पहले जन्म, बहुत कम वजन और हाइपोथर्मिया से पीड़ित शिशुओं को विशेष देखभाल प्रदान की जाती है। विभाग ने जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा शुरू की है, जिससे नवजातों को अस्पताल लाने और वापस घर पहुंचाने में मदद मिलेगी। यह सेवा 01 वर्ष तक उम्र वाले बच्चों के लिए उपलब्ध होगी। राज्य स्वास्थ्य समिति के शिशु स्वास्थ्य के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. विजव प्रकाश ने पत्र जारी कर सभी सिविल सर्जन को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। सभी स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे नवजातों को एसएनसीयू में रेफर करने के लिए नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा का उपयोग करें और डिस्चार्ज के बाद नवजात और उनके अभिभावकों को घर पहुंचाने के लिए भी यह सेवा उपलब्ध कराएं।

लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विभाग सतत प्रयासरतः

अवैध बालू परिवहन की शिकायत की जांच में पुष्टि होने पर थानाध्यक्ष समेत आधा दर्जन अधिकारी निलंबित, डोरीगंज थाना के सभी पुलिसकर्मी लाइन हाजिर ।

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

सारण जिला के डोरीगंज थानान्तर्गत अवैध बालू लदे वाहनों से वसूली कर परिचालन किए जाने के संबंध में प्राप्त सूचना की जाँच अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-01 से कराई गयी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-01 द्वारा अपने प्रतिवेदन में लगाये गए आरोपों की पुष्टि पाते हुए पासिंग गिरोह के साथ मिलकर डोरीगंज थाना के पदाधिकारी/कर्मी द्वारा अवैध बालू लदे वाहनों से वसूली करवाने एवं कई वाहनों को पकड़कर वसूली उपरांत छोड़ देने का जिक्र अपने प्रतिवेदन में करते हुए दोषी पदाधिकारियों के संबंध में अंकित किया गया है।उक्त जाँच प्रतिवेदन के आलोक में पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा 1 पु०अ०नि० राहुल रंजन, थानाध्यक्ष, डोरीगंज थाना सहित 2. पु०अ०नि० तेजनारायण सिंह 3. पु०अ०नि० अजेस कुमार सिंह 4 पु०अ०नि० श्रृजन मिश्रा 5. पु०अ०नि० दिनदयाल राय 6. स०अ०नि प्रभंजन कुमार 7 चौकीदार सुमन मांझी सभी थाना डोरीगंज को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। साथ ही डोरीगंज थाना के शेष 12 पुलिस पदाधिकारियों को पुलिस केन्द्र वापस किया गया है एवं उपरोक्त सभी (कुल-18) पुलिस पदाधिकारियों से 07 दिनों के अंदर विभागीय कार्यवाही के विरूद्ध स्पष्टीकरण की मांग की गई है।इसके अलावे डोरीगंज थाना में प्रतिनियुक्त सभी सिपाही एवं अन्य कर्मियों को स्थानांतरित करने की कार्रवाई की जा रही है।

गोली कांड मे मृत शिक्षक के विद्यालय मे शोक सभा और घर पर संतावना देने पहुंचे प्रतिनिधि।

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुर्गौंधा 5 अक्टूबर शनिवार।महाराजगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत घनछुहा मे 4 अक्टूबर को संध्या अपराधियो के बंदूक के गोली के शिकार शिक्षक स्वर्गिय भारत मांझी के पदस्थापित विद्यालय दुर्गौंधा प्रखण्ड स्थित उत्कमित मध्य विद्यालय ढेबर मे प्रधाना ध्यापक बिनोद यादव के नृत्व मे विधालय के शिक्षक, शमीम अहमद, धनंजय मांझी, सत्य प्रकाश कुमार, मनोज कुमार इत्यादि और विद्यालय के छात्रों ने मौन धारण कर शोक सभा का आयोजन किया और स्वर्गीय भरत मांझी को श्रध्दा सुमन अर्पित कर याद किया गया। वही विद्यालय के शिक्षको ने बताया की स्वर्गीय मांझी एक जुझारू और कर्मठ और सिद्धांतवादी व्यक्ति थे वे इस विद्यालय मे लगभग 19 वर्षों से सेवा दे रहे थे। उनकी कमी को शिक्षक समाज मे भरपाई नहीं की जा सकती हैं। वही मृत शिक्षक के घर पर पोस्मार्टम कर सिवान से शव आते ही उनके घर पर ग्रामीण और जनप्रतिनिधियों ने पहुंच कर परिजनों को सांत्वना दे रहे थे। जिसमे सीपीआईएमएल के पूर्व विधायक अमर नाथ यादव, इंकलाबी नौजवान सभा के जिला सचिव जय शंकर पंडित पकवालिया पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मिथलेश शर्मा, और सरपंच अयूब अंसारी इत्यादि थे। और शिक्षक के हत्यारो को जल्द से जल्द गिरफ्तार और कड़ी से कड़ी सजा की मांग प्रशासन से कर रहे थे।

मधुबनी डीएम ने समाहरणालय के विभिन्न शाखाओं के प्रधान लिपिकों , सहायकों आदि के साथ बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बक्कर

मधुबनी डीएम ने समाहरणालय के विभिन्न शाखाओं के प्रधान लिपिकों , सहायकों आदि के साथ बैठक कर कर दिए कई आवश्यक दिशा निर्देश।

डीएम अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय के विभिन्न शाखाओं के प्रधान लिपिकों , सहायकों आदि के साथ बैठक कर कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रधान लिपिकों एवं सहायकों को निर्देश दिया कि आगत पंजी,निर्गत पंजी,रोकड़ पंजी, अवकाश पंजी सहित सभी पंजियों को अद्यतन रखे।जिलाधिकारी ने सेवान्त लाभ, विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई, सी०डब्लू०जे०सी/एम०जे०सी०/डी०ए०पी० विपत्र/लोकायुक्त से संबंधित मामले/लोक शिकायत/लोक सभा/विधान सभा प्रश्न आदि की समीक्षा कर कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यालय के मुख्य रोकड़ पंजी के अंतिम पृष्ठ की सत्यापित प्रति पत्येक कार्यालय के प्रधान सहायक द्वारा समीक्षा हेतु बैठक में अचूक रूप से लाना सुनिश्चित करेंगे। उक्त बैठक में अपर समाहर्ता शैलेश कुमार, स्थापना उप समाहर्ता चंदन कुमार सहित कार्यालयों के प्रधान सहायक उपस्थित थे।।

*कला संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन मधुबनी के संयुक्त तत्वावधान में 4 एवं 5 अक्तूबर 2024 को नगर भवन, मधुबनी में आयोजित जिला स्तरीय युवा उत्सव

संवाववाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो . अबु बकर

कला संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार सरकार एवं जिला प्रशासन मधुबनी के संयुक्त तत्वावधान में 4 एवं 5 अक्तूबर 2024 को नगर भवन, मधुबनी में आयोजित जिला स्तरीय युवा उत्सव में विभिन्न विधाओं में जिले के युवक युवतियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी नीतीश कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा जारी व्यापक निर्देश के आलोक में यह दो दिवसीय आयोजन पूरी तरह सफल रहा। उन्होंने कहा कि जिले में युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और आने वाले दिनों में कला संस्कृति एवं युवा विभाग के प्रयासों से चित्रकारी की भांति कला की अन्य विधाओं में भी जिले का नाम देश और विश्व के पटल पर होगा। युवा उत्सव के प्रथम दिवस में आयोजित विधाओं के परिणामों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि शास्त्रीय गायन, प्रथम अजय कुमार, द्वितीय कृति कुमारी एवं तृतीय तृप्ति बाला, शास्त्रीय नृत्य में प्रथम खुशी कुमारी, शास्त्रीय वाद्य वादन के स्वर विधा में प्रथम सर्वोत्तम मिश्रा, द्वितीय संगम और तृतीय कृष्ण कुमार तथा शास्त्रीय वाद्य वादन के ताल विधा में प्रथम पुरुषोत्तम मिश्रा, द्वितीय ओमप्रकाश शरण और तृतीय राहुल कुमार, हारमोनियम वादन सुगम में प्रथम तृप्ति बाला, द्वितीय कृति कुमारी एवं तृतीय दीपू कुमार, वक्तृता में प्रथम कुमार कार्तिकेय, द्वितीय रिंचा कुमारी एवं तृतीय करिश्मा कुमारी, हस्तकला में प्रथम सिद्धि कुमारी एवं द्वितीय सुरभि राज, कहानी लेखन में प्रथम प्रभात रंजन, द्वितीय गोपाल कुमार एवं तृतीय सुरभि कुमारी रहे। इस बार एग्रो प्रोडक्ट्स के रूप में शामिल नई विधा में नफीस अख्तर प्रथम रहे। द्वितीय दिवस में समाचार लिखे जाने तक कविता लेखन विधा में प्रथम शारदा झा, द्वितीय हुमा कौशर, तृतीय स्वेता कुमारी, समूह गीत में प्रथम रूपांजली एवं समूह, द्वितीय तुलसी एवं समूह तथा तृतीय राधा उर्फ प्रियंका एवं समूह रहे। समाचार लिखे जाने तक प्रतियोगिता जारी थी द्वितीय दिवस में निर्णायक मंडल में जटाधार पासवान, पूनम अग्रवाल, किरण वर्मा, रामवृक्ष सिंह, नागेंद्र गौड़, वंदना कुमारी, प्रेरणा कुमारी, डॉ नरेंद्र नारायण सिंह निराला, डॉ पी कर्ण, प्रेरणा कुमारी, विनीता झा, राम कुमार राम, विभा दास, डॉ रानी कुमारी, डॉ मीनाक्षी कुमारी, चंदन कुमार शामिल थे। मंच संचालन डॉ अभिषेक कुमार ने किया। आयोजन को सफल बनाने में शिवम मिश्रा, धीरज कुमार, अर्चना कुमारी, मधु कुमारी, तुलसी कुमारी, सुधा कुमारी, ललन कुमार, रिमझिम झा, पिंकी कुमारी, पूजा ठाकुर, सर्वेश कुमार आदि का सहयोग रहा

संक्षिप्त डायरी

रेयाज आलम ने रामगिरी महाराज और यति नरसिंहानंद के भड़काऊ बयानों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की

तारीखः 5 अक्टूबर 2024

- हाल ही में महाराष्ट्र में रामगिरी महाराज और उत्तर प्रदेश में यति नरसिंहानंद सरस्वती द्वारा पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के खिलाफ दिए गए अपमानजनक और भड़काऊ बयानों पर मैं गहरी चिंता और दुःख व्यक्त करता हूँ। इन बयानों ने न सिर्फ भारत के करोड़ों मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, बल्कि हमारे देश के धर्मनिरपेक्ष और बहुलवादी ताने-बाने का भी उल्लंघन किया है।
- भारत का संविधान, अपनी प्रस्तावना और अनुच्छेदों के माध्यम से, सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है और सभी समुदायों के बीच सेक्युलरिज्म, सम्मान और सहिष्णुता पर जोर देता है। किसी भी धार्मिक व्यक्ति, चाहे वह अल्लाह के रसूल हों या कोई अन्य पूजनीय व्यक्ति, का जानबूझकर अपमान, हमारे देश की एकता और शांति को खतरे में डालता है।
- यह बेहद निराशाजनक है कि कुछ लोग ऐसे भड़काऊ और अपमानजनक बयानों से नफरत फैला रहे हैं और साम्प्रदायिक तनाव का माहौल बना रहे हैं। ऐसा आचरण हमारे विविध और बहुधर्मी समाज के ताने-बाने को कमजोर करता है और बिल्कुल अस्वीकार्य है।
- मैं विनम्रतापूर्वक सरकार और न्यायपालिका से अनुरोध करता हूँ कि वे इन अपमानजनक बयानों के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ तुरंत और सख्त कार्रवाई करें। यह राज्य की जिम्मेदारी है कि वह सभी धर्मों के सम्मान की रक्षा करे और जो लोग नफरत फैलाते हैं और धार्मिक व्यक्तियों का अपमान करते हैं, उन्हें कानून के अनुसार सजा दी जाए।
- मैं यह भी अपील करता हूँ कि घृणा भाषण (हेट स्पीच) पर बने मौजूदा कानूनों को सख्ती से लागू किया जाए और जो लोग धार्मिक आस्थाओं का अपमान करते हैं या साम्प्रदायिक तनाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें कड़ी सजा दी जाए।
- भारत हमेशा से विभिन्न धर्मों के बीच आपसी सम्मान और सद्भाव का प्रतीक रहा है। आइए हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि ये मूल्य सुरक्षित रहें और हमारा देश हमेशा शांति और एकता का प्रतीक बना रहे।
- मीडिया से किसी भी जानकारी या टिप्पणी के लिए कृपया संपर्क करें:

रेयाज आलम
(वरिष्ठ कॉर्पोरेट प्रोफेशनल, सामुदायिक नेता और प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता)

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार दंपत्ति को रौंदा

कटिहार। के पोठिया थाना क्षेत्र में एसएच-77 सड़क पर गुरुवार रात अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मार दी। घटना नरहिया पेट्रोल पंप के पास की है। बताया जा रहा है कि चंदन कुमार मंडल और उनकी पत्नी सरिता देवी रहटा से समेली जा रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, समेली लाया गया, जहां चिकित्सकों ने सरिता देवी को मृत घोषित कर दिया। चंदन कुमार मंडल गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है। अज्ञात वाहन ने रौंदा चंदन ने बताया कि वे समेली में एक श्राद्धकर्म में शामिल होने जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। मृतका के दो छोटे बच्चे हैं, और सरिता जीविका दीदी समूह की सीएम थीं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोसी में पलटी 20 सवारियों से भरी नाव

सुपौल। में शुक्रवार की सुबह सवारियों से भरी नाव कोसी में पलट गई। नाव में क्षमता से ज्यादा लोग सवार थे। हादसा किशनपुर थाना इलाके के पिरगंज ठाड़ी घत्ता के पास कोसी नदी में हुआ है। सूचना पर पहुंची आपदा मित्र की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गई। समय रहते सभी लोगों को बचा लिया गया। जबकि दुर्घटनाग्रस्त नाव की खोजबीन जारी है।

बताया जा रहा कि छोटी नाव (डेंगी) पर करीब 20 लोग सवार होकर नदी पार कर रहे थे। इसी बीच अनियंत्रित होकर नाव पलट गई। किसनपुर थाना क्षेत्र में बाढ़ की चपेट में आने से पीरगंज से दुबियाही जाने वाली सड़क लगभग 20 फीट की दूरी में कटकर बह चुकी है। इसलिए लोग नाव के सहारे ही आवागमन कर रहे थे।

पास में गुजर रही थी आपदा मित्र की टीम पानी का तेज बहाव होने की वजह से नाव पलटी है। आपदा मित्र मो. समीउल्लाह ने बताया कि कोसी क्षमता से अधिक लोग नाव पर सवार होकर आवागमन कर रहे थे। तेज धार होने के कारण नाव पलटी है। इस दौरान आपदा मित्र की टीम कटिंग होकर सुजानपुर स्थित बाढ़ राहत शिविर में जा रही थी। उन्होंने आंखों देखी घटना होते देखा। तुरंत बाद सहयोगी आपदा मित्र मो.आदम और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया गया। घटना की सूचना किसनपुर के अंचलाधिकारी और बीडीओ को दी गई। प्रशिक्षु डीएसपी सह किसनपुर थानाध्यक्ष नीतू सिंह ने बताया कि डेंगी नाव पर क्षमता से अधिक लोग सवार थे। सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल गए हैं।

नालंदा में 6 अक्टूबर को सम्मानित होंगे सैकड़ों खिलाड़ी

नालंदा। के हरनौत में 6 अक्टूबर को एक ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। यहां 24वीं बिहार अवार्ड सेरेमनी 2024 का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बिहार के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों पैरालंपिक और सामान्य खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में योगेंद्र सिंह (निदेशक, माध्यमिक शिक्षा), विजय प्रकाश मीणा (निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग), शशांक शुभंकर (जिलाधिकारी, नालंदा), भारत सोनी (पुलिस अधीक्षक, नालंदा) और पूर्व निशक्त आयुक्त डॉ. शिवाजी कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति शिरकत करेंगे।

यह संभवतः आजादी के बाद पहली बार है जब हरनौत में बिहार स्तरीय इतना बड़ा खेल का आयोजन हो रहा है। इस आयोजन के माध्यम से दिव्यांग खिलाड़ियों को सम्मानित करके उनके हौसले को बढ़ावा दिया जाएगा और उन्हें प्रेरित किया जाएगा। आयोजन के लिए स्थानीय प्रशासन ने पूरी तरह से तैयारियां शुरू कर दी है। कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया जा रहा है और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। आयोजन स्थल को साफ-सुथरा रखने के लिए भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह आयोजन दिव्यांगों के लिए एक मंच प्रदान करेगा जहां वे अपनी प्रतिभा दिखा सकेंगे और सम्मानित हो सकेंगे। यह आयोजन दिव्यांगों के प्रति समाज के नजरिए को बदलने में भी मदद करेगा।

ये करेंगे कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम का आयोजन बिहार स्पोर्ट्स एसोसिएशन, स्पेशल ओलंपिक भारत-बिहार, बिहार डिसएबल स्पोर्ट एकेडमी, बिहार दीफ स्पोर्ट्स एसोसिएशन, बिहार ब्लाइंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन, इंडियन स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ सेरेबरल पलसी, इंडियन स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ ऑटिस्म, बिहार एसोसिएशन ऑफ पीडब्ल्यूडी, पाटलिपुत्र पेरेंट्स एसोसिएशन ऑफ डहक्कछ, समर्पण और एक्शन फॉर ऑल चाइल्ड कंसर्न के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

लाभा स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी में लगी आग

कटिहार। मालदा रेल खंड के लाभा स्टेशन पर गुरुवार को प्लेटफार्म 3 पर खड़ी एक मालगाड़ी में अचानक आग लग गई। स्टेशन मास्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मालगाड़ी कटिहार से क्रॉसिंग के लिए रुकी थी, तभी आग लग गई, जिससे अफरातफरी मच गई। आग की सूचना मिलने पर रेल प्रशासन ने फायर ब्रिगेड को बुलाया, जिसने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस घटना से कई ट्रेनें घंटों लेट हो गईं। आग देखने गए लाभा गांव के युवक मोहम्मद फैसल आग की चपेट में आकर झुलस गए, जिन्हें इलाज के लिए कटिहार सदर अस्पताल भेजा गया। बताया गया कि मालगाड़ी में डीजल लदा था, जो ब्लास्ट हो गया और आग लग गई। आग से क्षतिग्रस्त बोगियों को ट्रेन से अलग कर दिया गया।घटना के बाद स्थानीय यात्री और ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। रेलवे के वरीय अधिकारियों को सूचित कर ट्रेन परिचालन बहाल कर दिया गया है।

महिला से लूटपाट करने वाला बदमाश गिरफ्तार

समस्तीपुर। के मुसरीघरारी चौक के पास एक महिला से एक लाख रुपए की छिनतई हुई थी। इस मामले में पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया बदमाश वैशाली जिले के घटारो थाना के कड़वाहा गांव निवासी राजू पांडे का बेटा पिंटू पांडे है। इसके पास से 80 हजार नगद के अलावा पासबुक भी बरामद हुआ है। फरार अन्य बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।दरअसल, 27 अगस्त को मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के बथुआ बुजुर्ग गांव निवासी स्वर्गीय राम नारायण चौरसिया की बेटी दुर्गा कुमारी एसबीआई शाखा से रुपए लेकर गांव लौट रही थी। इसी दौरान बाइक सवार बदमाशों ने उनका बैग झपट लिया था। एएसपी संजय पांडे ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश ने अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए घटना में शामिल अन्य बदमाशों के बारे में भी जानकारी दी है। पुलिस को मिले इनपुट के आधार पर छापेमारी की जा रही है।

BDO मैडम की गाड़ी में आगे बिहार-पीछे यूपी का नंबर

सहरसा के एक महिला सरकारी अधिकारी की गाड़ी पर दो अलग-अलग राज्यों की नंबर प्लेट लगी है। गाड़ी के आगे बिहार का रजिस्ट्रेशन नंबर (BR 06 DT 8204) और पीछे उत्तर प्रदेश का रजिस्ट्रेशन नंबर (UP 14 CJ 7708) है। ये सौर बाजार प्रखंड की BDO (ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर) नेहा कुमारी की पर्सनल गाड़ी बताई जा रही है। गाड़ी पर पीछे के शीशे पर बिहार सरकार लिखा है। आगे नंबर प्लेट के ऊपर प्रशासन प्रखंड विकास पदाधिकारी सौर बाजार सहरसा का बोर्ड भी लगा हुआ है। 2 अलग-अलग नंबर प्लेट वाली गाड़ी का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है।सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद BDO नेहा कुमारी ने कहा कि 'पहले गाड़ी पर यूपी का नंबर था। बिहार लाने पर इसका रजिस्ट्रेशन चेंज करवाया था।मुजफ्फरपुर जिले से रजिस्ट्रेशन के लिए अप्लाई किया। रजिस्ट्रेशन नंबर मिल भी गया। नया रजिस्ट्रेशन नंबर मिलने के बाद गाड़ी DTO भेजी थी। DTO ऑफिस में गाड़ी के आगे वाला नंबर प्लेट तो चेंज कर दिया गया, लेकिन गाड़ी के पीछे लगी यूपी की नंबर प्लेट खुली ही नहीं। वहां इसे बाहर से खुलवाकर लाने के लिए कहा गया था। मुझे कार्यालय आना था, इसलिए जल्दबाजी में मैंने भी ध्यान नहीं दिया। गाड़ी कार्यालय के बाहर लगी थी। इसी दौरान किसी ने मेरी गाड़ी का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। BDO (ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर) नेहा कुमारी ने बताया कि वो अपनी पर्सनल गाड़ी से आवास से दफ्तर आती हैं। क्षेत्र में जाने के लिए सरकारी गाड़ी का ही इस्तेमाल करती हैं।

बेटे ने कुछ ऐसा-वैसा देखा होगा, इसलिए उसे मार दिया

मधेपुरा। मेरा बच्चा काफी शांत स्वभाव का था। वो हमेशा पढ़ने और खेलने में मस्त रहता था। सोमवार को उससे आखिरी बार बात हुई थी। उसने कहा था कि 6 अक्टूबर को पापा को भेज देना। इस दिन पेरेंट्स मीटिंग है और फिर दुर्गा पूजा की छुट्टी हो जाएगी।' यह कहते हुए लकी आनंद (8) की मां ममता कुमारी फूट-फूटकर रो पड़ती हैं। लकी की बुधवार की रात भागलपुर स्थित एक निजी हॉस्टल में संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि स्कूल मैनेजमेंट की लापरवाही की वजह से बच्चे की जान गई है। उसके साथ मारपीट की गई है। बच्चे के पिता सौरभ कुमार का कहना है कि स्कूल प्रबंधक बेटे का पोस्टमॉर्टम कराने से भी रोक रहे थे। पिता ने बताया, 'लकी ने स्कूल में कुछ आपत्तिजनक देख लिया होगा, जिसे छिपाने के लिए उसे मारा गया है। मेरे बच्चे को पहले कभी कुछ नहीं हुआ था। अब कैसे क्या हो गया। बच्चे को इंसाफ मिलना चाहिए। इस मामले में स्कूल के डायरेक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है।' मधेपुरा निवासी लकी आनंद तीसरी कक्षा का स्टूडेंट था। उसका बड़ा भाई उज्जवल 5वीं का छात्र है। दोनों ही भागलपुर के शाहकुंड स्थित माउंट जिओन एकेडमी में पढ़ रहे थे। स्कूल के ही हॉस्टल में दोनों रहा करते थे। लकी के मां-पिता दोनों ही मधेपुरा में सरकारी शिक्षक हैं। लकी के पिता सौरव कुमार ने बताया, 'मेरे गांव के रहने वाले बिपिन जायसवाल का बेटा भी उसी स्कूल में पढ़ता है। बिपिन बुधवार की दोपहर अपने बच्चे को घर लाने के लिए स्कूल गए थे। उन्होंने मुझे फोन किया और बताया कि लकी की हालत गंभीर है। आप हॉस्पिटल पहुंचिए, लेकिन स्कूल मैनेजमेंट की ओर से मुझे इस संबंध में कोई कॉल नहीं किया गया।'सौरभ कुमार ने बताया, 'लकी जब घर आता था तो कहता था कि एक ही कमरे में सात-आठ बच्चे को रखा जाता है। सीनियर क्लास के बच्चे उनके साथ मारपीट करते हैं। उन लोगों ने हॉस्टल प्रबंधन से इसकी शिकायत भी की थी। बड़े बेटे उज्जवल ने भी बताया था कि 7वीं क्लास के सन्नी नामक छात्र की लकी से नहीं बनती थी। वो लकी से झगड़ा करता था। उसे मार देने की बात कहता था।' पिता ने बताया, 'स्कूल प्रबंधक ने बच्चे की मौत के बारे में हमें जानकारी नहीं दी। उन्हें लगा कि परिजन वहां जाकर हंगामा करेंगे और सभी बच्चे इस घटना के बारे में जान जाएंगे। इससे हॉस्टल का रेपुटेशन खराब होगा।लकी के पिता ने बताया, 'स्कूल प्रबंधक नहीं चाहता था कि उनके बेटे का पोस्टमॉर्टम हो। उनका कहना था कि जो होना था हो गया, स्कूल आपके साथ है, लेकिन उन्होंने स्कूल संचालक की बात को नहीं माना और बच्चे को पोस्टमॉर्टम के लिए मायागंज अस्पताल ले गए। बुधवार की रात में ही मायागंज अस्पताल में पोस्टमॉर्टम हुआ और रात में ही डेड बॉडी लेकर घर आ गए।'उज्जवल ने बताया, 'मैं जब तक स्कूल में था, उस वक्त तो मुझे कुछ पता नहीं चला था। जब पापा स्कूल से छुट्टी कराकर घर लाए तब पता चला कि लकी की डेथ हो चुकी है।हल के डायरेक्टर रवि प्रधान ने बताया, 'बुधवार को गांधी जयंती की छुट्टी थी। सभी बच्चे हॉस्टल में ही थे। दोपहर 2 बजे सभी बच्चों को खाना खिलाया गया। लगभग 2:15 बजे लकी के सीने में दर्द उठा। हॉस्टल के बच्चों ने स्कूल के प्राचार्य और वार्डन को इसकी जानकारी दी। इसके बाद लकी को नजदीकी हॉस्पिटल ले जाया गया। जांच के बाद डॉक्टर ने उसे हायर सेंटर ले जाने की बात कही। इसके बाद भागलपुर के केके नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।'

BRIEF NEWS

बेतिया में जाली नोट बरामद, एक को जेल

BETHIA : नोटबंदी के पहले जाली नोट के कारोबार में सुर्खियों में रहें नौतन ब्लॉक में फिर से जाली नोट का धंधा पनपने लगा है। पुलिस ने साढ़े पांच हजार जाली नोट के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार तस्कर विशंभरपुर गांव के मुनीलाल कुमार बताया गया है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जाली नोट के धंधेबाज कोगिरफ्तार करने में सफलता पाई है। थानाध्यक्ष ने कहा कि गिरफ्तार तस्कर के पास से पांच पांच सौ के जाली नोट बरामद किया गया। पुलिस ने तस्कर से गहन पूछताछ के बाद आज जेल भेज दिया है। इस कारोबार में संलिप्त करोबारियों की तलाश में पुलिस जुट गयीं हैं और छान बीन जरी है।

नल-जल के पानी को ले मारपीट, पांच लोग घायल

BHAGALPUR : शुक्रवार को जिले के सुलतानगंज थाना क्षेत्र के शिवनंदनपुर गांव में नल-जल के पानी को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल सुल्तानगंज में भर्ती कराया गया है। घायलों में वीणा देवी, रविन्द्र यादव, रोहित कुमार, रेखा देवी और नुतन देवी शामिल हैं। उधर घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची घटना की छानबीन में जुट गई है। उधर घटना को लेकर घायल रविन्द्र यादव ने बताया कि मसदी पंचायत के शिवनंदनपुर वार्ड 9 का निवासी हूं। आज गांव के दबंग उधो यादव, पप्पू यादव, गब्बर यादव अभीषेक कुमार, टुनटुन यादव, संजु देवी, सीता देवी को जलनल का पानी हमारे घर के पास जमा होने पर कहा तो यह सभी लोग मारपीट करने लगे।

60 बोतल शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

ARARIA : भारत-नेपाल सीमा पर अवस्थित घूरना थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर शुक्रवार को तीन तस्करों के साथ नेपाल से तस्करी कर लाए गए दो कार्टून में रखे 60 बोतल शराब को जब्त किया। पुलिस ने यह कार्रवाई घूरना बसमतिया मुख्य मार्ग में सैनिक रोड पर हरिपुर सुरसर नदी के किनारे की।पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए कुल 18 लीटर शराब,तीन मोबाइल और एक पल्सर मोटरसाइकिल बरामद किया।

पटना समेत 20 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट

PATNA : पटना समेत राज्य के 20 जिलों में बारिश, वज्रपात का येलो अलर्ट जारी किया गया है। अगले 48 घंटों के बाद अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री गिरावट के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के मुताबिक बिहार की राजधानी पटना, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, कटिहार, गया, किशनगंज, पूर्णिया, समस्तीपुर, मधुबनी, खगड़िया, भागलपुर, अररिया, समस्तीपुर समेत 20 जिलों में जमकर बारिश होने के आसार हैं। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सुपौल, अररिया, सहरसा, मधुबनी, बक्सर, बेगूसराय, भागलपुर व भोजपुर में वर्षा दर्ज की गई। सुपौल के किशनपुर में सर्वाधिक वर्षा 59.2 मिमी दर्ज हुई।

दुर्गा पूजा से पहले बाढ़ पीड़ित परिवारों को मिलेंगे सात हजार रुपये

AGENCY DARBHANGA : शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दरभंगा में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और पीड़ितों के लिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा से पहले 50 हजार बाढ़ पीड़ित परिवारों के खाते में 7000 रुपये की सहायता राशि डीबीटी के जरिए भेजी जाएगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लहेरियासराय पोलो मैदान स्थित बाढ़ राहत फूड पैकेजिंग सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राहत सामग्री जल्द से जल्द पीड़ितों तक पहुंचनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हायाघाट और हनुमाननगर प्रखंड को भी एसओपी में शामिल करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दरभंगा के प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

सीएम ने बाढ़ राहत कैंपों का किया निरीक्षण

नीतीश कुमार ने बाढ़ पीड़ितों के लिए बनाए गए राहत कैंपों का निरीक्षण और एयरफोर्स के माध्यम से फूड पैकेजिंग वितरण की प्रक्रिया का जायजा लिया। नीतीश कुमार ने बाढ़ पीड़ितों के लिए लगाए जा रहे चिकित्सा शिविरों की भी व्यवस्थाएं देखी। चिकित्सकों से बात की और निर्देश दिए हर पीड़ित के समुचित इलाज की व्यवस्था की जाए। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों और व्यवस्था में लगे लोगों से बात की। उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों को निर्देश

सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लगातार दौरा कर लोगों की वास्तविक स्थिति पर निगाह बनाए रखें। उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो इसके लिए उन्हें सुरक्षित स्थान पर विस्थापित करें। राहत शिविरों में सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें। इससे पहले मुख्यमंत्री के दरभंगा दौरे को लेकर तैयारियां की गई थी। बिरौल में खोरमाछी मैदान में हेलीपैड बनाया गया था। माना जा रहा था कि मुख्यमंत्री कोसी नदी के टूटे तटबंध का भी निरीक्षण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री का विशेष जोर टूटे तटबंध के मरम्मत कार्य पर रहेगा ताकि विस्थापित लोग जल्द से जल्द अपने घरों को लौट सकें। मुख्यमंत्री के साथ बहादुरपुर से जदयू विधायक तथा सरकार में समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी सहित कई विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

मुजफ्फरपुर में बाढ़ पीड़ितों ने टायर जलाकर एनएच-77 को किया जाम

MUZAFFARPUR : शुक्रवार को मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या (एनएच-77) पर बाढ़ पीड़ितों ने टायर जलाकर मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया। आक्रोशित लोगों का कहना था कि हमारी सुनने वाला कोई नहीं है। इसलिए सड़क पर जिंदगी काट रहे हैं और जिला प्रशासन कुम्भकर्णी नींद में सोया हुआ है। लोगों का आरोप है कि बाढ़ पीड़ितों को खाना खिलाने से पहले आपदा प्रबंधन और मुजफ्फरपुर औराई के पदाधिकारी ने अंगूठे का निशान लगवाया। बिना अंगूठा लगाये किसी को खाना तक नहीं दिया गया। इसी बात से लोग गुस्सा हो गये। बिहार में बाढ़ के बीच प्रशासन की बेरुखी से गुस्साए बाढ़ पीड़ितों ने

बांस-बल्ली लगाकर बीच सड़क पर टायर जलाया और मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी रोड पर जाम लगा दिया। उग्र बाढ़ पीड़ितों ने इस दौरान पुलिस को खदेड़ा और पथराव किया। पुलिस कर्मी वहां से जान बचाकर भागे। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल को भेजा गया है। इस दौरान आक्रोशित बाढ़ पीड़ितों ने सरकार और उनके अधिकारियों के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की।

सुपौल में 20 लोगों से भरी नाव पलटी, सभी सुरक्षित

SUPAUL : सुपौल जिले के किशनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पिरगंज ठाढ़ी धत्ता के पास शुक्रवार कोसी नदी में 20 लोगों से भरी नाव पलट गई। नाव पर क्षमता से अधिक लोग सवार थे। भार अधिक होने के कारण नाव अनियंत्रित होकर नदी में पलट गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची आपदा मित्र की टीम ने रेस्क्यू कर सभी को बचा लिया। पुलिस के मुताबिक किसनपुर थाना क्षेत्र के बाढ़ की चपेट में आने से पीरगंज से दुबियाही जाने वाली सड़क बाढ़ के पानी में बह चुकी है, जिसके कारण क्षेत्र के लोग नाव के जरिए आवागमन कर रहे है। शुक्रवार को 20 लोग छोटी नाव पर सवार होकर नदी पार कर रहे थे। इस बीच नाव अनियंत्रित होकर कोसी नदी में पलट गई। हादसे के बाद नाव सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई।

पूर्व विधान परिषद सदस्य के बेटे से मिली जानकारी के आधार पर कार्रवाई

सीबीआई ने एनआईए के डीएसपी को रिश्वत मामले में किया अरेस्ट

AGENCY PATNA : केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के पटना शाखा में कार्यरत पुलिस उपाधीक्षक अजय प्रताप सिंह एवं दो मध्यस्थ व्यक्तियों को 20 लाख रुपये रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बताया है कि इस मामले में जनता दल यूनाइटेड के पूर्व विधान परिषद सदस्य के बेटे रॉकी से मिली जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई है। इस केस के आईओ अजय प्रताप सिंह थे।

यह मामला तब प्रकाश में आया जब सीबीआई को इस संदर्भ में सूचना मिली और उन्होंने तुरंत जांच शुरू की। सीबीआई ने पटना में इस मामले की जांच करते हुए डीएसपी को रंगे हाथों पकड़ा। इसके साथ दो अन्य एजेंटों को भी गिरफ्तार किया गया है, जो इस भ्रष्टाचार में शामिल थे। एनआईए और सीबीआई ने जाल बिछाया, जिसमें अजय प्रताप फंस गए और उन्हें रिश्वत लेते धर दबोचा गया। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही जदयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के बेटे रॉकी यादव की कंपनी और ठिकानों पर एनआईए ने छापेमारी की थी। इस दौरान डेढ़ करोड़ से ज्यादा की रकम बरामद हुई थी। इस केस के आईओ डीएसपी अजय प्रताप सिंह थे। इसी मामले में वे अपने एजेंटों के माध्यम से रिश्वत लेने की कोशिश कर रहे थे। उनके द्वारा लगातार रिश्वत का दबाव बनाए जाने के बाद रॉकी ने सीबीआइ से शिकायत की। इसके बाद सीबीआई ने कार्रवाई को अंजाम दिया। सीबीआइ के अनुसार रॉकी यादव ने लिखित शिकायत में कहा था कि बीते 19 सितम्बर को उसके ठिकानों पर एनआईए ने छापेमारी की थी। इस छापे के बाद एनआईए डीएसपी की एक नोटिस उन्हें मिली, जिसमें 26 सितम्बर को एनआईए कार्यालय में मिलने के लिए बुलाया गया था। वह 26 सितम्बर को आइओ के समक्ष उपस्थित हुआ। उसने आरोप लगाया कि वहां पूछताछ के दौरान उसे तथा उसके परिवार के लोगों को अलग-अलग तरह के झूठे मुकदमों में फंसा देने की धमकी दी गई और ढाई करोड़ की रिश्वत की मांग की गई। परिवार को बचाने के लिए वह रिश्वत देने को तैयार हो गया। इसके बाद उसे एक अक्टूबर को बुलाया गया और 70 लाख की मांग की गई, जिसे उसी दिन पटना में देने कहा गया। रॉकी ने शिकायत में कहा कि उसने इसके लिए समय की मांग की और तीन अक्टूबर को गया में रिश्वत देने की बात तय हुई।

अधिकारियों को किसी का डर नहीं: तेजस्वी

PATNA : शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि नेताओं को सरकार की बदनामी का डर रहता है, लेकिन बिहार के आलाधिकारियों को किसी का डर नहीं है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने सोशल मीडिया पर वाल्मीकिनगर से जदयू सांसद का एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में सांसद किसी से फोन पर कह रहे हैं कि सुबह से आपको फोन लगा रहे हैं और आपसे बात नहीं हो पा रही है, मजाक बना के रखे हैं, सरकार की इससे बदनामी ना होती है। इस वीडियो को पोस्ट कर तेजस्वी ने आरोप लगाया कि नौकरशाही से त्रस्त बेचारे सांसद महोदय की बेबसी और बेचारगी देखिए। डीएम-एसपी को तो छोड़िये सुबह से फोन किए जा रहे हैं, लेकिन छोटा बाबू भी फोन नहीं उठा रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अपने ही दल के नेताओं के फीडबैक पर काम नहीं करते, विपक्ष की तो छोड़ ही दीजिए। वहीं, एक अन्य पोस्ट में उन्होंने पीरपैंती-बाखरपुर मुख्य मार्ग पर बने पुल के ध्वस्त होने और पूर्णिया के अमौर में पुल का पहुंच पथ पानी में बहने का भी वीडियो शेयर किया।

पूर्वी चंपारण जिले के संग्रामपुर की घटना

आंगनबाड़ी सहायिका की गोली मारकर हत्या

AGENCY CHAMPARAN : जिले में संग्रामपुर थाना क्षेत्र में अपराधियो ने आंगनबाड़ी सहायिका को सोए अवस्था में गोली मारकर हत्या कर दी है। महिला की पहचान संग्रामपुर प्रखंड के भटवलिया गांव स्थित बाल विकास परियोजना केंद्र संख्या 62 की सहायिका सीमा देवी के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृत सहायिका अपने नव निर्मित घर मे अकेली रहती थी।

- पति से विवाद के कारण ससुराल छोड़कर मायके में रहती थी अकेले
- गांव में ही ब्याज पर पैसे का करती थी लेनदेन

शुक्रवार की सुबह वह अपने आंगनबाड़ी केंद्र पर नहीं पहुंची, तो सेविका द्वारा फोन किया गया। लेकिन जब उसने फोन नहीं उठाया तो आसपास लोगों द्वारा उसके घर के खिड़की से देखा गया तो उसका शव पड़ा हुआ था। घर में बाहर से ताला लगा था। जिसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर अरेराज डीएसपी रंजन कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर व संग्रामपुर थाना पुलिस जांच में जुटी है। लोगों ने बताया कि मृतक की शादी छपरा के मढ़ौरा में हुई थी। शादी के बाद पति पत्नी के विवाद के कारण वह ससुराल छोड़कर मायके में ही अकेली रहती थी। जहां उसने अपना नया घर भी बनाया था। साथ ही ब्याज पर पैसे का लेनदेन भी करती थी। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि घटना की सूचना पर अरेराज डीएसपी के नेतृत्व में सर्किल इंस्पेक्टर,थानाध्यक्ष व आसूचना इकाई को शामिल कर एसआईटी का गठन किया गया है। टीम वैज्ञानिक तरीके से घटना की जांच में जुटी है। एफएसएल की टीम को भी बुलाया जा रहा है।

तीन बच्चों की मां ने फांसी लगाकर दी जान

AGENCY BETHIA : बेतिया के मंगलपुर गांव में तीन बच्चों की मां सरिता देवी ने अपने गले में फंदा डाल मौत को अपने गले लगा लिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव के अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस जानकारी के अनुसार मृत महिला के भसुर बैधनाथ साह ने बताया कि गुरुवार को नवरात्र पर्व को लेकर घर के सभी लोग कलश यात्रा में शामिल होने गये थे।

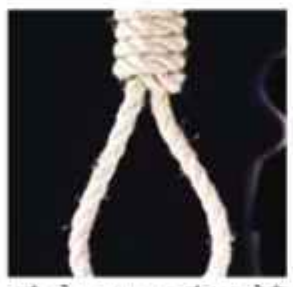

शाम में जब वापस आये तो घर में लगे बांस में साड़ी का फंदा लगाकर महिला मृत पड़ी थी। जिसकी सुचना पुलिस को दी गई। इस संबंध में मृत महिला के पिता देवराज बावरिया के लक्ष्मण साह ने बताया कि उसकी पुत्री की हत्या की गई है। जबकि इस मामले में किसी प्रकार का आवेदन नहीं दिया गया है मृत महिला को तीन लड़के व एक लड़की है। जिसमें सुरज कुमार 11 वर्ष,सनोज कुमार 8

वर्ष, छोटू कुमार 6 वर्ष तथा बेटी सलोनी कुमारी 5 वर्ष है। मृतका के पिता लक्ष्मण साह एक महीना पहले अपनी लड़की को बुलाने गया था। ससुराल वालों ने विदा करने से इंकार कर दिया था। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि मृत महिला का बड़ा पुत्र सुरज कुमार ने पुलिस को बताया कि उसकी मां बिमार रहती थी। गुरुवार को वह अपने आप अपनी जान साड़ी का फंदा डाल गंवा दी। थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी इस मामले की किसी प्रकार का आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलने पर कारवाई होगी।

पुलिस गश्ती के दौरान दो हथियार तस्कर गिरफ्तार

CHAMPARAN : शुक्रवार को जिले के मलाही थाना पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान एक युवक को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। जिसकी निशानदेही पर एक और अपराधी को कट्टा और गोली के साथ गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी देते हुए अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार ने बताया कि एसपी के निर्देश पर मलाही थाना पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान मठिया गिरी टोला मंदिर के समीप गश्ती गाड़ी देख भागते एक युवक को खदेड़कर पकड़ा। जिसकी पहचान अंकित कुमार उर्फ रितिक के रूप में हुई वही उसका तलाशी लेने पर उसके पास से 9 एमएम का दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर पुलिस ने मलाही थाना क्षेत्र के खजुरिया से नीतीश रंजन उर्फ शिवू को गिरफ्तार किया। उसके पास से भी एक देसी कट्टा एवं 335 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इसके साथ ही नीतीश के मोबाइल से हथियार खरीद बिक्री करने का कई साक्ष्य भी मिले है।

दुकान के लिए निकले आभूषण कारोबारी को दिन-दहाड़े अपराधियों ने मारी गोली

AGENCY ROHTAS : बिहार के रोहतास में अपराधी बेखौफ हो गये। इसका अंदाजा आप इससे लगा सकते है कि तीन दिन पहले बाइक सवार दो बदमाश ने होमगार्ड के जवान को गोली मारकर फरार हो गए। शुक्र है कि गोली बेल्ट में लगी जिससे उसकी जान बच गई। ताजा मामला विक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के दिनारा का है। जहां आज शुक्रवार को घर से दुकान जा रहे आभूषण कारोबारी को दिनदहाड़े गोली मार दी गई। घटना को लेकर चेंबर ऑफ कामर्स में काफी गुस्सा है।

दरअसल, रोहतास में एक बार फिर बदमाशों ने खूनी खेल को अंजाम दिया है। यहां एक आभूषण कारोबारी को दिनदहाड़े गोली मार दी गई। इससे दिनारा थाना क्षेत्र के सुरतापुर में दहशत मच गई। घटना का कारण आपसी रंजिश बताया जाता है। वहीं आनन-फानन में घायल संतोष सेठ को इलाज के लिए वाराणसी रेफर

कर किया गया है। वारदात की जानकारी देते हुए रोहतास के एसपी रौशन कुमार ने बताया कि संतोष सेठ जैसे ही घर से दुकान जा रहे थे, तभी रास्ते में पुरानी रंजिश को लेकर कुछ लोग उनसे उलझ गए और फायरिंग कर दी। फायरिंग में उन्हें गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। दिनदहाड़े आभूषण कारोबारी पर गोलीबारी को वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। दिनदहाड़े हुई वारदात को लेकर रोहतास डिस्ट्रिक्ट चैंबर्स ऑफ कामर्स में काफी रोष है। चैंबर के अध्यक्ष सच्चिदानंद ने कहा कि इस वारदात से व्यवसाईयों में दहशत का माहौल है। जल्द से जल्द कांड के दोषी अपराधियों की गिरफ्तारी हो। रोहतास एसपी इस मामले को गंभीरता से लें और घटना में संलिप्त अपराधियों को बेनकाब करें। बता दें कि बीते मंगलवार की शाम मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बदमाशों ने एक होमगार्ड के जवान को गोली मार दी थी। बाइक सवार दो बदमाश पहुंचे और गोली मारकर फरार हो गए।

एसएसबी जवानों की पिटाई के मामले में तीन नेपाली नागरिक समेत 6 पर केस

CHAMPARAN : जिले के कुंडवा चैनपुर थाना क्षेत्र में शराब तस्करों के समूह द्वारा सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के दो जवानों की पिटाई मामले में 3 भारतीय व 3 नेपाली नागरिको को नामजद कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। साथ ही इन लोगों के उपर 10 हजार की इनाम भी घोषित किया गया है। बीते 2 अक्टूबर को 20वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के ए-समवाय बैरगनिया में कार्यरत दो जवान सरकारी बाइक से जा रहे थे, इसी दौरान नेपाल की ओर से बाइक पर शराब लेकर जा रहे तस्करो को उन्होंने रोका,तो शराब तस्कर फरार हो गये, लेकिन उसके कुछ ही देर बाद लाठी डंडे से लैस तस्करो का समूह एसएसबी जवानों पर हमला कर दिया। सहायक कमांडेंट सी-समवाय, कुण्डवाचैनपुर के लिखित आवेदन के आधार पर 03 भारतीय एवं 03 नेपाली कुल-06 नामजद के विरुद्ध कुण्डवाचैनपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया है।

उपभोक्ताओं को महीने में सिर्फ एक बार ही मिलेगी सुविधा, लोड बढ़ाने पर नहीं लगेगा शुल्क

अब रिचार्ज खत्म होने पर भी नहीं कटेगी बिजली

AGENCY PATNA : आपके स्मार्ट बिजली मीटर का बैलेंस खत्म हो गया है, आपके घर की बिजली कट गई है और आप किसी कारण अपना बिजली मीटर रिचार्ज नहीं कर पा रहे है। ऐसे में घबराने की जरूरत नहीं है। आपके घर में जो स्मार्ट मीटर लगा है, उसमें लगे पुश बटन को 20 सेकेंड को दबाकर रखें। अगर आप ऐसा करेंगे तो तीन दिन यानी 72 घंटे तक बिना रिचार्ज किए बिजली मिलती रहेगी। जिलाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह ने गुरुवार को पटना कलेक्ट्रेट सभागार में एक कार्यक्रम के दौरान बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए बताया कि,

> जब उपभोक्ताओं का स्मार्ट मीटर का रिचार्ज खत्म हो जाएगा, तो फोन पर रटर जाएगा। जिसके बाद 24 घंटे के अंदर मीटर रिचार्ज करना होगा। किसी कारणवश रिचार्ज नहीं हो पाता है तो बिजली नहीं कटेगी। इसके लिए अपने स्मार्ट मीटर में दिए गए पुश बटन को 20 सेकेंड तक दबाना होगा। इससे 72 घंटे तक आपको बिजली मिलती रहेगी।
>
> डॉ चंद्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी, पटना

अभी स्मार्ट बिजली मीटर का रिचार्ज खत्म होने के बाद 24 घंटे तक बिजली नहीं कटती है। इसे बढ़ाकर अब तीन दिन यानी 72 घंटे कर दिया जाएगा। लेकिन यह सुविधा उपभोक्ताओं को महीने में सिर्फ एक बार ही मिलेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि अब तक रिचार्ज खत्म होने की सूचना 24 घंटे पहले मिलती थी। लेकिन अब एक सप्ताह पहले दी जाएगी। वहीं बिजली लोड बढ़ाने पर उन्होंने बताया कि अगर आप अपने घर या किसी भी कार्यस्थल का बिजली लोड लोड बढ़ाना चाहते हैं तो आपके अब कोई भी पेनाल्टी नहीं वसूली जाएगी। उपभोक्ता बिना किसी शुल्क के अपने कार्यस्थल का बिजली लोड बढ़ा सकते हैं। वहीं स्मार्ट मीटर लगाए जाने का विरोध के सवाल पर जिलाधिकारी ने कहा कि कुछ लोग स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर झूठी अफवाह फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता किसी भी अफवाह या भ्रांति में नहीं आए। रिचार्ज करने से संबंधित जो भी परेशानी है, उसका समाधान किया जाएगा। जो लोग अफवाह फैला रहे हैं, उनके लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

पटना जिले में 12 लाख स्मार्ट मीटर उपभोक्ता

डीएम ने बताया कि पटना जिले में करीब 12 लाख स्मार्ट बिजली मीटर उपभोक्ता है। जिसमे से शहरी इलाको में करब 80 फीसदी, जबकि ग्रामीण इलाको में 59 फीसदी स्मार्ट मीटर लगे हुए है। ऐसे में जिले के सभी प्रखंडों में विद्युत संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से उपभोक्ताओं के जो भी सवाल होंगे, विभाग द्वारा उसका समाधान किया जाएगा।

सड़क हादसे में दो की मौत, छह लोग घायल

BETHIA : शुक्रवार की दोपहर दो बजे बेतिया में बेकाबू ट्रक की ठोकर से ई रिक्शा में सवार दो लोगों की मौत हो गई वहीं छह लोग घायल हो गए। बेतिया मोतिहारी पथ में मछली लोक के समीप हुई। मरने वालों और घायलों की पहचान हो गई है। मरने वालों में कन्हाई मांझी, 35 वर्ष और सैयद अरमान, 25 वर्ष शामिल हैं। इस घटना में दो बच्चों समेत आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गये। घटना शुक्रवार की दोपहर दो बजे की है। घटना के बारे में बताते हुए मुफस्सिल थानाध्यक्ष अभिराम सिंह ने कहा कि ट्रक की ठोकर से ई रिक्शा के चालक मंशा टोला निवासी सैयद अरमान, रुपडीह वार्ड 33 निवासी कन्हाई मांझी की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी।

बिहार को शराबी बनाना चाहते हैं प्रशांत किशोर : शाहनवाज

AGENCY PATNA : प्रशांत किशोर ने 2 अक्टूबर को जन सुराज पार्टी लॉन्च की। इस दौरान उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो एक घंटे में बिहार में शराबबंदी खत्म कर देंगे। उनके इस बयान पर उनके विरोधी हमलावर हो गए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने प्रशांत किशोर पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार को प्रशांत किशोर शराबी बनाना चाहते हैं। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन पार्टी बनाते हैं, शराबबंदी खत्म करने की बात कहकर गांधी जी का अपमान करते हैं। शाहनवाज हुसैन ने पीके पर निशाना साधते हुए कहा कि आधा बिहार बाढ़ में डूबा है। कुछ बिहार के लिए भी

कीजिए, सिर्फ अपने और पार्टी के लिए बोलेंगे। 2 अक्टूबर को गांधी के नाम पर पार्टी बनाते हैं, और गांधी जी का अपमान करते हैं। कहते हैं शराब ही खोल देंगे, शराब का दरिया बहा देंगे। ऐसी भाषा बोलते हैं, पूरे बिहार को क्या शराबी बनाना चाहते हैं। हुसैन ने कहा कि ये जरूर है कि शराबबंदी में जो लोग गड़बड़ कर रहे हैं।

संतकबीर नगर में त्यौहार पर हुड़दंगियों की खैर नहीं

एसडीएम और सीओ ने चेताया, पूरे मेंहदावल शहर में निकाला फ्लैग मार्च

संतकबीर नगर। आगामी दशहरा और दीपावली पर्व के मद्देनजर संतकबीरनगर के मेंहदावल कस्बे में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार देर शाम पुलिस और तहसील प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान एसडीएम और सीओ ने हुड़दंगियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आगामी दशहरा और दीपावली पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए मेंहदावल कस्बे में पुलिस और तहसील प्रशासन ने गुरुवार देर शाम फ्लैग मार्च निकाला। इस मार्च में उप जिलाधिकारी (एसडीएम) उत्कर्ष श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी

(सीओ) केशवनाथ और मेंहदावल के प्रभारी निरीक्षक रामकृपाल सिंह समेत भारी संख्या में पुलिस बल शामिल रहा।एसडीएम ने दी चेतावनी एसडीएम उत्कर्ष श्रीवास्तव ने फ्लैग मार्च के दौरान हुड़दंगियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति जो शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ पुलिस सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा, शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है, और इस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। शहरवासियों से शांति बनाए रखने की अपील फ्लैग मार्च के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में जाकर नागरिकों से अपील की कि वे त्योहारों के दौरान शांति और सद्भाव बनाए रखें। एसडीएम श्रीवास्तव ने कहा, त्योहारों का मकसद खुशियां मनाना है, इसलिए हम सभी से आग्रह करते हैं कि किसी प्रकार का विवाद न हो और सभी त्योहार शांति से संपन्न हों।

सीओ ने मांगी सहयोग की अपील

मेंहदावल के सीओ केशवनाथ ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि आपके आसपास कोई शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करता है, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। उन्होंने कहा, पुलिस हर स्थिति पर नजर रख रही है और किसी भी प्रकार की अराजकता को बर्दाश्त नहीं करेगी। नागरिकों से हमारा अनुरोध है कि वे पुलिस का सहयोग करें ताकि सभी त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जा सकें।

संक्षिप्त डायरी

भारत तभी सुरक्षित है जब हिंदू बहुसंख्यक हैं

बस्ती। में एक संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आए अयोध्या हनुमान गढ़ी मंदिर के महंत राजू दास महाराज ने मीडिया से बातचीत की। यहां उन्होंने कहा भारत तभी सुरक्षित है, जब हिंदू बहुसंख्यक हैं। कहा देश में देखिए कि लैंड जेहाद, थूक जेहाद, मूत जेहाद, लव जेहाद चलाकर मानवता को शर्मशार करने की घटनाएं, संस्कृति को मिटाने का कार्य चल रहा। एसटीएफ को लेकर टिप्पणी के सवाल पर कहा वही लोग टिप्पणी करते हैं, जिनके सरकार में पांच हजार से दंगे हर साल होते थे। वही लोग टिप्पणियां करते हैं, जो जेल में रहने के बाद अपराधी जेल से बाहर आकर हमारी मां, बहन, बेटियों की इज्जत लूटता था। रंगदारी टैक्स लेकर फिर जेल चला जाता था। वहीं लोग टिप्पणी कर रहे हैं, जो राम को काल्पनिक कहते थे, वही लोग टिप्पणी करते हैं, जो सनातन को मिटाने का प्रयास करते हैं। राष्ट्रवादी कोई टिप्पणी नहीं कर रहा है। पहले खो अपने में झांक कर देख लें, उन्होंने कितने घृणित कार्य किए, कितने पापाचार किए, कितने कुकर्म किए, कितने अधर्म किए। आज बाबा का बुलडोजर जब गरजता है, तो उनको तकलीफ होती है, उनको दर्द होता है, क्योंकि उन्हीं के तो रिश्तेदार लोग ऐसे कार्य कर रहे हैं। तिरुपति बालाजी के लड्डू में मिलावट करने वाले को फांसी हो महंत राजू दास ने तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद लड्डू में मिलावट के सवाल पर कहा तिरुपति बाला जी में जो हुआ, उसकी हम कल्पना मात्र से डर जाते हैं, क्योंकि हम वैष्णव हैं, सीता राम धारण किए हुए हैं, प्याज, लहसुन तक वर्जित है। जहां गाय की चर्बी मिलाई जा रही हो, जहां मछली का तेल मिलाया जाता हो, जहां अखाद्य पदार्थ के ऑयल मिलाकर प्रसाद बनाया जाता हो, उससे दुर्भाग्य की बात और क्या हो सकती है। अगर वह सही है तो उन लोगों के खिलाफ फांसी की कार्रवाई होनी चाहिए। मैं मांग करता हूं पूरे देश में जितने भी मंदिर हैं, मुक्त करो, संतों के हवाले करो, ऐसे कार्य नहीं होंगे।

नवरात्रि में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट पर फलहार का भी पूरा इंतजाम

गोरखपुर। शारदीय नवरात्रि पर हर तरफ भक्तिमय माहौल है। अधिकांश लोग मां भगवती की भक्ति में लीन हैं। 9 दिनों का व्रत रखे हुए हैं। बावजूद इसके गोरखपुर के फ्लोटिंग रेस्टोरेंट पर पर्यटकों की भीड़ कम होने की बजाय नवरात्रि में और बढ़ गई है। जिसका नतीजा यह है कि पूरा रेस्टोरेंट हाउस फुल रह रहा है। इसकी बड़ी वजह यह है कि नवरात्रि पर फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में नवरात्रि स्पेशल फलाहार व्यंजनों का भी इंतजाम किया गया है। जिसमें नवरात्रि स्पेशल थाली के अलावा व्रत रहने वाले भक्तों के लिए तमाम व्यंजन बिल्कुल हाइजीन तरीके से तैयार किए जा रहे हैं। यही वजह है कि इन दिनों वहां पर्यटकों के साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ और भी अधिक बढ़ गई है।इन दिनों नवरात्रि स्पेशल थाली तैयार कराई जा रही है। जिसमें साबूदाना खिचड़ी, कुट्टू पूड़ी, आलू टमाटर की सूखी सब्जी, पनीर-काजू ग्रेवी सब्जी, साबूदाना वड़ा, साबूदाना खीर, फ्रूट सलाद, साबूदाना पापड़ और स्पेशल लस्सी होगी। इस स्पेशल थाली की कीमत सिर्फ 350 रुपए रखी गई है। जिसे वहां के सेफ और कर्मचारी पूरे हाइजीन तरीके से तैयार कर रहे हैं। ताकि, व्रत रहने वाले भक्तों को गोरखपुर के एक शानदार स्पॉट पर घूमने के साथ ही वहां शुद्ध लजीज फलाहार व्यंजनों का भी एक्सपीरिएंस मिल सके। व्रत के लिए इतने डिशेज स्पेशल थाली के अलावा भी अलग से वहां व्रत के लिए साबूदाना खिचड़ी, कुट्टू पूड़ी, सिंघाड़ा पूड़ी, आलू टमाटर की सूखी सब्जी, पनीर-काजू ग्रेवी सब्जी, साबूदाना वड़ा, साबूदाना खीर, सूजी हलवा, लौकी हलवा, लौकी खीर, फ्रूट सलाद, साबूदाना पापड़, रोस्टेड मखाना, तीन का चावल, प्लेन लस्सी, स्पेशल लस्सी, ड्राई फ्रूट लस्सी, नारियल पानी, फ्रेश फ्रूट जूस भी बेहद कम कीमत पर मिल रहा है।

थाने से फरार नवरंगी पुलिस पकड़ से दूर

बस्ती। में लालगंज थाना से पुलिस अभिरक्षा से फरार नवरंगी पुलिस की पकड़ से दूर है। इसे लेकर वादी मुकदमा के परिजनों सहित बजरंग दल में काफी आक्रोश है। उनका आरोप है कि पुलिस ने ही थाने से नवरंगी को भगा दिया है, इसे लेकर बजरंगदल ने 25 सितंबर को थाने में धरना भी दिया था। धरने पर बैठे बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने थाने के हेड मोहर्रिर पर केसरिया टीशर्ट पहनकर अभद्रता करने का आरोप भी लगाया था, जिसके चलते हेड मोहर्रिर को लाइन हाजिर कर दिया था क्या था। थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में कोतवाली थाना क्षेत्र के रोडवेज निवासी नवरंगी गुप्ता पर लालगंज पुलिस ने बालिका के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद पुलिस ने नवरंगी को ढूंढना शुरू किया। 23 सितंबर की रात्रि में नवरंगी पकड़ा गया। उल्टी-पेट दर्द का बहाना करके बाहर आया 25 को पुलिस उन्हें न्यायालय में पेश करने वाली थी। इसी बीच 24 की रात्रि में नवरंगी ने पेट दर्द व उल्टी का बहाना बनाकर लॉकअप से बाहर आ गया और पुलिस को चकमा देते हुए फरार हो गया। तब से लेकर अब तक नवरंगी कहां है पुलिस इसका पता लगाने में जुटी है, लेकिन पुलिस के हाथ अभी भी खाली हैं। घटना को लेकर एसओ लालगंज सुनील कुमार गौड़ ने बताया कि नवरंगी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है, जल्द ही उसकी गिरफ्तारी होगी।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

संतकबीरनगर। के धनघटा थाना क्षेत्र के गौरापार गांव के पूरब स्थित बाग में एक युवक का शव गुरुवार को ग्रामीणों ने महुआ के पेड़ से लटकता देखा। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के पॉकेट में रखें पर्स में आधार कार्ड के आधार पर शव की शिनाख्त की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। युवक की पहचान सुशील यादव पुत्र गिरजेश (25) के रूप में हुई। पिता गिरजेश यादव ने बताया कि उनके बेटे से बुधवार की शाम 5:00 बजे तक बात हुई। उसके बाद मोबाइल पर घंटी बजती रही और मोबाइल नहीं उठा। रात 9:00 बजे मोबाइल बंद हो गया। पूरी रात लोग बेटे की तलाश में घूमते रहे। जब सूचना मिली तो लोग मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना पहुंचते ही उनके घर पर कोहराम मच गया और लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है।युवक पुराने ट्रैक्टरों को खरीदने बेचने का काम करता था। शादी अभी दो माह पूर्व तय हुई है। थाना अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है । तहरीर मिलने के बाद तथा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

क्विज प्रतियोगिता में सफल बच्चों को मिला प्रशस्ति पत्र

संवाददाता

कुशीनगर। हाटा ब्लाक संसाधन केंद्र पर राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तत्वावधान में जिज्ञासा आधारित शिक्षा वैज्ञानिक मनोवृति विकसित करने के लिए ब्लॉक के 34 सिविलियन विद्यालय व पूर्व माध्यमिक विद्यालय के 100 बच्चों का क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।प्रतियोगिता का उद्घाटन कर खंड शिक्षा अधिकारी अमितेश कुमार ने कहा कि बच्चों में विज्ञान के प्रति सहज जिज्ञासा जाग्रति करने के लिए ऐसी प्रतियोगिताओं का होना जरूरी है। प्रतियोगिता में 25 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को द्वितिय चरण में साक्षात्कार कराया गया। सफल छात्र पूर्व माध्यमिक विद्यालय महुइ अंशु, पूर्व माध्यमिक विद्यालय पिपरा रीता, पूर्व माध्यमिक विद्यालय अहिरौली तुलादास द्विवेका, पूर्व माध्यमिक विद्यालय भठही शिवांगी, पूर्व माध्यमिक विद्यालय बतरौली अंशिका को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए नामित किया गया। एआरपीो बिनोद कुमार शर्मा व दयानन्द धर द्विवेदी द्वारा संयुक्त रूप से प्रतियोगिता का सफल क्रियान्वयन किया गया। सफल प्रतिभागियों को खण्ड शिक्षा अधिकारी अमितेश कुमार डायट प्रवक्ता चन्द्रशेखर द्वारा मेडल्स और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व माशिसंअध्यक्ष देवानंद धर द्विवेदी, प्राशिसं अध्यक्ष राम दिनेश सिंह, बिपिन सिंह, शैलेष शाही, सुरेन्द्र सिंह, सुनील सिंह, अमित सिंह, मनिषा, ज्योति कुशवाहा, विजय श्रीवास्तव, गीता यादव आदि मौजूद रहे।

सिविल एक्सन एण्ड कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम के तहत दी जानकारी

संवाददाता

लखनऊ। 91 वीं वाहिनी, दुत कार्य बल एवं अवध रेल इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में सिविल एक्सन एण्ड कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन बेसिक विद्यालय, चन्द्रावल में किया गया। जिसमें छात्र/छात्राओ को राष्ट्र निर्माण, सहभागिता एवं पुलिस व समाज के प्रति अपने कर्तव्यों के निवहन की जानकारी दी गयी।

सेवा और सम्मान ही हमारी विरासत है: कमाण्डेन्ट जितेंद्र ओझा

आयोजन 91वीं वाहिनी, दुत कार्य बल के कमाण्डेंट जीतेन्द्र कुमार ओझा के मार्गदर्शन में किया गया। श्री ओझा ने कहा कि हमारी संस्कृति व परम्परा बहुत ही महान है। सेवा और सम्मान ही हमारी विरासत है। नैतिक और सांस्कारिक शिक्षा ग्रहण कर एक जिम्मेदार नागरिक बनना आप सभी बच्चों की जिम्मेदारी है। इसलिए माता, पिता, गुरु को सदैव सम्मान दें। जीवन में सदा खुश रहेंगे।इसी क्रम में बल द्वारा अन्तरराष्ट्रीय वृद्धा दिवस पर मंगलवार को कमाण्डेंट जीतेन्द्र कुमार ओझा एवं वाहिनी द्वारा वृद्धाश्रम, सरोजनी नगर, लखनउ में उपस्थित बुजुर्गों से मुलाकात कर फल वितरित किया। उनकी समस्याओं को सुना। उनकी समस्या का यथाशीघ्र निष्तारण हेतु आश्वासन दिया। कार्यक्रम में श्रीमती चन्द्रप्रभा, प्रधानाध्यापिका बेसिक विद्यालय, चन्द्रावल एवं 91वीं वाहिनी, दुत कार्य बल के अधिकारी उप कमाण्डर आलोक कुमार, उप कमाण्डर योगेश पांडेय, उप कमाण्डर अरूण कुमार तिवारी, उप कमा० नजीर अफजल, उप कमा० लोकेश बाबू, सहा कमा० गौतम चन्द्र राय, सहा० कमा० हरीशंकर शुक्ल, निरीक्षक बिरेन्द्र सिंह, निरीक्षक शिवेन्द्र मणि त्रिपाठी व अन्य अधीनस्थ अधिकारी व जवान एवं अवध रेल इन्फा प्राइवेट लिमिटेड के श्री अपूर्वा हेजल (एजीएम) ने भाग लिया।

मिशन शक्ति में कार्यक्रम छात्राओं को दी गयी महिला सुरक्षा की जानकारी

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर कस्बे के सेंट जोसफ स्कूल में मिशन शक्ति के तहत पटहेरवा पुलिस ने कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं को महिला सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। छात्राओं को सम्बोधित करते हुए थानाध्यक्ष दीपक कुमार सिंह बताया कि शासन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा के लिए तमाम हेल्प लाइन जारी किए गए हैं। जिस पर सूचना देने पर पुलिस आपकी सहायता के लिए तत्काल मौके पर पहुंच जायेगी। उन्होंने कहा कि आप को अपने गांव, स्कूल या रास्ते में कही भी किसी प्रकार की दिक्कत हो रही है या कोई परेशान कर रहा है तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। आपकी पहचान को गोपनीय रखते हुए पुलिस आरोपी

से कड़ाई से निपटेगी।महिला आरक्षी निधि श्रीवास्तव ने बताया कि शासन द्वारा 1090, 112, 1098 आदि हेल्प नंबर जारी किए गए हैं। जिस पर आप कभी भी सूचना दे सकती हैं या थाने पहुंच कर भी महिला हेल्प डेस्क पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं ।पुलिस तत्काल कार्यवाई प्रारंभ कर देगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावे आप खुद में अपनी सुरक्षा की भावना को जागृत करें और सम्भव हो विद्यालय आते जाते समूह में चलें। कार्यक्रम का संचालन कवि मनंजय तिवारी निर्मल ने किया। विद्यालय के निदेशक सीओ जोस ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए छात्राओं को आत्म रक्षार्थ तैयार रहने का आह्वान किया।इस दौरान प्रधानाचार्य श्रीमती जेसी जोस, उपनिरीक्षक श्रवण कुमार, विशाल कुमार, दीवान वीरा यादव, फुलचंद चौधरी, रामबेलाश यादव, मुलायम यादव, पंकज गुप्ता, आरती श्रीवास्तव, शिक्षक अजय उपाध्याय सहित विद्यालय की छात्राएं मौजूद थी।

नयी दिशा द्वारा लाडले आर्य के जन्मोत्सव पर हुआ पौधरोपण

संवाददाता

कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण संग जन्मोत्सव अभियान के क्रम में गुरुवार की शाम को हाटा विकास खण्ड स्थित ग्राम सचा भठहो बाबू में अमित शर्मा के पुत्र आर्य के प्रथम जन्मोत्सव पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने बताया कि बढ़ते प्रदूषण से मुक्ति हेतु लोगों को जागरूक कर पौधरोपण कराया जा रहा। उन्होंने जन्मदिन सहित जीवन के सभी महत्वपूर्ण अवसरों पर पौधरोपण कर यादगार बनाने की अपील किया। अमित शर्मा ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पेशकार गौड़, गोल्डन गौड़, अंकित गौड़, नयी दिशा उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र आदि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षु एसडीएम/बीडियो ने बच्चों से पूछे सवाल, शिक्षक बन पढ़ाया

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। प्रशिक्षु उप जिलाधिकारी/बीडियो कसया प्रिंस कुमार द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय अन्धवा का औचक निरीक्षण किया गया। विद्यालय में पठन पाठन और शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली। विद्यालय के बच्चों को एक शिक्षक की तरह पढ़ाया और प्रश्न पूछे, उत्तर पाकर खुश हुए। शुक्रवार को प्रशिक्षु उपजिलाअधिकारी/बीडियो कसया प्रिंस कुमार विद्यालय अंधवा पहुंचे और बच्चों एवं प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी से शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में चर्चा की। प्रशिक्षु एसडीएम/बीडियो कुमार ने गणित में कुमारी ज्योति भारती, अलका कुशवाहा से सवाल पूछे, जिसका सही उत्तर पाकर शाबासी दी। कुमारी मीनाक्षी से हिंदी कविता व नीतीश कुमार यादव से अंग्रेजी के लोगों से संबंधित जानकारी ली। बच्चों से समुचित उत्तर से प्रसन्न हो बच्चों को प्रोत्साहित किया। विद्यालय के प्रांगण की स्वच्छता, हरित प्रांगण, विद्यालय कक्ष, बालक/ बालिका / विकलांग, शौचालय की स्वच्छता को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रधानाध्यापक श्री त्रिपाठी को बधाई भी दी। ग्राम पंचायत अधिकारी /एडियो समाज कल्याण- नीरज कुमार चतुर्वेदी ने सुंदर विद्यालय की भूरी भूरी प्रशंसा की और सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि प्रेम कुमार गोंड़, बैजनाथ सिंह, राकेश सिंह, मोहनलाल कुशवाहा, वाल्मीकि दुबे, रागिनी पांडेय के अलावा रसोईया राबड़ी देवी व अतवारी देवी के अलावा बच्चों में कुमारी रिंकी, पिंकी, चांदनी कुशवाहा, खुशी दुबे, राज खरवार, सबिया खातून तनु खरवार पवन कुशवाहा आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अंत में प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी ने सबका आभार व्यक्त किया।

कुएं में मिला युवक का शव ग्रामीणों ने कहा- कुएं के पास ही सोता था

बस्ती। के बालटरगंज थाना क्षेत्र स्थित एक गांव के कुएं में 28 वर्षीय युवक का शव देख ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना क्षेत्र के भरौली बाबू गांव के कुंए में मिली युवक के शव की शिनाख्त गांव के ही 28 साल के मनौल तिवारी की रूप में हुई। पुलिस के अनुसार कुछ ग्रामीणों का कहना है कि युवक नशे का आदी था। गुरुवार की रात्रि में वह कहीं से नशा करके आया होगा और कुएं पर सो गया। नशे की वजह से वह कुएं में गिर गया होगा। बताया रहा है कि युवक अभी अविवाहित था और वह अक्सर कुएं बैठा करता था। घटना को लेकर एसओ बालटरगंज मोतीचंद ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम गांव में पहुंची थी। ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। परिजनों से पूछताछ की गई है। बताया कि शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की असली वजह सामने आएगी।

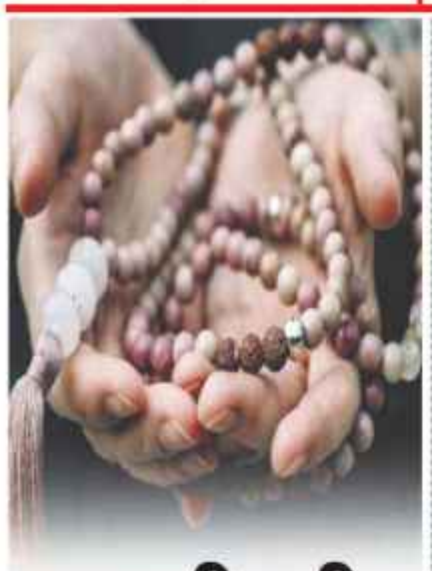

तुलसी की माला और रुद्राक्ष को एक साथ पहना जा सकता है

हिन्दू धर्म में कई तुलसी और रुद्राक्ष माला का महत्व होता है। मन को शांत रखने और जीवन में सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए हम कई उपाय करते हैं। वहीं हम गले में रुद्राक्ष या तुलसी की माला पहनते हैं। हालांकि कुछ लोग इसके ब्रेसलेट भी बनवाकर गले में पहनते हैं। इन दोनों ही माला को गले में धारण करने के अनेक फायदे होते हैं। वहीं यह भी कहा जाता है कि इन दोनों को एक साथ में नहीं पहनना चाहिए। तो आइये जानते हैं क्या तुलसी की माला और रुद्राक्ष को एक साथ में पहनना चाहिए या नहीं

तुलसी की माला और रुद्राक्ष को क्यों पहना जाता है

तुलसी की माला और रुद्राक्ष को हिन्दू धर्म में महत्व अधिक होता है। तुलसी के पौधे की पूजा भी की जाती है। वहीं तुलसी को मां लक्ष्मी का प्रतीक भी माना जाता है। रुद्राक्ष की माला पहनने से मन को शान्ति मिलती है। इन दोनों को पहनने के कई नियम भी होते हैं, जिनका पालन करना बेहद जरूरी होता है। मानसिक तनाव से लेकर जीवन में सुख-समृद्धि को बनाए रखने के लिए तुलसी की माला और रुद्राक्ष को धारण करना शुभ माना जाता है। रुद्राक्ष आपके शरीर में सकरात्मक उर्जा को बरकरार रखने में भी मदद करता है।

क्या है एक्सपर्ट की राय

सेलिब्रिटी एस्ट्रोलॉजर प्रदुमन सूरी के अनुसार, भगवान शिव का एक रूप होता है, जिसे हरिहर के नाम से जाना जाता है। इस रूप में भगवान नारायण और भगवान शिव दोनों हीविराजमान होते हैं। कहा जाता है कि हरिहर में इनकी छवि नजर आती है। हरिहर रूप के आधार पर आप तुलसी की माला और रुद्राक्ष को एक साथ में पहन सकते हैं। इसमें किसी भी तरह की कोई समस्या नहीं है।

कलयुग में इस रूप में अवतार लेंगे भगवान गणेश, पुराणों में मिलता है वर्णन

मान्यता है कि भगवान विष्णु के कल्कि अवतार लेने के बाद कलयुग का अंत हो जाएगा। इतना ही नहीं, भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान गणेश का भी नए अवतार में जन्म होगा। भगवान गणेश का कलयुग में जो अवतार होगा, उसका नाम 'धूम्रकेतु होगा। वे अपनी सेना के साथ पापियों का नाश करेंगे।

धर्म ग्रंथों के अनुसार, जब-जब संसार में अन्याय और अधर्म फैलने लगा, तब-तब भगवान विष्णु ने नया अवतार लेकर धर्म की पुन- स्थापना की। इनमें से श्रीहरि का 'कल्कि अवतार' अभी होना बाकी है। इसी तरह जब पृथ्वी पर पाप, अत्याचार और अधर्म अपने चरम पर पहुंच जाएंगे, तब भगवान गणेश मनुष्यों को धर्म का मार्ग दिखाने के लिए अवतार लेंगे।

पहले भी अवतार ले चुके हैं भगवान गणेश

पुराणों के अनुसार, जब पृथ्वी पर कलयुग अपने चरम पर होगा और हर तरफ बुराई का साम्राज्य होगा, तब गणपति जी पृथ्वी पर अवतरित होंगे। इससे पहले भी भगवान गणेश कई अवतार ले चुके हैं। वे हर युग में अवतरित हुए हैं और उन्होंने दुष्टों का नाश किया है। सतयुग में वे महोत्कट विनायक के रूप में प्रकट हुए, त्रेतायुग में वे मयूरेश्वर के नाम से जाने गए और द्वापर युग में वे शिवपुत्र गजानन के नाम से जाने गए।

अन्याय का नाश करने के लिए जन्म लेंगे भगवान गणेश

गणेश पुराण में वर्णन किया गया है कि जब ब्राह्मणों का मन वेदाध्ययन की बजाय अन्य कार्यों में लगने लगेगा। जब वे तप, यज्ञ और शुभ कर्म करना बंद कर देते हैं। जब लोग बारिश न होने के कारण नदी के किनारे खेती करने लगेंगे, तब भगवान गणेश कलयुग में अवतार लेंगे। जब लोग लालच के कारण एक-दूसरे को धोखा देने से नहीं हिचकिचाएंगे। विद्वान और धार्मिक लोग भी लोभ के कारण धन कमाने के प्रयास में मूर्ख बन जाएंगे। उनके पास जो कुछ भी है वह भी खो जायेगा। जब लोग पराई स्त्रियों पर बुरी नजर रखेंगे और ताकतवर लोग कमजोर को परेशान करेंगे, तब इस धरती से अन्याय का नाश करने के लिए भगवान गणेश का जन्म होगा। जब कलयुग में लोग धर्म का मार्ग छोड़कर अधर्म के मार्ग पर चलने लगेंगे या लोग अपने लालच को पूरा करने के लिए देवताओं की जगह आसुरी शक्तियों की पूजा करने लगेंगे। ब्राह्मण अपने अच्छे कर्म छोड़कर लालच के कारण अपना पेट भरने लगेंगे।

'धूम्रकेतु' रूप में अवतार लेंगे गणेश जी

जब वैश्य समाज के लोग मेहनत से धन कमाने की बजाय बुरे आचरण से धन कमाने लगेंगे, स्त्रियां अपने पति की भक्ति छोड़कर पाप का मार्ग अपना लेंगी। लोग अपने माता-पिता और बड़ों का अपमान करने लगेंगे, ऐसे में भगवान गणेश को धरती पर आना होगा और अवतार लेना होगा। कलयुग में भगवान गणेश के अवतार को 'धूम्रकेतु' कहा जाएगा। भगवान गजानन इस अवतार में लोगों को ज्ञान देने और कलयुगी समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिए अवतरित होंगे। यह भविष्यवाणी गणेश पुराण में की गई है।

नवरात्रि के 9 दिनों में क्या-क्या खरीदें

क्या आप जानते हैं कि नवरात्रि के पवित्र त्योहार पर ऐसी कौन-कौन-सी चीजें खरीदें जिससे सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाए। अगर नहीं तो आप भी जानिए और अवश्य खरीदें नवरात्रि में इन चीजों को.

- आरोग्य पाना चाहते हैं तो नवरात्रि के प्रथम दिन से लेकर अंतिम दिन तक कभी भी गाय का घी लाकर रखें।
- अपना घर चाहते हैं तो मिट्टी का छोटा सा घर लाकर पूजा स्थल में रखें।
- अगर विदेश यात्रा करना चाहते हैं तो 9 दिनों में कभी भी पताका (ध्वजा या परचम) खरीद कर नौ दिनों तक पूजा करें और नवमी के दिन किसी देवी मंदिर में अर्पित करें।
- आर्थिक कष्टों से मुक्ति के लिए चांदी की कोई भी शुभ सामग्री लाकर देवी को समर्पित करें।
- नौकरी में पदोन्नति चाहते हैं तो 3 नारियल लाकर पहले घर में रखें और नवमी के दिन मंदिर में चढ़ाएं।
- आकर्षण बढ़ाना चाहते हैं तो धूप, सुगंध, अगरबत्ती, रूई या चमकीली सफेद सामग्री खरीदें।
- नवरात्रि के दिन मौली खरीद कर उस पर नौ गांठ लगा कर देवी को समर्पित करें और फिर उसे सदा अपने पास रखने से हर कार्य में सफलता मिलती है।
- अपार धन संपत्ति के लिए इन नौ दिनों में किन्नर से पैसा लेकर तिजोरी या पर्स में रखें।
- सौभाग्य में वृद्धि के लिए समस्त सुहाग श्रृंगार सामग्री (कांच, काजल, कुमकुम, मंगलसूत्र, चूड़ी, कंघी, बिछिया, चुनरी) खरीदें और काली मां को नवमी के दिन चढ़ाएं।

नागकेसर पौधे की पूजा किस विधि से करनी चाहिए

हिंदू धर्म में सभी पेड़-पौधे की पूजा के बारे में विस्तार से बताया गया है। ऐसी मान्यता है कि पेड़-पौधों में देवता वास करते हैं। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि नागकेसर पौधे की पूजा किस विधि से करनी चाहिए।

हिंदू धर्म में पेड़-पौधों को सदियों से पवित्र माना जाता है और इनकी पूजा की जाती है। पेड़-पौधे पंचतत्वों - पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनकी पूजा करने से व्यक्ति को ग्रहदोष से छुटकारा मिल सकता है। कई पेड़ों को देवी-देवताओं का वास माना जाता है। जैसे पीपल का पेड़ भगवान विष्णु से, तुलसी का पौधा माता लक्ष्मी से और बरगद का पेड़ शिवजी से जुड़ा हुआ है। इनकी पूजा करके हम देवी-देवताओं को प्रसन्न करते हैं। बता दें, नागकेसर पौधे का संबंध भगवान शिव से है। नागकेसर पौधे की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। अब ऐसे में नागकेसर पौधे की पूजा किस विधि से करनी चाहिए और इस पेड़ की पूजा करने का महत्व है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य विस्तार से जानते हैं।

नागकेसर पौधे की पूजा कैसे करें

- नागकेसर पौधे की पूजा करने के लिए ब्रह्म मुहूर्त सबसे उत्तम माना जाता है।
- नागकेसर पौधे की पूजा करने से पहले स्नान-ध्यान करें और पूजा की तैयारी करें।
- पूजा से पहले नागकेसर के पौधे को साफ पानी से धो लें।
- पौधे को एक साफ स्थान पर रखें और उसे रोली से तिलक लगाएं।
- पौधे के सामने एक दीपक जलाएं।
- धूपबत्ती जलाएं।
- नागकेसर के फूलों को तोड़कर भगवान शिव को अर्पित करें। जल, दूध, शहद और चंदन का लेप लगाएं।
- नमः शिवाय मंत्र का जाप करें।
- भगवान शिव की आरती करें।
- आखिर में पूजा करने के बाद भगवान के चीलासी का पाठ एक आसन पर बैठकर करें।
- नागकेसर पौधे की पूजा करने का महत्व क्या है
- नागकेसर को भगवान शिव का प्रिय माना जाता है। इसलिए इसकी पूजा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। नागकेसर की पूजा करने से मन शांत होता है। यह व्यक्ति को मानसिक शांति और स्थिरता प्रदान करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, नागकेसर का पौधा घर में रखने से वास्तु दोष दूर होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। नागकेसर पौधे की पूजा करने से पारिवारिक शांति बनी रहती है। इसके अलावा नागकेसर पौधे की पूजा करने से व्यक्ति की कुंडली में स्थित ग्रहदोष से भी छुटकारा मिल जाता है।

शनिवार के दिन दीपक जलाने के दौरान जरूर डालें ये एक चीज, शनिदोष से मिल सकता है छुटकारा

शनिवार, हिंदू धर्म में न्याय के देवता शनिदेव को समर्पित दिन है। शनिदेव, रविदेव के पुत्र हैं और उन्हें कर्मफलदाता के नाम से भी जाना जाता है। शनिवार का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इस दिन शनिदेव की पूजा करने से सुख-समृद्धि, आरोग्य और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

शनि की साढ़े साती के दौरान शनिवार का दिन विशेष महत्व रखता है। इस दिन शनि देव को प्रसन्न करने के लिए उपाय किए जाते हैं। अब ऐसे में किसी जातक की कुंडली में शनिदोष है, तो शनिवार के दिन संध्या के समय दीपक में तिल डालकर जलाना शुभ माना जाता है। आइए इस लेख में इस उपाय के बारे में विस्तार से जानते हैं।

शनिवार के दिन दीपक में डालें काला तिल

हिंदू धर्म में, शनिवार का दिन शनि देव को समर्पित होता है। शनि देव न्याय, कर्म और भाग्य के देवता माने जाते हैं। शास्त्रों में ऐसा कहा गया है कि शनिवार को दीपक में काला तिल डालकर जलाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं। शनि देव की दशा, साढ़े साती या कुंडली में शनि का अशुभ प्रभाव होने पर शनिवार को दीपक में काला तिल डालकर जलाने से शनि की पीड़ा कम होती है। काले तिल में नकारात्मक ऊर्जा को सोखने की क्षमता होती है। माना जाता है कि शनिवार को दीपक में काला तिल डालकर जलाने से घर-परिवार से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मकता का संचार होता है।

शनिवार के दिन इस विधि से जलाएं दीपक

- शनिवार को सूर्यास्त के बाद स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें।
- एक दीपक लें और उसमें तिल का तेल भरें।
- दीपक में 7, 14, 21 या 28 काले तिल डालें।
- दीपक को शनि देव की प्रतिमा के सामने या घर के पूजा स्थान पर रखें।
- दीपक जलाकर शनि देव का मंत्र जाप करें या शनि चालीसा का पाठ करें।
- दीपक को पूरी तरह जलने दें।

दीपक जलाने के दौरान इन नियमों का करें पालन

दीपक का तेल तिल का तेल ही होना चाहिए। काले तिल स्वच्छ और बिना टूटे हुए होने चाहिए। दीपक को दक्षिण दिशा की ओर रखना चाहिए। दीपक को श्रद्धा भाव के साथ जलाएं। साथ ही जब तक पूरी तरह से न जल जाएं, उसे बूझने न दें। दीपक जलाने के दौरान शनिदेव के मंत्रों का जाप विशेष रूप से करें। साथ ही शनि चालीसा का पाठ करना उत्तम फलदायी साबित हो सकता है।

भारत में अगले पांच साल में आम आदमी की आय दोगुनी होगी: वित्त मंत्री

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत अगले पांच साल में प्रति व्यक्ति आय को करीब दोगुना कर देगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधारों से आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि होगी। कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन के तीसरे संस्करण को यहां संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हाल के दशक में भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक प्रदर्शन पांच वर्षों में उसके 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तक पहुंचने में साफ नजर आता है। उन्होंने कहा कि जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमए) के अनुमानों के अनुसार हमें 2,730 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय तक पहुंचने में 75 साल लगे, लेकिन इसमें 2,000 अमेरिकी डॉलर और जोड़ने में केवल पांच साल लगेंगे। आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि देखी जाएगी, जो वास्तव में भारतीयों का एक युग होगा। उन्होंने कहा कि भारत एक खंडित दुनिया में जहां लगातार कई संघर्ष बदतर हो सकते हैं जिससे वैश्विक शांति के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है जो समृद्धि का आधार है। ऐसे माहौल में अपनी 1.4 अरब की आबादी के लिए कुछ वर्षों में अपनी प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह असमानता में

कमी के साथ हासिल किया जा रहा है, क्योंकि ग्रामीण भारत के लिए गिनी गुणांक 0.283 से घटकर 0.266 हो गया है, जबकि शहरी क्षेत्रों के लिए यह 0.363 से घटकर 0.314 हो गया है।

रिन्यूएबल एनर्जी कंपनियां 20 गीगावाट परियोजनाओं के लिए तलाश रहीं खरीदार

नई दिल्ली।

भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की करीब 10 अग्रणी कंपनियां 20 गीगावाट क्षमता की परियोजनाओं के लिए खरीदार तलाश रही हैं। परियोजनाओं में कई तरह की अड़चनों का सामना करने के बाद कंपनियां यह कदम उठा रही हैं। इन अड़चनों में बिजली खरीद करार और बिजली आपूर्ति समझौता नहीं होना तथा ट्रांसमिशन के लिए कनेक्टिविटी से जुड़ी चुनौतियां शामिल हैं। देश में इस समय 150 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता तैयार है। जो परियोजनाएं बेचने की कोशिश चल रही है, उनकी क्षमता उद्योग की कुल क्षमता की करीब 13.3 फीसदी है। एक बैंकर ने कहा कि कनाडा की ब्रुकफील्ड भारत में अपनी 1.6 गीगावाट क्षमता बेचने के लिए मलेशिया का एक खरीदार तलाशने में कामयाब रही है। यह परियोजना चालू है और संभावित खरीदार के साथ 1 अरब डॉलर के उद्यम मूल्य पर बातचीत चल रही है। ब्रुकफील्ड के प्रवक्ता ने इस बारे में कुछ भी कहने से मना कर दिया। बैंकर ने कहा कि रीन्यू पावर भी अपनी सोलर विनिर्माण क्षमता को बेचने की संभावना तलाश रही है। कंपनी इससे मिलने वाली रकम से अपना कर्ज कम करेगी। रीन्यू पावर के प्रवक्ता ने ईमेल के जवाब में कहा कि रीन्यू बाजार में चल रही अटकलों के जवाब में कुछ नहीं कहती। जेएसडब्ल्यू समूह भी एनआईआईएफ और ब्रिटिश इंटरनैशनल इन्वेस्टमेंट के निवेश वाली कंपनी अयाना रीन्यूएबल पावर का अधिग्रहण करना चाहता है और इसके लिए बातचीत अंतिम दौर में पहुंच गई है। अयाना के पास 5 गीगावाट क्षमता है, जिसमें से कुछ पहले से उत्पादन कर रही है और कुछ निर्माणाधीन है। इस बारे में जानकारी के लिए जेएसडब्ल्यू समूह के प्रवक्ता को ईमेल भेजा गया मगर खबर लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया।

ईवी की बैट्री बदलना अब महंगा सौदा नहीं होगा

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रिक वाहन की बैट्री बदलना लोगों के लिए अब महंगा सौदा नहीं होगा। इसकी कीमत और कम हो जाएगी। ग्रेटर नोएडा एक्सपो सेंटर में चल रहे रीन्यूएबल एनर्जी इंडिया (आरईआई) और बैटरी शो इंडिया में नई-नई तकनीकों का बैट्री कंपनियों ने प्रदर्शन कर रही हैं। बैट्री स्टोरेज 2031-32 तक 47 गीगावॉट तक पहुंचने की तैयारियों को दिखाया गया है। भारत लिथियन-आयन बैटरी के स्वदेशी उत्पादन में के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उम्मीद है कि इससे उत्पादन क्षमता 2030 तक 150 गीगावॉट तक पहुंच जाएगा, जो सेल की कुल मांग का 13 फीसदी हिस्सा कवर करेगा। इसी तरह के लक्ष्यों के साथ बैट्री कंपनियां इस एक्सो में पहुंची हैं। मौजूदा समय देश में 1.6 करोड़ ईवी है। इनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। देश में 2030 तक इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री को 30 फीसदी तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। केन्द्र सरकार ने रीन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में 2030 तक 500 गीगावॉट बिजली प्राप्त के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, अगले 5 वर्षों में सालाना 50 गीगावॉट की रीन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए 30.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। एक्सपो में इन्फोर्मा मार्केट्स इन इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया रीन्यूएबल एनर्जी इंडिया एक्सपो 2024 और बैटरी शो इंडिया, कार्बन फुटप्रिन्ट कम करने और रीन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। सरकार का 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को 45 फीसदी तक कम करने के लक्ष्य है।

भारत में एप्पल चार और स्टोर खोलेगी

नई दिल्ली।

आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल भारत में चार और स्टोर खोलने पर विचार कर रही है जो पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में स्थित होंगे। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि कंपनी जल्द अपने पहले 'मेड इन इंडिया' आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स भी पेश करेगी। एप्पल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम अपने दलों का निर्माण कर खुश हैं क्योंकि हम भारत में और अधिक स्टोर खोलने की योजना बना रहे हैं। हम इस देश में अपने ग्राहकों के जुनून से प्रेरित हैं। एप्पल ने अप्रैल 2023 में भारत में अपने पहले दो स्टोर दिल्ली और मुंबई में खोले थे। इस घटनाक्रम से परिचित लोगों के अनुसार, नए स्टोर अगले वर्ष खोले जाने की संभावना है।

बयान में कहा गया कि एप्पल अब भारत में आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स सहित सभी आईफोन 16 का विनिर्माण

कर रहा है। एप्पल ने 2017 में भारत में आईफोन का विनिर्माण शुरू किया था। बयान में कहा गया है कि भारत में निर्मित आईफोन 16 प्रो और प्रो मैक्स जल्द ही हमारे स्थानीय ग्राहकों के लिए और दुनिया भर के चुनिंदा देशों में निर्यात के लिए उपलब्ध होंगे। सूत्रों के अनुसार मेड-इन-इंडिया आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स की आपूर्ति इसी महीने शुरू होने की उम्मीद है।

गूगल पे से मिलेगा अब गोल्ड लोन

भारत में अडानी समूह के साथ गूगल की पार्टनरशिप

भारत में मुथूट फाइनेंस के साथ गूगल की पार्टनरशिप

नई दिल्ली।

टेक कंपनी गूगल पे बड़ी तेजी के साथ भारत में अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। गूगल ने एआई स्किल हाउस लॉन्च किया है। जो कई तरह की सेवाओं को उपलब्ध कराएगी। 3 अक्टूबर को गूगल ने अपने वार्षिक इवेंट में गूगल पे के माध्यम से गोल्ड लोन उपलब्ध कराने की सेवा शुरू कर दी है। इसके लिए मुथूट फाइनेंस के साथ गूगल पे ने पार्टनरशिप की है। गूगल पे ने लोन लिमिट को 5 लाख रूपये तक बढ़ा दिया है। गूगल इवेंट का यह दसवां साल है। भारत में यह आठ भाषाओं में सेवाएं उपलब्ध करा रही है।

गूगल और अडानी समूह में पार्टनरशिप

गूगल ने भारत में अदानी समूह के साथ पार्टनरशिप की है। इसके तहत गुजरात के खावड़ा में 61.4 मेगावाट का सोलर विंड हाइब्रिड प्लांट,राजस्थान में 6 मेगावाट का सोलर प्लांट, कर्नाटक में 59.4 मेगावाट का विंड प्लांट लगाने का अनुबंध किया है। गूगल 2026 तक भारतीय ग्रिड में 186 मेगावाट की न्यू क्लीन एनर्जी, जेनरेशन कैपेसिटी से जुड़ने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

एआई में गूगल का धमाका

गूगल ने एआई स्किल हाउस लॉन्च किया है। जो भारतीय युवाओं के लिए नौकरी के लिए विभिन्न किस्म के प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर आ रहा है। यूट्यूब, गूगल, क्लाउड स्किल्ड प्रोग्राम फ्री में उपलब्ध कराए जाएंगे। यह प्रशिक्षण कोर्स अंग्रेजी तथा 7 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की दिशा में गूगल काम कर रहा है।

गूगल ऑनलाइन पेमेंट

भारत में गूगल अपनी ऑनलाइन पेमेंट सेवाओं को ज्यादा से ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए हर स्तर पर हाथ पैर मार रहा है। यूपीआई सर्कल के जरिए वह भारतीय उपभोक्ताओं तक सीधा जुड़ने का प्रयास कर रहा है।

2030 तक 33 लाख करोड़ का लक्ष्य

गूगल इंडिया के एमडी का कहना है, वह एआई के माध्यम से वर्ष 2030 तक भारत में 33 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक लेनदेन के लक्ष्य के लिए काम कर रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तरह-तरह की सेवाओं का विस्तार अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं में करने की योजना गूगल ने तैयार की है।

गूगल भारत में सबसे बड़ा प्लेयर बनने के लिए भारत की छोटी कंपनियों के साथ भागीदारी सिस्टम को विकसित कर रहा है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका गूगल के यूपीआई की होगी।

भवन निर्माण की लागत पर भी मिलेगा जीएसटी का इनपुट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक बड़ा फैसला दिया है। उस फैसले के अनुसार रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी, वाणिज्य,लॉजिंग जैसे व्यवसाय मालिकों को बहुत बड़ी राहत मिली है। सफारी रिट्रीट्स मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है,जीएसटी कानून के तहत इसे प्लांट माना जा सकता है। व्यवसाय के द्वारा भवन निर्माण में की गई निर्माण सामग्री की खरीद पर इनपुट का दावा किया जा सकता है। कोई भी कंपनी माल, गोदाम,रियल एस्टेट,हॉस्पिटल तथा व्यवसाय गतिविधियों के लिए निर्माण कार्य करता है। तो जीएसटी के रूप में का गए कर पर उसे जीएसटी का इनपुट अब सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से मिल सकता है। अभी तक इस तरह के निर्माण पर जीएसटी का इनपुट नहीं मिलता था। इस फैसले के बाद अब सभी होटल हॉस्पिटल वेयर हाउस और किराए की गतिविधियां चलाने वाले सभी फर्म को जीएसटी का इनपुट निर्माण कार्य की सामग्री में चुकाये गए,जीएसटी का इनपुट मिल सकेगा।

पिछले 2 साल में अनसिक्योर्ड लोन की एनपीए दर उच्च स्तर पर

अनसिक्योर्ड लोन के डिफाल्टर बढ़े

मुंबई। रेटिंग एजेंसी के डेटा के अनुसार वर्ष 2022-23 में अनसिक्योर्ड लोन में 67 फीसदी तथा 2023-24 में 42 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली है। कोविड महामारी के बाद यह सबसे ऊंची दर है। बैंकों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया था। जिसके कारण अप्रैल से जून 25 की तिमाही में इसमें ज्यादा इजाफा नहीं हुआ। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां अपनी ब्रांचो से जो ऋण उपलब्ध कराती हैं। यह सारा अन सिक्योर्ड बिजनेस लोन होता है। फिनटेक कंपनियों के लोन डिफॉल्ट हो जाने से जोखिम बढ़ता चला जा रहा है। यह बिजनेस मॉडल माइक्रो इंटरप्राइजेज पर आधारित है। इसमें 10 लाख रुपए तक के ऋण 25 फीसदी वार्षिक से ज्यादा सालाना ब्याज दर पर उपलब्ध कराए जाते हैं। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार कर्ज धारकों पर ऋण की राशि लगातार बढ़ती जा रही है। बैंकों को फंसी कर्ज की बड़ी रकम राइटआफ करनी पड़ सकती है। जिसके कारण बैंकों का जोखिम लगातार बढ़ता जा रहा है।

मार्क जकरबर्ग ने जेफ बेजोस को संपति मामले में पीछे छोड़ा

वाशिंगटन। मार्क जकरबर्ग ने संपत्ति के मामले में अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस को पीछे छोड़ दिया है। ऐसा मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में लगातार बढ़ोतरी के कारण हुआ। मेटावर्स और एआई पर जकरबर्ग के जिस दांव को शुरू में एक बहुत बड़ी विफलता की तरह देखा जा रहा था, हाल के महीनों में सफल साबित हुआ है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार गुरुवार को जकरबर्ग की कुल संपत्ति 206.2 बिलियन डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इस वृद्धि से वे संपत्ति के मामले में अमेजन के बेजोस से 1.1 बिलियन आगे निकल गए। अब इस मामले में उनसे आगे केवल टेस्ला के एलन मस्क है। जिनकी संपत्ति जकरबर्ग से लगभग 50 बिलियन डॉलर अधिक है।मेटा के शेयरों में दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर बिक्री के आंकड़े और एआई चैटबॉट को शक्ति देने वाले बड़े भाषा मॉडल की दिशा में कदम बढ़ने के बाद 23 फीसदी की वृद्धि आई। कंपनी के शेयर गुरुवार को 582.77 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 800 , निफ्टी 200 अंक नीचे आया

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को भी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन भी बाजार में गिरावट बनी रही। इसका कारण दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होना है। आज सुबह बाजार बाजार लाल निशान पर खुला और ये गिरावट समय के साथ ही बढ़ती रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 808.65 अंक करीब 0.98 फीसदी नीचे आकर 81,688.45 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 200.25 अंक तकरीबन 0.79 फीसदी की गिरावट के साथ ही 25,049.85 के स्तर पर बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। जानकारों के अनुसार मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष से उपजी चिंताओं के कारण भी बाजार गिरा है। सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो निफ्टी में आज केवल दो सेक्टर ऐसे रहे जो लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। आईटी शेयरों की बात की जाए तो इंफोसिस, विप्रो, कोफोर्ज, और टेक महिंद्रा के शेयरों के बल पर निफ्टी आईटी ने कुल 0.36 फीसदी की बढ़त बनाई। इंफोसिस का शेयर आज सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में रहा। इसके अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन बैंक के बैंक के शेयरों में भी कुल 0.54 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। आज

निफ्टी पर बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयर 2.10 फीसदी उछले। निफ्टी 50 के 50 शेयरों में से 37 नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, बीपीसीएल और हीरो मोटोकॉर्प में 3.54 फीसदी तक की गिरावट रही जबकि इंफोसिस, ओएनजीसी, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, टाटा मोटर्स और विप्रो उन 13 शेयरों में से थे, जो 1.51 फीसदी की बढ़त के साथ ही लाभ पर बंद हुए। वहीं सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, नेस्ले, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे जबकि भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी के शेयरों को सबसे अधिक लाभ हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार में कमजोरी देखने को मिली। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के खतरे ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 252 अंक गिरकर 82,244 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50, 68 अंक की गिरावट के साथ 25,181 पर कारोबार करता दिखा।वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। यह वॉल स्ट्रीट में आई गिरावट और मध्य पूर्व में बढ़ते तनावों के चलते हुआ। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 1 प्रतिशत से अधिक गिरा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.09 प्रतिशत नीचे आया, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स में मामूली बढ़त दर्ज की गई। वहीं, दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.49 प्रतिशत बढ़ा। दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में 0.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि कोस्डाक इंडेक्स 0.74 प्रतिशत ऊपर गया।

ईरान-इजरायल संघर्ष से भारत का चाय उद्योग संकट में

- पश्चिमी एशिया में निर्यात प्रभावित होने की आशंका

तेहरान। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव से भारत के चाय उद्योग पर भी ऐसे वक्त में आशंका के बादल मंडराने लगे हैं जब पश्चिमी एशियाई बाजार में बेहतर कारोबार की संभावनाएं दिख रही थीं। जब इजरायल-हमास विवाद अक्टूबर 2023 में बढ़ा तब चाय निर्यातकों के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह थी कि इसका प्रभाव पश्चिमी एशियाई देशों तक होगा विशेषतौर पर ईरान पर।परंपरागत तौर पर ईरान भारतीय चाय का एक प्रमुख केंद्र रहा है। उद्योग का कहना है कि इस साल ईरान से काफी अच्छी मांग की गई है। भारतीय चाय निर्यातक संगठन के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है, 'पिछले साल ईरान में कारोबार, भुगतान चुनौतियों के चलते प्रभावित हुआ। लेकिन इस साल इस कारोबार में अच्छा-खासा सुधार दिखा। कलकत्ता चाय व्यापारी संगठन (सीटीटीए) के आंकड़ों के मुताबिक उत्तर भारत की परंपरागत चायपत्ती की औसत कीमत वर्ष 2024 में 288.77 रुपये प्रति किलोग्राम है जबकि वर्ष 2023 में इसकी कीमत 217.20 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वहीं दक्षिण भारत की परंपरागत चायपत्ती की औसत कीमत वर्ष 2023 के 147.35 रुपये प्रति किलोग्राम की तुलना में 164.97 रुपये प्रति किलोग्राम है। एशियन टी कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है, अगर तनावपूर्ण स्थिति में कमी नहीं आती है तब माल ढुलाई के रास्ते और बीमा पर भी असर पड़ सकता है।

लॉमेन ने जमशेदपुर में अपनी उपस्थिति बढ़ाते हुए बिस्टुपुर में अपना पहला स्टोर खोला

विशेष संवाददाता

जमशेदपुर : केवल किरण क्लॉदिंग लिमिटेड (केकेसीएल) के प्रतिष्ठित मेंस फैशन ब्रैंड लॉमेन ने आज झारखण्ड के जमशेदपुर में अपने पहले स्टोर का शुभारंभ किया। इसी के साथ, ब्रैंड ने झारखण्ड के बाजार में अपनी उपस्थिति और मजबूत करने की योजना की घोषणा की। लॉमेन की योजना झारखण्ड के प्रमुख बाजारों में और 40 नए स्टोर खोलने की है। लॉमेन ने जमशेदपुर के फैशनेबल पुरुषों की स्मार्ट, स्टाइलिश और आरामदायक कपड़े पहनने की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए तेजी से यह विस्तार करने की योजना बनाई है।

पुरुषों के सबसे बड़े एवं शानदार स्टोर के साथ शहर में अपने प्रवेश के साथ, लॉमेन ट्रेंडी एवं इन-वोग कलेक्शंस लेकर आएगा। बिस्तुपुर का यह स्टोर 430 वर्गफीट क्षेत्र में फैला हुआ है और श्रेणी में सबसे बेहतरीन ट्रेंडिंग डिजाइनें और नए जमाने के फैब्रिक्स पेश करता है। यह पुरुषों के कैजुअल, दफ्तर तथा पार्टियों में पहनने वाले कपड़ों का स्टैंडर्ड बढ़ाते हैं। हर उपभोक्ता के लिए परफेक्ट, यह स्टोर पुरुषों को उनके वार्डरोब के लिए तरह-तरह के परिधान पेश करता है। यहां ग्राहक के लिए सुबह से लेकर रात तक पूरे दिन अलग-अलग अवसरों के लिए फैशनेबल कपड़े मौजूद हैं। स्टोर में आजकल के ट्रेंड के अनुसार, टी-शर्ट, जींस, कैजुअल शर्ट्स और ट्राउजर्स, कैजुअल पैंट और फैशन ट्राउजर्स मिलते हैं।

स्टोर का माहौल आधुनिक समकालीन डिजाइन के कपड़ों के साथ अच्छी पसंद की झलक देता है। यहां कपड़ों की अलग-अलग श्रेणियां बनाई गई है। यहां दिलकश लाइटिंग की गई है, जो उपभोक्ताओं को खरीदारी के लिये आकर्षित करती हैं। यहाँ पर सुप्रशिक्षित सेल्स असोसिएट्स मुस्कुराते हुये ग्राहकों का स्वागत करते हैं। इससे उपभोक्ताओं का खरीदारी का अनुभव और बेहतरीन बन जाता है। बिस्तुपुर में लॉमेन के स्टोर पर रोमांचक शुरूआती ऑफर्स का फायदा उठाने के लिये आपको जरूर जाना चाहिये।

केवल किरण क्लॉदिंग लिमिटेड के डायरेक्टर श्री दिनेश जैन ने कहा, ह्यहमम झारखण्ड प्रदेश के जमशेदपुर में अपने नये स्टोर का शुभारंभ करते हुए बहुत खुश हैं। यह राज्य में हमारा पहला स्टोर भी है। जमशेदपुर अपने बड़े-बड़े औद्योगिक संयंत्रों और प्रभावशाली लोगों की बढ़ती आबादी के कारण दुनियाभर में जाना जाता है। विस्तार के लिये हमारी कोशिशों में यह एक रणनीतिक मील का पत्थर है। नये स्टोर का खुलना अपने ग्राहकों को फैशन के लिये बेहतरीन समाधान प्रदान करने और खरीदारी का बेहतरीन अनुभव देने की हमारी प्रतिबद्धता दिखाता है। हम जमशेदपुर के लोगों के जीवन का हिस्सा बनने के लिए तत्पर हैं और उसी जुनून एवं समर्पण के साथ अपने ग्राहकों की सेवा करेंगे जिसके लिए लॉमेन मशहूर है।

केवल किरण क्लॉदिंग लिमिटेड के डायरेक्टर श्री विकास जैन ने इस अवसर पर कहा, ह्रजमशेदपुर में हमारे नए स्टोर का शुभारंभ लॉमेन के लिए एक आकर्षक कदम है। यहां के फैशनपसंद लोगों के लिए हमें अपने नए कलेक्शंस और एक्सक्लूसिव प्रमोशंस को पेश करके खुशी हो रही है। हम खरीदारी का एक ऐसा स्थान बनाना चाहते हैं जहां ग्राहकों को स्टाइल, गुणवत्ता और नवाचार का पूरा संगम मिले। हमें पूरा विश्वास है कि शहर में हमारा नया स्टोर फैशन प्रेमियों के लिए पसंदीदा स्थान होगा।

नये सुनहरे युग में प्रवेश करता जम्मू-कश्मीर

आर.के. सिन्हा

श्रीनगर के बाजारों में आम-खास जनों से बात करके लगता है कि धारा 370 को राज्य का अवाम अगर पूरी तरह से भूला नहीं है, तो कम से कम उसकी चर्चा करने का उसके पास वक्त नहीं है। अब वह आगे निकलना चाहता है। उसे चाहत है अमन और रोशन मुस्तकबिल की।

बेखौफ होकर जम्मू और कश्मीर में जिस तरह से मतदाताओं ने राज्य विधानसभा के तीन चरणों में हुए चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग किया उससे दूर तक संदेश चला गया है कि अब वहां हालात लगभग सामान्य हो चुके हैं। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान किसी तरह की हिंसा भी नहीं हुई। चुनावों में राजनीतिक दलों ने भी निर्भीकतापूर्वक खुलकर प्रचार भी किया , रैलियां भी कीं और जमकर अपने - अपने मतों को खुलकर जनता के सामने रखा भी । यह सब पिछले कई दशकों से ठप पड़ा हुआ था ।

बेशक, निर्वाचन आयोग राज्य विधानसभा का चुनाव सफलतापूर्वक आयोजित करने का श्रेय ले सकता है। याद रहे कि जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव था। यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है कि 1980 के दशक में जम्मू और कश्मीर में उग्रवाद के बढ़ने का एक कारण 1987 का विधानसभा चुनाव था, जो कि पूरी तरह से फर्जी था और जिसने चुनावी लोकतंत्र के प्रति भारी निराशा पैदा की थी और उग्रवाद को बढ़ावा देने में भरपूर मदद की थी।

देश को अब उम्मीद जगी है कि राज्य विधानसभा के आगामी 8 अक्टूबर को मतगणना भी इसी भावना से होगी और उसके बाद राज्य में नई सरकार का गठन बिना किसी पक्षपात या शिकायत के होगा। अब लगता तो यही है कि जम्मू-कश्मीर अपना अतीत भूलकर नया इतिहास रचने के लिए मन बना चुका है।

गांधी जयंती के मौके पर राजभवन में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए राज्य के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, बापू हमेशा जम्मू-कश्मीर में शांति और प्रगति देखना चाहते थे। उन्होंने नयी पीढ़ी से बापू के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

दरअसल राज्य के नौजवान भी समझ चुके हैं कि हिंसा और अशांति से उन्हें ही नुकसान होगा। इसलिए उनके हाथों में अब बंदूक और पत्थर नहीं हैं, बल्कि उनकी आंखों में शांति और आकांक्षाओं के सपने दिखाई देते हैं।

आप कह सकते हैं कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र का महापर्व संपन्न हुआ है। सबसे पहले बीती मई में लोकसभा चुनाव हुए और फिर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्ण, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुआ। यह भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया भर में चर्चा का केंद्र बिंदु बन गया है।

केन्द्र शासित प्रदेश के 1.40 करोड़ नागरिकों ने संवैधानिक मूल्यों में अपनी आस्था दोहराई है और अपने मतदान के माध्यम से जम्मू-कश्मीर और देश के विकास में योगदान देने का संकल्प लिया है। यह प्रमाण है कि पिछले चार-पांच वर्षों में भयमुक्त जम्मू-कश्मीर बनाने में बड़ी सफलता मिली है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले पांच वर्षों में किए गए कार्य, चाहे वह जमीनी स्तर पर लोकतंत्र का सशक्तीकरण हो या शांतिपूर्ण चुनाव कराना हो या विकास कार्य हो, इस बात का प्रमाण हैं कि जम्मू-कश्मीर अब विकास और खुशहाल के रास्ते पर चल पड़ा है। अब राज्य में स्कूल पूरे साल खुले रहते हैं। बच्चे पढ़-लिखकर आगे बढ़ रहे हैं।

हालिया चुनावों में, उन जगहों में जमकर मतदान हुआ जिन्हें अबतक आतंकवादी संगठनों के गढ़ के रूप में देखा जाता था। तीन चरणों में क्रमशः 61.38%, 57.31% और 69.65% मतदान हुआ। जम्मू - कश्मीर में देश के अन्य भागों की तरह ही इतने भारी मतदान से साफ है कि कश्मीर की जनता भी चुनावी लोकतंत्र को गंभीरता से लेनी लगी है। उच्च मतदान दर का एक कारण यह भी हो सकता है कि घाटी में लगभग सभी राजनीतिक मतों और विचार धाराओं की पार्टियों ने चुनावों में भाग लिया। अपने स्तर पर जमात-ए-इस्लामी भी शामिल रही चुनावों में, जिसने बीते समय के दौरान राज्य में चुनावों का बहिष्कार करने की पुरजोर वकालत की थी। कुल मिलाकर, 90 सीटों के लिए 873 उम्मीदवार मैदान में थे।

जमात ने स्वतंत्र उम्मीदवारों के रूप में या इंजीनियर रशीद की अवामी इत्तेहाद पार्टी के सहयोगियों के रूप में चुनाव लड़ा। यह महत्वपूर्ण है , क्योंकि ; यह संगठन नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुख्य वैचारिक दुश्मन रहा है। सीमा पार से बार-बार आतंकवादी हमलों के कारण सुरक्षा बल, विशेष रूप से पीर पंजाल रेंज के दक्षिण में, तनाव में रहे हैं। लेकिन, सुरक्षा बलों की चौकसी ने निश्चित रूप से चुनाव बिना किसी हिंसा के सम्पन्न करवा दिये।

यह तो मानना होगा कि जम्मू-कश्मीर तेजी से बदलत जा रहा है। राज्य में धारा 370 के हटने से पहले पत्थरबाजी की घटनाओं में सैकड़ों लोग घायल हो रहे थे और मारे जा रहे थे। सुरक्षा बलों पर हमले हो रहे थे, जिसमें अब 80-85 फीसद तक की कमी आई है। धारा 370 खत्म करने के बाद केन्द्र सरकार ने घाटी में राज्य की पुरानी सभ्यता और संस्कृति को फिर से जीवित करने के लिए बड़ी योजना पर काम शुरू किया। इसके तहत आस्था के केंद्रों और आध्यात्मिक स्थलों को नया रूप दिया गया। स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के मेले और महोत्सव लगाए गये। यह मेले और महोत्सव आतंकवाद पनपने के कारण सालों से बंद थे। 2023 में नियंत्रण रेखा के पास स्थित मां शारदा देवी मंदिर का नवनिर्माण कराकर आजादी के बाद पहली बार पूजा के लिए खोला गया। सालों से बंद खीर भवानी मंदिर में फिर से दर्शन-पूजन का काम शुरू हुआ। खीर भवानी का मेला लगाया गया। इसमें पर्यटकों के साथ स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में पहुंचे।सरकार ने 123 पुराने स्थलों का व्यवस्थित रूप से जीर्णोद्धार और मरम्मत कराकर जनता के लिए फिर से खोल दिया।

केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक हजरत बल दरगाह के विकास के लिए 42 करोड़ रुपये दिए। राज्य में जगह-जगह मेगा सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए गए।

महत्वपूर्ण यह भी है कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद राज्य में पंचायती राज अधिनियम 1989 को लागू किया गया। इसके तहत लोकतंत्र के तीनों स्तरों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को लागू करना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाना उद्देश्य था। इसके साथ ही पिछले लोकसभा चुनाव के समय राज्य की पांच लोकसभा सीटों के लिए लगभग 58 फीसद मतदान हुआ। इतना मतदान राज्य में बीते कुछ लोकसभा चुनावों के समय नहीं हुआ था।

श्रीनगर के बाजारों में आम-खास जनों से बात करके लगता है कि धारा 370 को राज्य का अवाम अगर पूरी तरह से भूला नहीं है, तो कम से कम उसकी चर्चा करने का उसके पास वक्त नहीं है। अब वह आगे निकलना चाहता है। उसे चाहत है अमन और रोशन मुस्तकबिल की। देश को भरोसा है कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद विकास की रफ्तार और तेज होगी।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

बदलाव के लिए वोट

सुप्रीम कोर्ट का जाति के आधार पर कैदियों से भेदभाव को गंभीर मानना वाकई चिंता का सबब है। शीर्ष अदालत ने इस प्रथा को खत्म करने और जेल नियमावली में संशोधन करने की भी सलाह केंद्र सरकार को दी है। पीठ का मानना है कि जाति के आधार पर काम कराना उचित नहीं है, निचली जाति के कैदियों से सीवर टैंकरों की सफाई की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। अदालत ने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे नियमों को असंवैधानिक कहा। जेलों के अंदर जाति-आधारित भेदभाव के मामले को अदालत ने स्वतः संज्ञान लेकर ग्यारह राज्यों की कारागार नियमावली को निरस्त करते हुए तीन माह में रिपोर्ट मांगी है। अदालत ने कहा जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ जारी संघर्ष में अदालत योगदान दे रही है और फैसले को संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) के तहत गैर-भेदभाव के पहलुओं पर गौर किया गया। निःसंदेह अदालत ने यह फैसला मानवीय आधार पर तथा जातियों के प्रति घृणा-अवमानना को देखते हुए किया है। मगर असलियत में हमारे यहां होने वाली राजनीति व आरक्षण जैसी सुविधाओं में जातियों का प्रमुखता से प्रयोग होता है। लंबे अरसे से जनगणना में जातियों की गिनती की बात जोरदारी से उठाई जा रही है। सरकारी दस्तावेजों में जाति नाम चिह्नित करना अनिवार्य है। कानूनों में संशोधन कर इस तरह के भेदभाव को समाप्त करने में सरकारें सकुचाती हैं। क्योंकि जाति आधारित राजनीति करने में वे माहिर हैं। इसलिए उनकी प्राथमिकताओं में अंग्रेजों के बनाए नियमों को सुधारने की बात ही नहीं उठती। धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र होने के बावजूद हम अब तक जातियों के पूर्वाग्रह और अंतहीन जंजाल से निकलने में पूर्णतः असफल हैं। अपराधियों को सजा अदालत देती है मगर कैद के दौरान उनके साथ किया जाने वाला जेलाधिकारियों का बर्ताव भी कई दफा बहुत पक्षपाती होता है। जातियों में किसी भी तरह के ऊंच-नीच की बात करना भी असंवैधानिक ही माना जाना चाहिए। दुनिया हर क्षेत्र में तेजी से तरक्की करती जा रही है, परंतु हम पीढ़ियों से चली आ रही संकीर्णताओं व रूढ़ियों की घुटन से बाहर निकलने को राजी ही नहीं हैं। यह वाकई बेहद सोचनीय मसला है। यह सलाह सिर्फ जेल नियमावली तक ही नहीं सीमित होनी चाहिए। बल्कि इस तरह का सुधारवादी कदम पूरे समाज में सख्तीपूर्वक लागू किए जाने की जरूरत है। छुआछूत या जाति-आधारित भेदभाव से मुक्त स्वस्थ समाज की नींव डालने और नई पीढ़ियों को इस दलदल से मुक्त रखने की पहल हमें समय रहते करनी होगी।

चिंतन-मनन

क्या है शुद्ध अहिंसा!

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खेती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेंगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते।

बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते। मैं किसी को बचाने में अवरोधक नहीं बनता। किंतु मेरा वास यह है कि अहिंसा और धर्म को पैसों से खरीदा नहीं जा सकता। डंडे के बल से भी अहिंसा नहीं हो सकती। वह तो किसी के दिल को बदलने से ही हो सकती है। आज धार्मिकों की स्थिति बड़ी दयनीय है। उन्हें देखकर दिल में दर्द होता है। जैसे-तैसे शोषण से पैसे का अर्जन करते हैं, फिर उससे किसी मंदिर का फर्श और धर्मशाला बनाकर या सदाव्रत खोलकर मन से सोचते हैं कि हमने धर्म किया है। यह कैसी विडंबना है?

धर्म नहीं कहता कि आप पाप से पैसा कमाएं। ऐसे धार्मिक लोग हथियार नहीं रखते, किंतु कलम से न जाने कितनों के गले काट लेते हैं। कोई किसान सेठ के पास बैठा था। सेठ के कान से कलम गिर पड़ी। किसान बोला- आपकी छुरी गिर गई है। सेठ झुंझलाकर बोला- कैसी बात कर रहे हो, हम तो धार्मिक आदमी हैं, फिर छुरी कैसे रख सकते हैं? किसान ने कलम हाथ में लेकर पूछा- यह क्या है?

विनाश का कारण बन सकती है उन्नत तकनीक....

चैतन्य भट्ट

लेबनान में हजारों पेजरों और उसके बाद वाकी टाकी रेडियो , लैपटॉप और और सोलर उपकरणों में में एक साथ हुए धमाकों ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इन धमाकों में 30 से ज्यादा मौतें हुई और 3000 से ज्यादा लोग गंभीर रुप से घायल हैं। इसे आतंकी संगठन हिजबुल्ला के खिलाफ इजरायली सुरक्षा एजेंसी मोसाद का आपरेशन माना जा रहा है। तकनीक पर निर्भर व्यवस्थाएं चिंतित हैं। अगर वह संभव है तो जाने और कितना कुछ भी संभव होगा जिसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है।

नई तकनीकों के समंदर में गोते लगा रही युवा पीढ़ी तो शायद जानती भी न हो कि पेजर है क्या ? 80 के दशक में आया यह संचार माध्यम मोबाइल के आने से जल्द विदा हो गया। भारत में तो इसके आगमन प्रस्थान की भनक भी नहीं लगी। जीपीएस मोबाइल की तुलना में पेजर की बेहद बेसिक तकनीक इसकी ट्रैकिंग मुश्किल बनाती है। संभवतः इसीलिए इजरायली एजेंसियों द्वारा ट्रेस किए जाने से बचने के हिजबुल्ला ने इस पुरानी तकनीक पर निर्भर होना ठीक समझा। बहरहाल यह आश्वस्ति झूठी ही साबित हुई है।

धमाकों के पीछे पहली थ्योरी यह है कि इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल की फ्रीक्वेंसी हैकिंग से पेजर में लगी लिथियम बैटरी का टैंपरेचर बढ़ाकर वे धमाके किए गए। दूसरी थ्योरी के अनुसार हिजबुल्ला ने वह पेजर ताईवानी कंपनी गोल्ड अपोलो से खरीदे थे जिनकी बैटरी के साथ मोसाद ने विस्फोटक प्लांट कर दिए। एक संदेश ने विस्फोटक एक्टिवेट किया और हजारों पेजर एक साथ फट गए। हिजबुल्ला इस त्रासदी से उबर भी नहीं पाया था कि सैकड़ों वाकी-टाकी उपकरणों, लैपटॉप और यहां तक कि सोलर उपकरणों में भी ऐसे ही धमाके हुए। ताजातरीन खबरें तो यह हैं कि एक बेहद खुफिया और सोचे समझे तरीके से इजराइल ने एक फर्जी कंपनी के माध्यम से यह पेजर खुद बनाकर गोल्ड अपोलो कंपनी को सप्लाई किए जो अंततः हिजबुल्ला के सदस्यों तक पहुंचे। हमास के सुप्रीम कमांडर इस्माइल हानियां की इजरायल के दुश्मन नंबर एक ईरान की राजधानी तेहरान में हुई हत्या भी तकनीक के दम पर ही संभव हुई थी।

इस घटना से उपजी चिंताएं भयावह हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) तकनीक ने साईबर पहुंच को उपयोग की लगभग हर वस्तु तक पहुंचा दिया है। इस तकनीक से बिजली, मोटर वाहन, सुरक्षा और निगरानी, स्वास्थ्य प्रबंधन, कृषि, स्मार्ट होम और स्मार्ट सिटी जैसे बुनियादी ढांचे को उन्नत किया जा रहा है। उपभोक्ता भी चाहता है कि दैनिक उपयोग की हर वस्तु हर वक्त उसकी पहुंच हो। कंपनियां इस कमजोरी का फायदा उठाकर हर उपभोक्ता उपकरण में यह तकनीक अपना रही हैं। कंपनियों को छुपा फायदा यह भी है कि उन्हें मार्केटिंग के लिए महत्वपूर्ण डाटा फ्री मिल रहा है जिसका उपयोग वे न सिर्फ खुद करती हैं बल्कि उसे बेचकर पैसा भी कमाती हैं। अनुमान है कि 2025 तक वैश्विक स्तर पर लगभग 11.4 बिलियन उपभोक्ता और 13.3 बिलियन इंटरप्राइजेज आई.ओ.टी. डिवाइस से युक्त होंगे और साईबर हमलों की पहुंच में होंगे। इनमें मोबाइल, कार , स्मार्ट वॉच, हैल्थ मानीटर, फ्रिज, टीवी , एयर कंडीशनर समेत पेसमेकर जैसे बैटरी से चलने और शरीर के अंदर लगाए जाने वाले मेडिकल उपकरण भी शामिल हैं। पेजर धमाके बताते हैं कि ऐसे किसी भी उपकरण को बम में तब्दील करना संभव है। अधिसंख्य लोग मोबाईल से निकलने वाले घातक रेडिएशन के खतरे से अपरिचित होंगे। विभिन्न देशों में इस रेडिएशन लिए अलग-अलग सीमाएं तय हैं। क्या तकनीक के बल पर इस रेडिएशन को जानलेवा घातक स्तर तक बढ़ाया जा सकता है ? अगर हां तो वह खतरे की एक और घंटी है।

यूक्रेन युद्ध का प्रारंभिक अनुमान था कि ताकत के दम पर रूस इसे कुछ ही दिनों में खत्म कर देगा। सारे अनुमान गलत साबित हुए और लगभग दो साल का लंबा समय बीतने के बावजूद यह अब भी जारी है। पश्चिमी देशों द्वारा दिए गए उन्नत तकनीकी उपकरणों के दम पर यूक्रेन न सिर्फ युद्ध में बना हुआ है बल्कि उसने रूस जैसे ताकतवर देश को गहरा नुकसान भी पहुंचाया है। इजरायल की हमास तथा हिजबुल्ला जैसे आतंकवादी संगठनों के साथ चलने वाली लंबी लड़ाई भी तकनीक के प्रयोग से निर्णायक स्थिति में पहुंचती दिख रही है। जाहिर है, भविष्य के युद्ध सेनाओं और हथियारों नहीं बल्कि वातानुकूलित कक्षों में तकनीक के दम पर लड़े जाएंगे। साईबर हमलों की ऐसी श्रंखला युद्धों और आतंकवादी गतिविधियों तक ही सीमित नहीं रहेगी। ऐसे एक हमले से किसी भी देश की पूरी आर्थिक और जनोपयोगी व्यवस्था छिन्न-भिन्न कर उसे पंगु बनाया जा सकता है।

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी न सिर्फ व्यक्तिगत बल्कि वैश्विक सुरक्षा की भी सबसे महत्वपूर्ण आधुनिक चुनौतियों में से एक है। राज्य विशेष या आतंकवादी समूह के हाथ में पहुंचकर ऐसी तकनीक कितनी विध्वंसक हो सकती है, सोच कर ही सिहरन होती है। बुनियादी ढांचे या सैन्य रसद नेटवर्क को नष्ट करने के लिए किया गया साईबर हमला कभी भी अंतरराष्ट्रीय संकट साबित हो सकता है। परमाणु अप्रसार संधि की तर्ज पर ऐसी अंतरराष्ट्रीय सहमति जरूरी है जो इसका नियमन करे। प्रयास हो तो रहे हैं मगर प्रगति धीमी है। अगर लेबनान में हुए धमाकों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस विषय पर और शीघ्रता से सोचने पर मजबूर किया तो यह त्रासदी से सबक सीखने की अच्छी बानगी होगी।

यूपीआईटीएसः प्रगति की राह पर सरपट

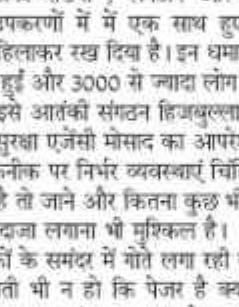

उमेश चतुर्वेदी

पिछली सदी के अस्सी के दशक में जिस उत्तर प्रदेश को बीमारू कहकर उपहास उड़ाया जाता था, उसी यूपी में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) का भव्य आयोजन होना मामूली बात नहीं है। राज्य के तेजी से विकसित हो रहे ग्रेटर नोएडा शहर में 25 से 29 सितम्बर तक चले यूपीआईटीएस में देशभर की बड़ी कंपनियों का जुटान यह बताने के लिए काफी है कि राज्य में निवेश और कारोबार को लेकर भरोसा बढ़ रहा है।

चार दिनों तक चले यूपीआईटीएस का आयोजन 15 हॉल में किया गया था। वैसे तो अपने आप में सभी हॉल यूपी में आ रहे बदलाव और उसमें कारोबार और निवेश को दुनिया के दिग्गजों की दिलचस्पी की कहानी कह रहे थे, लेकिन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा है, यूपी इन्वेस्ट का हॉल, जिसमें देश के तकरीबन सभी अहम क्षेत्रों की कंपनियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इनमें देश की अग्रणी अडानी, अंबानी, रिलायंस, लुलु हाइपर मार्केट, वाइब्स जैसी कंपनियां शामिल रहीं। इस आयोजन में एक पूरा और एक्स्क्लूसिव हॉल इलेक्ट्रॉनिक्स का रहा, जिनमें देश के 100 से अधिक स्टार्टअप्स और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए और लोगों को अपनी तरक्की से प्रभावित किया। साल 2018 में राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्थानीय उत्पादों को बाजार और पहचान मुहैया कराने के लिए 'एक जिला, एक उत्पाद' नाम से योजना शुरू की थी। जिसे संक्षेप में ओडीओपी के नाम से जाना जाता है। यूपीआईटीएस के इस आयोजन में ओडीओपी के लिए भी अलग से हॉल तैयार था, जिसमें राज्य के सभी 75 जिलों के 325 उत्पादक अपने स्थानीय विशेष उत्पादों के साथ मौजूद रहे। गौर करने की बात यह है कि इनमें काफी संख्या महिलाओं की रही। इस योजना के जरिए अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचा रहे कुछ दिव्यांग कारोबारी भी इसमें शामिल थे। इस आयोजन में पशुधन विकास, दुग्ध उद्योग, मत्स्य पालन, कृषि उत्पाद और खाद्य संरक्षण की भी कंपनियां शामिल रहीं और अपने उत्पादों को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। इस आयोजन में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र फूड प्रोसेसिंग वाला हॉल रहा, जहां उत्तर प्रदेश के स्थानीय खाद्य उत्पादों और व्यंजनों को बतौर नमूने प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन का 14 और 15 नंबर का हॉल निर्यातकों के लिए विशेष तौर पर आरक्षित था। जिसमें उत्तर प्रदेश के करीब सभी निर्यात होने वाले उत्पाद प्रदर्शित किए गए। ये हॉल विदेशी ग्राहकों को सबसे ज्यादा लुभाते दिखे। यहां यह भी बताना जरूरी है कि इसे देखने के लिए दुनियाभर से करीब 400 लोगों को आमंत्रित किया गया था। हालांकि कुछ विदेशी ग्राहक ऐसे भी थे, जो खुद यहां पहुंचे। विदेशी ग्राहकों और कंपनियों को यहां राज्य के उत्पादकों और निर्यातकों को कारोबारी बैठक के लिए सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिसका राज्य को फायदा भी हुआ और करोड़ों रुपए के ऑर्डर भी मिले। ऊर्जा, नवीकरण ऊर्जा, और रक्षा उत्पाद को भी इस हॉल में प्रदर्शित किया गया था।

इस आयोजन में शिक्षा से जुड़ी तमाम संस्थाएं जिनमें कुछ बड़े विश्वविद्यालय भी शामिल थे, ने युवाओं को अपनी सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी दी। पांच दिनों तक चले इस आयोजन में पांच सत्रों का आयोजन किया गया, जो ई-कॉमर्स ट्रेंड्स और अवसर, नवाचार और स्टार्टअप्स, देश की निर्यात क्षमता, आदि पर आधारित थे। इस आयोजन की उपलब्धि ही कही जाएगी कि आयोजन के चौथे दिन उद्यमियों को अमेरिका, खेस और जापानी कंपनियों से 100 करोड़ रुपए से अधिक के ऑर्डर प्राप्त हुए। इस दौरान बिरला एयरकॉन और सोनी के बीच जहां 50 करोड़ का करार हुआ, वहीं मदरसन कंपनी को 25 करोड़ के ऑर्डर मिले। इसी तरह आइसक्रीम की मशहूर कंपनी वडीलाल और जैन शिकंजी को 10-10 करोड़ रुपए के ऑर्डर मिले। पूरे आयोजन में करीब 5 लाख से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया।

यूपीआईटीएस 2024 का सहयोगी आयोजक वियतनाम रहा, जिसके राजदूत की अगुआई में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान वियतनाम ने राज्य में खाद्य प्रसंस्करण एवं आईटी के क्षेत्र में निवेश को लेकर उत्सुकता जाहिर की। बहरहाल यूपीआईटीएस के बीते आयोजन में राज्य के हस्तशिल्प उद्योग को नई उड़ान मिली है। इस दौरान राज्य के हस्तशिल्प उत्पादों की जबरदस्त खरीदारी हुई। इस आयोजन के दौरान 75 हजार कारोबारी निर्यात के ऑर्डर भी मिले। कभी उत्तर प्रदेश को भदेस और उसके उत्पादों को उपहास की नजर से देखा जाता था, लेकिन यूपीआईटीएस जैसे आयोजनों के चलते उत्तर प्रदेश की पहचान भदेस से निकल रही है और राज्य नए सिरे से ना सिर्फ अपनी पहचान हासिल करता दिख रहा है, बल्कि राज्य के हस्तशिल्प और दूसरे उत्पादों को वैश्विक बाजार मिलता दिख रहा है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

अभिनय के मास्टर हैं केके मेनन, थिएटर से दर्शकों के दिल तक का तय किया सफर

जब भी बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकारों का नाम लिया जाएगा, उस लिस्ट में केके मेनन का नाम जरूर आएगा। अपने शानदार और जीवंत अभिनय के लिए मशहूर अभिनेता केके मेनन ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक कई बेहतरीन फिल्में की हैं। अभिनेता अपने कौशल के दम पर लाखों दिलों पर राज करते हैं। उन्होंने अपने किरदारों के माध्यम से बड़े पर्दे पर कभी ना मिटने वाली छाप छोड़ी है। वह अपना 58वां जन्मदिन मना रहे हैं। आइए इस खास मौके पर उनसे जुड़ी कुछ बातें जानते हैं।

केके मेनन ने अभिनय की शुरुआत थिएटर से की थी। उन्होंने पहली बार थिएटर में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के साथ काम किया। एक लंबा समय थिएटर को देने के बाद साल 1995 में फिल्म 'नसीम' से उन्हें पहला ब्रेक मिला। हालांकि, इस फिल्म में उनका किरदार छोटा था, लेकिन इस फिल्म के बाद उन्होंने कई शानदार फिल्में की और अपने अभिनय कौशल के दम पर दर्शकों के दिल पर छा गए।

सिर्फ फिल्मों में ही नहीं अभिनेता टीवी शोज में भी अपने अभिनय का कमाल दिखा चुके हैं। अभिनेता ने 'प्रधान मंत्री', 'लास्ट ट्रेन टू महाकाली', 'जेबरा 2' जैसे शोज में भी अपना जलवा दिखाया है। अभिनेता ने बॉलीवुड की कई मशहूर और दर्शकों की पसंदीदा फिल्मों में काम किया, जिसमें ब्लैक फाइडे, गुलाल, लाइफ इन एक मेट्रो, हैदर, बेबी, गाजी अटैक, वोडका डायरीज और सरकार जैसी कल्ट फिल्में शामिल हैं।

अभिनेता जब थिएटर कर रहे थे, उसी दौरान उन्होंने अभिनेत्री निवेदिता भट्टाचार्य से शादी की। अभिनेत्री उनके संघर्ष के दिनों से ही साथ है। बता दें कि निवेदिता टीवी के दुनिया में सक्रिय रहती हैं। केके मेनन की पत्नी अभिनेत्री निवेदिता ने कुंडली और सात फेरे जैसे धारावाहिकों में अभिनय किया है।

41 साल के एक्टर को डेट करने की अफवाहों पर भड़कीं तारा सुतारिया

तारा सुतारिया भले ही बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री है, लेकिन इस समय उनके हाथ में प्रोजेक्ट्स की कमी नजर आ रही है। प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियां बटोरने वाली तारा पिछले दिनों अपने कथित एक्स बॉयफ्रेंड आदर जैन की सगाई को लेकर चर्चा में थीं। हालांकि, इसके बाद तारा का नाम अभिनेता अरुणोदय सिंह के साथ जुड़ने लगा। अब अभिनेत्री ने खुद चुप्पी तोड़ इन सभी अफवाहों पर विराम लगाया है। बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारिया ने हाल ही में अभिनेता अरुणोदय सिंह के साथ डेटिंग की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है। कुछ दिनों पहले अफवाह आई थी कि वह अभिनेता के साथ रिश्ते में हैं। हालांकि, दोनों ने कभी अपने रिश्ते को आधिकारिक नहीं किया था और यह पहली बार है जब तारा ने डेटिंग अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है।

बातचीत के दौरान तारा ने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि वह सिंगल हैं। अभिनेता के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए तारा ने कहा, अरुणोदय मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और मैं सिंगल हूं। इससे पहले सामने आई एक रिपोर्ट ने पुष्टि की कि तारा अरुणोदय को डेट कर रही हैं और यह भी दावा किया कि दोनों डेढ़ साल से एक साथ हैं। वहीं, कथित तौर पर तारा इससे पहले रणबीर कपूर के चचेरे भाई अदार जैन को डेट कर रही थीं और दोनों ने अपने रिश्ते को आधिकारिक भी कर दिया था, हालांकि यह रिश्ता ज्यादा दिनों तक नहीं चला। वर्कफ्रंट की बात करें तो तारा ने करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जिसमें उनके साथ अनन्या पांडे और टाइगर श्रॉफ भी थे। फैंस तारा को फिर से स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं।

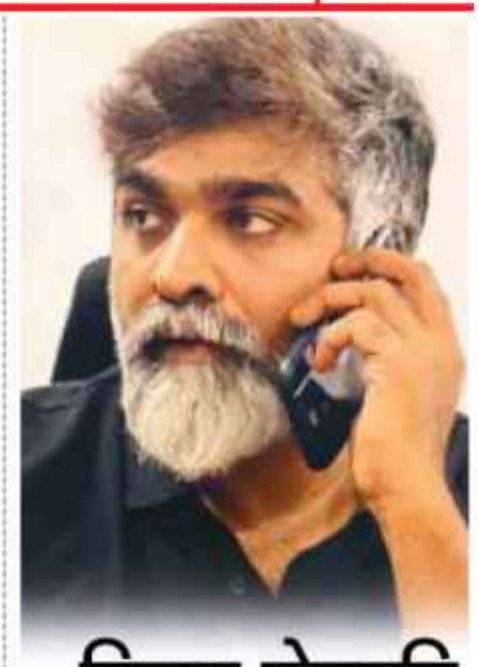

विजय सेतुपति की मूक फिल्म गांधी टॉक्स पर आया बड़ा अपडेट

विजय सेतुपति अपनी अगली मूक फिल्म गांधी टॉक्स को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसे 54वें भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित किया गया था। फिल्म में अदिति राव हैदरी, अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। अब बुधवार को गांधी जयंती के मौके पर मेकर्स ने फिल्म को लेकर एक खास अपडेट जारी किया है। गांधी टॉक्स एक आगामी तमिल फिल्म है जिसमें विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं। बुधवार को गांधी जयंती के दिन फिल्म के निर्माताओं ने एक विशेष बीटीएस वीडियो जारी किया, जिसमें फिल्म के निर्माण, अभिनेताओं द्वारा फिल्म के अलग-अलग भाग की शूटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन के अन्य पहलुओं को दिखाया गया है। अंत में, हम एआर रहमान को गाने के लिए संगीत बनाते हुए देखते हैं।

मूक डार्क कॉमेडी फिल्म है गांधी टॉक्स

एक मूक डार्क कॉमेडी फिल्म के रूप में प्रस्तुत गांधी टॉक्स तमिल, तेलुगु, मराठी, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषा में रिलीज की जाएगी। गांधी टॉक्स की रिलीज डेट की घोषणा अभी तक निर्माताओं द्वारा नहीं की गई है। हालांकि, टीजर के अनुसार ऐसा लग रहा है कि टीम जल्द ही तारीख की घोषणा करेगी।

गांधी टॉक्स का निर्माण

गांधी टॉक्स का निर्देशन किशोर पी बेलेकर द्वारा किया गया है और यह जी स्टूडियोज, वयूरीयस और मूवीमिल द्वारा संयुक्त रूप से समर्थित है। एआर रहमान ने फिल्म के लिए संगीत दिया है जिसके संपादक आशीष म्हात्रे हैं। करण बी रावत ने कैमरा क्रैंक किया है। मणिरत्नम की चेक्का चिवंता वनम के बाद यह दूसरी बार है जब अरविंद स्वामी, अदिति राव हैदरी और विजय सेतुपति एक साथ आए हैं। गांधी टॉक्स की शूटिंग पूरी हो चुकी है।

विजय सेतुपति का वर्कफ्रंट

इस बीच, विजय को आखिरी बार निथिलन समीनाथन द्वारा निर्देशित महाराजा में देखा गया था। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। दूसरी ओर, अरविंद स्वामी को हाल ही में रिलीज हुई मियाझागन में कार्थी के साथ देखा गया था। फिल्म सिनेमाघरों में लगी हुई है।

वेब सीरीज दलदल में अपने किरदार के बारे में बोलीं भूमि

मि पेडनेकर ने अपनी आगामी वेब सीरीज दलदल की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी कर ली है। अमृत राज सिंह द्वारा निर्देशित इस सीरीज में भूमि एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी, जिसे वह अब तक के अपने सबसे मुश्किल किरदारों में से एक मानती हैं। अभिनेत्री ने इस प्रोजेक्ट के बारे में अपने विचार सोशल मीडिया पर व्यक्त किए और इसे चुनौतियों और जीत से भरा एक साल का सफर बताया। इंस्टाग्राम स्टोरी पर भूमि ने भावुक नोट लिखा। भूमि ने दलदल को जीवंत करने के लिए आवश्यक समर्पण को दर्शाया। उन्होंने परियोजना के प्रति अपने जुनून को बनाए रखते हुए मुंबई के मानसून से जूझने सहित कठिन परिस्थितियों पर काबू पाने में टीम के प्रयासों के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, बेशक, मेरे सबसे मुश्किल पात्रों में से एक है यह, मैं नर्वस हूं। मुझे शो में ऐसे शानदार कलाकारों और रचनाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला। हमने मुंबई के मानसून का सामना किया, सबसे कठिन परिस्थितियों में शूटिंग की और फिर भी हमारा उत्साह कभी कम नहीं हुआ। हम सभी को बधाई। इससे पहले एक इंटरव्यू में भूमि ने रीता के रूप में अपनी भूमिका के बारे में विस्तार से बताया था, जो एक पुरुष-प्रधान क्षेत्र में बाधाओं को तोड़ती हुई एक पुलिस अधिकारी है। भूमि ने एएनआई से कहा, रीता एक सुपर अचीवर, एक ग्लास-सीलिंग ब्रेकर और पुरुषों की दुनिया में नियमों को फिर से लिखने वाली है। वह महत्वाकांक्षी है, अपने काम के प्रति जुनूनी है और आगे बढ़कर नेतृत्व करती है। ये ऐसी महिलाएं हैं, जिन्हें मैं अपना आदर्श मानती हूं। यह सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रीमियर के लिए तैयार है, हालांकि रिलीज की तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है।

बॉर्डर 2 में सुनील शेट्टी के बेटे अहान की एंट्री पक्की

वर्ष 1997 में आई फिल्म बॉर्डर का सीक्वल आ रहा है। निर्माता बॉर्डर 2 की तैयारियों में व्यस्त हैं और नए-नए सितारों का नाम इस फिल्म से जुड़ता जा रहा है। इस फिल्म में सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी के होने की चर्चा तेज थी। आज इन चर्चाओं पर मुहर लग गई है। खुद सनी देओल ने सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर बॉर्डर 2 बटालियन में अहान का स्वागत किया है। सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, फिल्म बॉर्डर 2 बटालियन में फौजी अहान शेट्टी का स्वागत है। सनी देओल ने फिल्म का टीजर वीडियो भी जारी किया है। जिसे पार नहीं कर पाता दुश्मन, वह न तो कोई लकीर है, न दीवार न खाई। और क्या है यह? बस एक फौजी और उसके भाई। अहान शेट्टी ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, बॉर्डर सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह इससे कहीं अधिक है। यह एक विरासत है, एक भावना है। और इसी के साथ एक सपना सच हुआ है। अहान ने लिखा है, अब फिल्म बॉर्डर 2 का हिस्सा बनने का मौका मिलना एक सम्मान है। मेरा हाथ थामे रखने के लिए जेपी अंकल आपका बहुत शुक्रिया। मुझे उम्मीद है कि मैं आपको गर्व महसूस कराऊंगा।

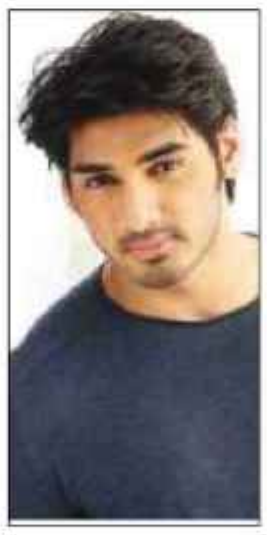

अपनी फिल्मों को दर्शक की तरह देखती हैं अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे अपनी फिल्मों और स्टाइलिश लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। अनन्या पांडे ने हाल ही में इम्पोस्टर सिंड्रोम से ग्रसित होने की बात कही है। अनन्या पांडे ने बताया कि खुद को पोस्टर या बिलबोर्ड पर देखकर वो भूल जाती है कि वो खुद उस पोस्टर में हैं। एक बातचीत के दौरान अनन्या पांडे ने कहा कि वह किस तरह से अपने स्टारडम और प्रसिद्धी को अपनाती हैं। अनन्या ने कहा, ये सिंड्रोम किसी साधारण सी बात से शुरू होती है, जैसे कि जब कोई मेरा नाम लेता है। इंटरव्यू और अन्य चीजों के दौरान, मुझे लगता है कि मेरा नाम वास्तव में मेरा नहीं है, और यह मुझे तीसरे व्यक्ति जैसा महसूस कराता है। जब ऐसा होता है तो मुझे अचानक किसी और की तरह बनने का मन करता है। अनन्या ने कहा कि जब मैं खुद को किसी बिलबोर्ड में देखती हूं तो मुझे लगता है कि ये मैं नहीं हूं। कई बार ऐसा फिल्मों को देखकर भी लगता है। मैं इसे एक दर्शक की तरह ही देखती हूं। मैं भूल जाती हूं कि सामने मैं ही नजर आ रही हूं। अनन्या पांडे इन दिनों आगामी फिल्म कंट्रोल में दिखाई देने वाली हैं। उनकी ये फिल्म एक साइबर थ्रिलर होने वाली है, जो कि चार अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

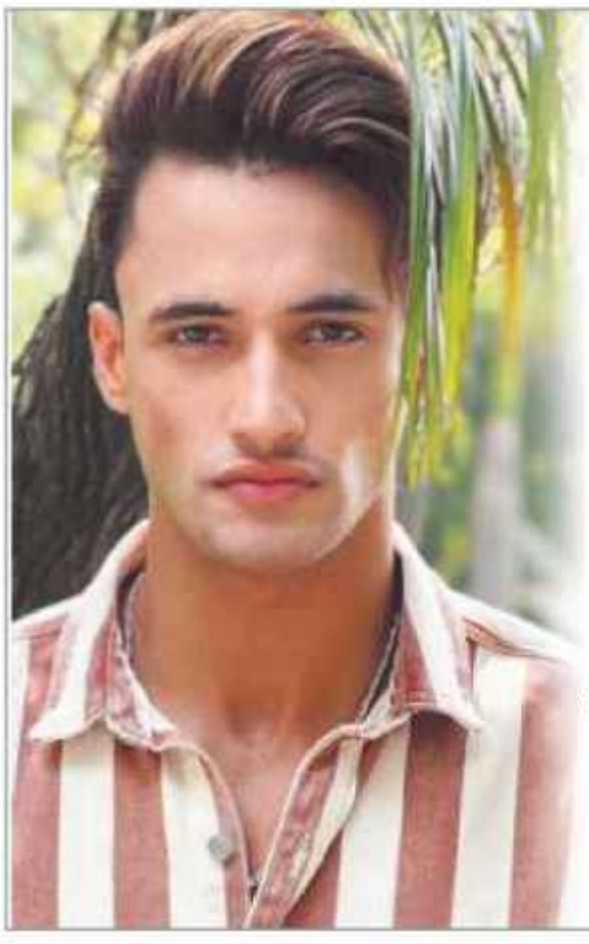

खतरों के खिलाड़ी 14 के विजेता करण वीर मेहरा पर भड़के आसिम रियाज?

कलर्स टीवी के शो बिग बॉस 13 में अपने बेबाक अंदाज से प्रसिद्धि हासिल करने वाले आसिम रियाज ने खतरों के खिलाड़ी 14 से बाहर होने के बाद सुर्खियां बटोरी। यह शो एक छोटे अंतराल के बाद टेलीविजन पर उनकी वापसी का प्रतीक था। आसिम अपने साथी प्रतियोगियों अभिषेक कुमार और शालीन भनोट और मेजबान रोहित शेट्टी के साथ एक झगड़े में पड़ गए थे। इस दौरान उन्होंने होस्ट रोहित शेट्टी पर भी अपना आपा खो दिया था, जिसके बाद उन्हें शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। वहीं, अब आसिम की नई पोस्ट लोगों का खासा ध्यान आकर्षित कर रही है। उन्होंने ये पोस्ट करण वीर मेहरा के जरिए खतरों के खिलाड़ी 14 का खिताब जीतने के बाद किया।

बॉलीवुड लाइफ के साथ एक हालिया इंटरव्यू में खतरों के खिलाड़ी 14 की ट्रॉफी उठाने वाले करणवीर मेहरा ने कहा कि आसिम को चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि आसिम बहुत कम उम्र में मिली प्रसिद्धि को संभाल नहीं सकते और उन्हें यह समझाने की जरूरत है कि एक अच्छा इंसान बनना महत्वपूर्ण है। अभिनेता ने कहा, हो सकता है वो मुझे हरा देते, हो सकता है वो इंटरव्यू दे रहे होते। लेकिन वो कहते हैं ना कि तुम इतनी बड़ी बाइट मत लो कि चबाओ ना कर सको। बहुत कम उम्र में उन्हें बहुत कुछ मिला और यह उनके परिवार, दोस्तों की जिम्मेदारी है कि वे उन्हें जमीनी हकीकत बताएं कि वह आज प्रसिद्धि हैं लेकिन प्रसिद्धि कल यह नहीं होगी। एक अच्छा अभिनेता बनना, बॉडी बिल्डर बनना, अच्छा खतरों का खिलाड़ी बनना, ये सब आसान है। अच्छा इंसान बनना ये सबसे ज्यादा मुश्किल है, इसलिए आसिम को उस पर काम करने की जरूरत है और जो कुछ भी हुआ है, उन्हें चिकित्सा सहायता की जरूरत है।

ऐसा लगता है कि, यह बात आसिम रियाज को अच्छी नहीं लगी, जिसके बाद उन्होंने अपने एक्स हैंडल से करणवीर पर परोक्ष रूप से कटाक्ष किया। आसिम ने करणवीर को गालियां दी और कहा कि करण को यह दिखाने के लिए उन्हें बदनाम करना पड़ा कि वह आखिरकार 40 साल की उम्र में कुछ कर सकते हैं। आसिम ने लिखा, इस घटिया इंसान को यह दिखाने के लिए मुझे बदनाम करना पड़ा कि हारे हुए व्यक्ति ने आखिरकार 40 साल की उम्र में अपने जीवन में कुछ किया। यूं तो आसिम रियाज ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया, ना ही किसी को टैग किया, लेकिन नेटिजन्स का मानना है कि वह इस पोस्ट में करण वीर मेहरा की बात कर रहे हैं।

वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन में होगा सलमान का कैमियो?

वरुण धवन अपनी अगली फिल्म बेबी जॉन को लेकर लाइमलाइट में हैं। अभिनेता पहली बार साउथ के सफल फिल्म निर्माता एटली के साथ काम कर रहे हैं।

बेबी जॉन में वरुण धवन का एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। वहीं, अब फिल्म को लेकर आई नई रिपोर्ट ने फैंस के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। जानकारी के अनुसार, वरुण धवन की फिल्म की सलमान खान एक कैमियो भूमिका निभाएंगे हालांकि, अब तक न तो निर्माता और न ही अभिनेता ने इस खबर की आधिकारिक पुष्टि की है।

ड्रॉ पर राजी हुए दोनों कप्तान, मुम्बई ने 15वीं बार जीता ईरानी ट्रॉफी का खिताब

लखनऊ (एजेंसी)। पारी में शानदार प्रदर्शन की बदौलत मिली बढ़त के दम पर मुम्बई ने ईरानी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। यह 15वीं बार है जब मुम्बई ने यह खिताब जीता है। मुंबई और शेष भारत के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। मुंबई ने पहली पारी में 537 रन बनाए थे। शेष भारत की पारी 416 रनों पर सिमट गई। मुंबई ने दूसरी पारी में आठ विकेट पर 329 रन बनाए, लिए थे तभी दोनों कप्तान ड्रॉ पर राजी हो गए।

मुंबई के युवा आलराउंडर तनुष कोटियान ने आज अपने कल के स्कोर 20रन से आगे धैर्यपूर्ण शुरुआत की। वह आठवें नंबर पर जब बल्लेबाजी करने के लिए आये उस समय मुंबई 125 के स्कोर पर अपने छह विकेट गवां चुकी थी। सुबह के सत्र में जल्द ही टीम का स्कोर 8 विकेट पर 171 रन हो गया। इसके बाद भी कोटियान पिच पर जमे रहे। उन्होंने 135 गेंदों पर उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना दूसरा शतक पूरा किया। उन्होंने 150 गेंदों पर 10 चौके और आठ छक्के लगाते हुए (नाबाद 114) रन बनाए।

इससे पहले उन्होंने अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक नंबर-10 पर खेलते हुए बनाया था। पहली पारी में दोहरा शतक बनाने वाले सरफराज खान दूसरी पारी में विफल रहे और 17 रन पर सारांश जैन ने उन्हें पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद शार्दुल ठाकुर (2) भी सारांश जैन का शिकार बने। आठ विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए मोहित अवस्थी ने तनुष का बखूबी साथ निभाया और दोनों बल्लेबाजों ने नौवें विकेट के लिए रिकार्ड 158 रन जोड़े। मोहित अवस्थी ने 93 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से (नाबाद 51) रन बनाए। शेष भारत की ओर से सारांश जैन ने छह विकेट लिए। मानव सुथार ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

मूडी ने हार्दिक की फिटनेस और प्रदर्शन पर सवाल उठाये

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व मुख्य कोच टॉम मूडी ने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या सहित कुछ खिलाड़ियों को आईपीएल में करोड़ों रुपये के स्लैब में रखे जाने पर सवाल उठाये है। मूडी ने पंड्या की फिटने पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब आपको एक बड़ी रकम दी जाती है तो आपको मैच विजेता होना चाहिये और ये भूमिका नियमित रूप से निभानी चाहिये। इस प्रकार से मूडी ने साफ तौर पर हार्दिक की फिटनेस और प्रदर्शन पर सवाल उठाया। बीसीसीआई ने हाल ही में आईपीएल को लेकर नियमों में बदलाव करते हुए कहा था कि एक फ्रेंचाइजी छह खिलाड़ियों को साथ रख सकती है। इनमें दो खिलाड़ियों को 18 करोड़ रुपए की स्लैब में रखा गया है जबकि कुछेक को 14 करोड़ रुपए मिलेंगे। एक खिलाड़ी को 11 करोड़ मिलेंगे। इसी स्लैब पर मूडी ने आपत्ति जतायी है।मूडी ने कहा कि मेरे अनुसार 18 करोड़ की स्लैब में जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी आने चाहिये। साथ ही सवाल किया कि जब आप हार्दिक पंड्या के साथ उन सभी क्षेत्रों का आंकलन करते है, तो सवाल उठते है कि वह 18 करोड़ का खिलाड़ी बनने के लायक है या नहीं। इसके साथ ही इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि मुम्बई इंडियंस ने पिछले कुछ संस्करणों में अपनाई है, जिससे उन्हें मुश्किल में डाल दिया। उन्होंने इशान किशन और जोफ्रा आर्चर की बात करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मुम्बई को नीलामी की मेज पर थोड़ी समस्या हुई है। वे कुछ मामलों में बहुत अधिक वफादार हो गए हैं और फिट नहीं हुए खिलाड़ियों को भी उन्होंने अपनी टीम में बनाए रखने या वापस लाने की कोशिश की है, जो उन्हें महंगा पड़ा है।

भारत और श्रीलंका के बीच हो सकता है डब्ल्यूटीसी फाइनल

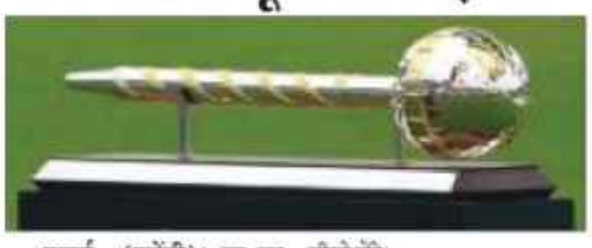

मुम्बई (एजेंसी)। इस बार भारत और श्रीलंका की टीमों के बीच विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के इस तीसरे संस्करण का फाइनल हो सकता है। भारतीय टीम पहले दो संस्करण में उपविजेता रही थी। पहली बार उसे न्यूजीलैंड जबकि दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। इस बार जहां भारतीय टीम बांग्लादेश पर जीत के साथ ही अंक तालिका में नंबर एक स्थान के साथ ही फाइनल की दावेदार है जबकति श्रीलंका भी ऑस्ट्रेलिया को टक्कर देती दिख रही है। भारतीय टीम का अभी जीत प्रतिशत

74.24 है और उसे फाइनल में पहुंचने 8 में से 3 मैच ही जीतने होंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया का जीत प्रतिशत 62.5 है और उसे 7 में से 4 मैच जीतने होंगे। श्रीलंका का जीत प्रतिशत 55.56 है और उसे 4 में से 3 मैच जीतने हैं। इंग्लैंड का जीत प्रतिशत 42.19 है और वह दौड़ से बाहर हो गयी है। वहीं द. अफ्रीका का जीत प्रतिशत 38.89 है और उसे 6 में से 5 मैच जीतने होंगे।

न्यूजीलैंड का जीत प्रतिशत 37.50 है और उसे अपने 6 में से सभी 6 मैच जीतने होंगे।

आंकड़े साफ है कि श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया ही फाइनल में भारत से भिड़ने वाली दूसरी टीम होने की संभावनाएं है। भारत को अभी 8 में से 3 टेस्ट जीतने जरुरी है। ये लक्ष्य टीम न्यूजीलैंड को 3 टेस्ट मैच की घरेलू सीरीज में ही हराकर ही हासिल कर सकता है। जबकि श्रीलंका को दक्षिण अफ्रीका से 2 तो ऑस्ट्रेलिया से सिर्फ एक ही टेस्ट जीतने की जरुरत है। श्रीलंका इसलिए भी पसंदीदा है क्योंकि घरेलू धरती पर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज घरेलू मैदान पर खेलनी है। डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस से अभी , इंग्लैंड, बांग्लादेश, पाकिस्तान और विंडीज जैसी टीमें बाहर हो चुकी है हालांकि ये अन्य टीमों के लिए बाधा जरुर बन सकती है। दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश दौरे पर जाना है। इस सीरीज में अगर वह हारती है तो पूरी तरह से बाहर हो जाएगी। वहीं इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड से 3 टेस्ट खेलने है। अगर न्यूजीलैंड एक टेस्ट हार या ड्रा रहा तो वह फाइनल की रेस से बाहर हो जाएगा।

रसेल, पूरन और हेटमायर बाहर... श्रीलंका के खिलाफ नई टी20 टीम की घोषणा

- वेस्टइंडीज चयनकर्ताओं ने युवाओं पर दिखाया भरोसा

सेंट जोंस (एजेंसी)। आंद्रे रसेल, निकोलस पूरन, शिमरोन हेटमायर और अकील होसेन ने निजी कारणों से बाहर होने का विकल्प चुना है, क्योंकि वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए एक नई टी20 टीम की घोषणा की है। उनकी अनुपस्थिति में, टीम दांबुला में तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में नई प्रतिभाओं और वापसी करने वाले चेहरों को आजमाएगी, जो टीम की गहराई और बहुमुखी प्रतिभा का आकलन करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

सबसे उल्लेखनीय वापसी इसमें सलामी बल्लेबाज एविन लुईस की है, जिन्होंने अंतिम बार 2022 में टी20 विश्व कप में इंडीज का प्रतिनिधित्व किया था। उनकी वापसी बल्लेबाज के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्हें श्रीलंकाई दौरे के लिए एकदिवसीय टीम में भी शामिल किया गया है। लुईस के साथ ब्रैंडन किंग भी शामिल है, जो एक और वापसी करने वाले खिलाड़ी है, जो इंजरी से उबर चुके है, जिसकी वजह से वे टी20 विश्व कप और 2024 कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) से बाहर हो गए थे।

रसेल और अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में, वेस्टइंडीज ने दो नए चेहरों पर दांव लगाया है। ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर टेरेंस हिंड्स और एंटीगा और बारबुडा फाल्कंस के शमर स्प्रिंगर का नाम शामिल है। दोनों खिलाड़ियों ने 2024 सीपीएल सीजन के दौरान प्रभावित किया, जिसमें हिंड्स ने टीकेआर के लिए डेथ बॉलर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया और

स्प्रिंगर स्पिनर के दबदबे वाले टूर्नामेंट में फाल्कन्स के शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे। स्प्रिंगर की धीमी-गेंद की विविधता और लगातार प्रदर्शन ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई, और स्प्रिंगर से श्रीलंका की धीमी पिचों पर एक मूल्यवान संपत्ति बनने की उम्मीद है।

रोवमैन पॉवेल टी20 टीम के कप्तान है, जबकि रोस्टन चेस उपकप्तान नियुक्त किए गए है। चेस, जिन्होंने हाल ही में वेस्टइंडीज के साथ एक केंद्रीय अनुबंध हासिल किया है, अनुभव और बहुमुखी प्रतिभा लाते है, विशेष रूप से स्पिन विभाग में, जहां वे फंटलाइन स्पिनर गुडाकेश मोती का साथ देने वाले है। खाएं हाथ के फिंगर स्पिनर मोती टीम के प्राथमिक स्पिन विकल्प है, लेकिन चेस और अन्य ऑलराउंडरों को भी श्रीलंका की परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए बुलाया जाएगा। कोच डेरेन सैमी, जो अब सिस्टम में बदलाव के बाद चयन पैनल का नेतृत्व करते है, ने प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद टीम पर भरोसा जताया। सैमी ने क्रिकेट वेस्टइंडीज के बयान में कहा, श्रीलंका का दौरा हमें अपनी गहराई का परीक्षण करने और विभिन्न परिस्थितियों में खिलाड़ियों का आकलन करने का मौका देता है, खासकर कई वरिष्ठ खिलाड़ियों के चोट से आराम और पुनर्वास की आवश्यकता सहित विभिन्न कारणों से बाहर रहने के कारण।

वेस्टइंडीज टी 20 टीम

रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेस (उपकप्तान), फैबियन एलन, एलिक एथनाज, आंद्रे फ्लेचर, टेरेंस हिंड्स, शाई होप, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर शामिल है।

वेस्टइंडीज वनडे टीम

शाई होप (कप्तान), अल्जारी जोसेफ (उपकप्तान), ज्वेल एंड्रयू, एलिक एथनाज, कीसी कार्टी, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, हेडन वॉल्श जूनियर शामिल है।

टी20 लीग से बर्बाद हुआ पाकिस्तान क्रिकेट : जहीर अब्बास

अजमान। पाकिस्तान के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में शामिल रहे जहीर अब्बास ने कहा है कि उनकी टीम का प्रदर्शन बदतर होने का कारण देश में बढ़ता हुआ टी20 लीग क्रिकेटर है। जहीर के अनुसार लीग क्रिकेट से काफी पैसा मिल रहा है जिससे खिलाड़ियों का ध्यान खेल से ही हट गया है। इस वजह से खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट की मूल बातें भूल गए हैं। अब्बास ने कहा कि क्रिकेट में इतना पैसा आ गया है कि खिलाड़ी इन दिनों केवल पैसा कमाने में ही लगे हैं और उनका ध्यान खेल से पूरी तरह हट गया है। जहीर अब्बास ने यूएई के अजमान में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'पाक क्रिकेट का दुर्भाग्य यह है कि इसे चलाने वाले ही क्रिकेट को नहीं जानते हैं। वहीं हमने पाक क्रिकेट को बहुत ऊंचाई पर पहुंचाया था। तब दुनिया पाक टीम को मानती थी पर आज हालात बेहद खराब हैं। अभी जो लोग क्रिकेट प्रबंधन में हैं, उन्हें सिर्फ अपनी चिंता है और क्रिकेट या खिलाड़ियों की कोई चिंता नहीं है।' इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पाकिस्तान का दौरा करना चाहिए। साथ ही कहा कि इससे भारतीय उपमहाद्वीप, खासकर पाकिस्तान में क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'हम क्रिकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं। ऐसे में अगर भारत पाकिस्तान में आकर खेलता है तो यह क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा होगा। भारतीय टीम का पाकिस्तान में आकर खेलना सकारात्मक कदम होगा और इससे पाकिस्तान में क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा।

तीन नहीं, 4 नंबर पर आदर्श होंगी हरमनप्रीत : पूनम यादव

नई दिल्ली। लेग स्पिनर पूनम यादव का मानना है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर बड़े शॉट खेलने की काबिलियत के कारण बल्लेबाजी क्रम में चौथे स्थान के लिए ज्यादा उपयुक्त हैं जबकि जेमिमा रोड्रिग्स तीसरे स्थान के लिए आदर्श होंगी। हरमनप्रीत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं और उन्होंने 14 गेंद में 15 रन बनाए। भारतीय टीम शुक्रवार को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में 58 रन से हार गई। टूर्नामेंट से पहले भारत के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने संकेत दिया था कि हरमनप्रीत विश्व कप में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगी। पूनम ने कहा कि मैं जेमिमा को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए देखना पसंद करूंगी क्योंकि वह उस समय 'फील्ड' का उपयोग कर सकती है जब सिर्फ दो क्षेत्ररक्षक सर्कल के बाहर हों। हरमनप्रीत बड़े हिट लगाने के लिए बेहतर हैं जबकि जेमिमा एक या दो रन बनाने के लिए स्ट्राइक रोटेट कर सकती हैं और ढीली गेंदों का फायदा उठाकर उन्हें चौके या छक्के में बदल सकती हैं। टीम से बाहर चल रहीं इस स्पिनर ने कहा कि तीसरा नंबर एक अहम स्थान है इसलिए जेमिमा को वहां और हरमनप्रीत को चौथे नंबर पर रखना आदर्श होगा क्योंकि आपको एक अच्छे फिनिशर के साथ बड़े शॉट लगाने वाले खिलाड़ी की जरूरत होती है।

बेन स्टोक्स पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर, इंग्लैंड की प्लेइंग 11 में ये प्लेयर करेगा डेब्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेन स्टोक्स हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मुल्तान में 7 अक्टूबर से शुरू हो रहे पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड के पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। स्टोक्स को दो महीने पहले हेडिंग्ले में खेलते समय हैमस्ट्रिंग की चोट लगी थी, जिसके कारण वह श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की 2-1 से सीरीज की जीत से चूक गए थे। मुल्तान में टीम के साथ ट्रेनिंग करने के बावजूद स्टोक्स पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे जिसका मतलब है कि कार्यवाहक कप्तान ओली पोप टीम की अगुआई करना जारी रखेंगे।

स्टोक्स ने कहा, 'मैंने इस पहले मैच के लिए खुद को फिट करने की पूरी कोशिश की, लेकिन यह मैच छोड़ने का फैसला किया है। मैं पूरी तरह से मैच के लिए तैयार नहीं हो पाया हूं। हम एक निश्चित बिंदु पर पहुंच गए है, लेकिन आगे जो कुछ भी होने वाला है और वास्तव में मैं अपने रिहैब के साथ शारीरिक रूप से कहां हूं, इसे देखते हुए मैं खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हूं।'

यह पूछे जाने पर कि क्या वह 15 अक्टूबर से मुल्तान में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए फिट होंगे, स्टोक्स ने कोई वादा नहीं किया। उन्होंने कहा, 'पक्का नहीं। मैंने अविश्वसनीय रूप से कठिन परिश्रम किया है और मेडिकल टीम के साथ वास्तव में कड़ी मेहनत की है ताकि मैं अब वहां पहुंच सकूं। मुझे लगता है कि मैं हमारी उम्मीद से कहीं आगे हूं। मैं दूसरे टेस्ट के लिए खुद को फिट करने की कोशिश करने के लिए अगले 10 दिनों में उतनी ही मेहनत करूंगा।'

तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्से अपना टेस्ट डेब्यू करेंगे और इस साल इंग्लैंड के छठे टेस्ट डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बनेंगे जबकि तेज गेंदबाज ऑलराउंडर क्रिस वोक्स 2016 के बाद से एशिया में सबसे लंबे प्रारूप में अपना पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं। बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच जनवरी में हैदराबाद में भारत के खिलाफ टेस्ट के बाद पहली बार प्लेइंग इलेवन में वापसी कर रहे हैं और ऑफ स्पिनर शोएब बशीर के साथ स्पिन गेंदबाजी विभाग संभालेंगे। सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली भी वेस्टइंडीज पर 3-0 की सीरीज जीत के दौरान लगी उंगली की चोट से पूरी तरह से उबरकर वापस आ गए हैं, जबकि तेज गेंदबाज गस एटकिंसन जांघ की चोट से उबरकर अपना पहला विदेशी टेस्ट मैच खेलने के लिए फिट हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, जैक लीच और शोएब बशीर

कोको गॉफ चीन ओपन के फाइनल में पहुंची, अब ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता से सामना

बीजिंग। अमेरिका की कोको गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए शनिवार को पाउला बडोसा को 4-6, 6-4, 6-2 से हराकर चीन ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। यह लगातार तीसरा मैच है जब गॉफ ने एक सेट से पिछड़ने के बाद दमदार वापसी कर मैच को अपने नाम किया। डब्ल्यूटीए-1000 स्तर के इस टूर्नामेंट के फाइनल में छठी रैंकिंग वाली गॉफ के सामने रविवार को फाइनल में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग किनवेन या चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा की चुनौती होगी। यह 20 साल की खिलाड़ी 19वीं रैंकिंग पर काबिज बडोसा के खिलाफ शुरुआती सेट को गंवाने के बाद दूसरे सेट में 1-3 से पिछड़ रही थी। उन्होंने हालांकि इसके बाद शानदार वापसी कर मुकाबले को अपने नाम किया।

युवा खिलाड़ियों को आने वाले समय में सभी प्रारुपों के लिए टीम में अवसर देंग : मार्श

मैनचेस्टर। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने कहा है कि युवा खिलाड़ियों जेवियर बार्टलेट, आरोन हार्डी, कूपर कोनोली और जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने जिस प्रकार इंग्लैंड के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। उसे देखकर काफी खुशी हुई है। साथ ही कहा कि इस युवा खिलाड़ियों को आने वाले समय में सभी प्रारुपों के लिए टीम में अवसर मिलेगा। अनुभवी खिलाड़ियों के बाहर होने के कारण टी20 सीरीज में इन युवाओं को अवसर मिला था जिसमें इन्होंने अपने को साबित किया। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20आई सीरीज के दौरान एक नई अंतिम ग्यारह को उतरा था। ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुई। इमसें बार्टलेट, आरोन , कूपर और जेक फ्रेजर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने को साबित किया है। जेक फ्रेजर ने इससे पहले आईपीएल 2024 में भी शानदार प्रदर्शन किया था। मार्श ने कहा कि हर खिलाड़ी के पास अपनी क्षमता दिखाने का अवसर था जो उन्होंने दिखायी। फ्रेजर को स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने निराशाजनक प्रदर्शन के बादपहले टी20आई से बाहर कर दिया गया था। वह दूसरे टी20आई के लिए तीसरे नंबर पर टीम में लौटे और अपनी बल्लेबाजी से सभी का दिल जीता। फ्रेजर-मैकगर्क ने इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करते हुए 30 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। इस प्रकार वह पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20आई अर्धशतक बनाने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी है। मार्श ने कहा, हम सभी जानते हैं कि जेक फ्रेजर-मैकगर्क कितने शानदार खिलाड़ी हैं। हमने खिलाड़ियों को अलग-अलग भूमिकाएं दी हैं और यह रोमांचक रहा है। हमारे पास कुछ ऐसे खिलाड़ी है जो किसी न किसी स्तर पर वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए युवा खिलाड़ियों को खेलते देखना आश्चर्यजनक है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए खतरा बढ़ा : हैडिन

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर ब्रैड हैडिन ने कहा है कि भारतीय टीम पिछले कुछ समय में और भी बेहतर हो गयी है। ऐसे में वह बॉर्डर गावस्कर सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए खतरा बढ़ गया है। हैडिन के अनुसार जिस प्रकार भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ वर्षा प्रभावित मैच में आक्रामक रुख अपनाकर जीत हासिल की थी वैसा ही वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी कर सकती है। हैडिन ने कहा कि भारतीय टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाज ने तीन दिन में केवल एक सत्र का खेल होने के बाद भी मैच में जीत की उम्मीद नहीं छोड़ी और अंतिम दिन मुकाबला जीत कर दी दम लिया। हैडिन ने कहा कि उन्हें भारतीय टीम के खेलने का ये अंदाज पसंद आया। ये खेल के साथ ही टेस्ट क्रिकेट के भविष्य के लिए भी अच्छा है। हैडिन ने कहा कि उन्होंने मैच जीतने के लिए जोखिम उठाकर पूरे प्रयास किये। उनके बल्लेबाज बल्लेबाजी तेजी से अधिक से अधिक रन जुटाने का प्रयास कर रहे थे। उनका ध्यान बांग्लादेश को आउट करने के लिए जरूरी समय बचाने पर था। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम ने शानदार क्रिकेट खेला, यह टीम को जीत के लिए समय देने के बारे में था। मैं इस प्रदर्शन के लिए टीम का बधाई देता हूं। हैडिन ने कहा कि रोहित ऐसे खिलाड़ी है। उनके लिए जीत पहले है और बाकी चीजें बाद में आती है और भारतीय टीम ने उसी जज्बे के साथ खेला और अपने लिए टेस्ट मैच जीतने का अवसर बनाया। मुझे उनके क्रिकेट खेलने का यह तरीका पसंद आया है वहीं हैडिन से जब पूछा गया कि क्या भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी ऐसा कर सकता है तो उन्होंने कहा कि मेरा यही मानना है। भारतीय टीम को मैच हारने का डर नहीं है वह ड्रॉ नहीं बल्कि जीत चाहती है। यही टेस्ट जीतने का एक शानदार तरीका है।

ईरानी कप : दोहरे शतक बनाकर बोले सरफराज खान- एक मेरा, एक मेरे भाई का

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय घरेलू क्रिकेट के रन मशीन सरफराज खान ने सड़क दुर्घटना के कारण शेष भारत के खिलाफ ईरानी कप के मैच से अपने छोटे भाई मुशीर खान के बाहर होने के बाद वादा किया था कि वह इस मैच में दोहरा शतक लगाएंगे। सरफराज ने इस मैच में नाबाद 222 रन की पारी खेली जिससे मुंबई ने पहली पारी में 537 रन बनाए। शानदार लय में चल रहे मुशीर इस मैच में हिस्सा लेने के लिए अपने पिता नौशाद खान के साथ कार से लखनऊ आ रहे थे लेकिन उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

सरफराज ने तीसरे दिन के खेल के बाद वहां कहा कि हां, यह मेरे लिए एक भावनात्मक सप्ताह रहा है। मैंने अपने परिवार और साथियों से वादा किया था कि अगर मैं क्रीज पर थोड़ा समय बिताने में सफल रहा तो 200 का स्कोर बनाऊंगा। इसमें एक मेरे लिए और एक मेरे भाई के लिए। इस 26 साल के खिलाड़ी ने कहा कि अगर वह (मुशीर) इस मैच का हिस्सा होता तो अब्बू काफी गौरवान्वित होते। दुर्भाग्य से उसे दुर्घटना का सामना करना पड़ा। ऐसे में मैंने सोचा कि मैं इस मैच में दोहरा शतक लगाने की कोशिश करूंगा।

सरफराज ने कहा कि उन्होंने खुद से 7 साल छोटे अपने भाई से बात की है। सरफराज भारतीय टीम का हिस्सा है जबकि मुशीर भी इसके लिए दरवाजा खटखटा रहे हैं। मार्च में धर्मशाला टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाने वाले सरफराज ने कहा कि हां, मैंने उससे बात की। वह ठीक है लेकिन पूरी तरह से उबरने में दो-तीन महीने लगेंगे। सरफराज मुंबई के लिए ईरानी कप दोहरा शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रूडो ने कनाडा के हिंदुओं को दी नवरात्रि की बधाई, बोले ये हमारा भी त्यौहार

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने गुरुवार को नवरात्रि के पहले दिन कनाडा के हिंदुओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने एक बयान में कहा, आज रात, कनाडा और दुनिया भर में हिंदू समुदाय नवरात्रि के त्यौहार की शुरुआत का जश्न मनाएंगे। यह बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की जीत का जश्न है। साथ ही कहा कि जो लोग नवरात्रि मना रहे हैं, उनके लिए अगली नौ रातें परिवार और दोस्त प्रार्थना, संगीत और प्रियजनों के साथ समय बिताने की होगी। कनाडाई हिंदू लोगों को कनाडा का अभिन्न अंग बताते हुए, ट्रूडो ने कहा: नवरात्रि की तरह उनके त्योहार और उत्सव भी हमारे त्योहार हैं। कनाडाई हिंदू जिस खुशी, उत्सव और विविधता का उदाहरण देते हैं, वह हमें एक देश के रूप में मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा, कनाडा सरकार की ओर से, मैं नवरात्रि मनाने वाले सभी लोगों को खुशी और समृद्धि की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। कनाडा में हिंदू धर्म तीसरा सबसे बड़ा धर्म है। 2021 की जनगणना के अनुसार देश की कुल आबादी का लगभग 2.3 प्रतिशत हिंदू है। कनाडा उन देशों में से एक है जहां प्रवासी भारतीय की संख्या अच्छी खासी है। जो वहां की कुल आबादी का लगभग 4 फीसदी हिस्सा है।

बांग्लादेश में अब दुर्गा पूजा पर लगा ग्रहण, धमकियों के बाद रद्द किए जा रहे आयोजन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद वहां रहने वाले हिंदुओं को काफी उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। दुर्गा पूजा के दौरान भी यह थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसकी गूंज अमेरिका तक में सुनाई देने लगी है। हालांकि, बांग्लादेश की सरकार ने दुर्गा पूजा से पहले अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करने का फैसला किया है। लेकिन इस बात पर अभी भी संदेह है कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बावजूद बंगाली भाषी हिंदू समुदाय इस साल अपना सबसे बड़ा त्योहार मना पाएगा या नहीं। हिंदू समुदाय के नेताओं ने अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। कुछ बंगाली हिंदू इस साल नवरात्रि उत्सव रद्द करने पर विचार कर रहे हैं। दुर्गा पूजा के खिलाफ सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो भी डाले जा रहे हैं। हालांकि उन वीडियो की अभी तक पुष्टि नहीं की जा सकी है। खुलना के डाकोप में कई मंदिरों को कथित तौर पर गुमनाम पत्र मिले, जिसमें धमकी दी गई है। उन्हें कहा गया है कि जब तक प्रत्येक मंदिरों से 5 लाख टका रंगदारी के तौर पर नहीं मिल जाते हैं, तब तक उन्हें दुर्गा पूजा मनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बांग्लादेशी अखबार डेली स्टार ने डाकोप के कमरखोला सर्वजनिन दुर्गा पूजा उत्सव समिति के अध्यक्ष शेखर चंद्र गोल्डर के हवाले से कहा, हमारे सदस्य अब इसमें रुचि नहीं रखते हैं। इस साल हमें पूजा रोकनी होगी। विभिन्न पूजा उत्सव समितियों के नेताओं को दिए गए पत्रों में यह भी कहा गया है कि अनुपालन न करने पर गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। शुक्रवार को चार मंदिरों के प्रतिनिधियों ने डाकोप पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज कराया। डेली स्टार ने प्रभारी अधिकारी सिराजुल इस्लाम के हवाले से कहा, हम मामले की जांच कर रहे हैं। हम सेना की टीम के साथ नियमित रूप से गश्त कर रहे हैं।

हैती में गिरोह के हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत, 50 लोग घायल : अधिकारी

पोंट सोनडे, एजेंसी। हारेस और अन्य लोगों ने निकट के तटीय शहर सेंट-मार्क की पुलिस की आलोचना की और कहा कि उसने पोंट-सोनडे में हमले के दौरान लोगों की मदद करने के वास्ते कोई कदम नहीं उठाया। अफ्रीकी देश हैती के पोंट सोनडे शहर में एक गिरोह के लोगों ने बृहस्पतिवार को तड़के हमला किया जिसमें बच्चों सहित 20 से अधिक लोग मारे गए और 50 लोग घायल हो गए। एक मानवाधिकार संगठन ने यह जानकारी दी। वार्ता, सुलह एवं जागरुकता आयोग की प्रवक्ता बेटाइड हारेस ने बताया कि ग्रान ग्रिफ गिरोह के लोगों ने पोंट-सोनडे शहर में हमला किया और घरों और कारों को आग लगा दी जिसमें कम से कम 20 लोग मारे गए और 50 लोग घायल हो गए। उन्होंने 'रेडियो किस्केया' से कहा, '' बहुत से लोग इलाका छोड़कर भाग गए।'' सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में लोगों का एक समूह झाड़ियों के बीच से भागता हुआ दिखाई दे रहा है, जिसमें एक महिला की सांस फूल रही थी और वह कह रही है, '' कहां जाए''। एक अन्य वीडियो में गिरोह के लोगों के आने की बात सुनकर बड़ी संख्या में लोग सड़क पर भागते दिखाई दे रहे हैं। हारेस और अन्य लोगों ने निकट के तटीय शहर सेंट-मार्क की पुलिस की आलोचना की और कहा कि उसने पोंट-सोनडे में हमले के दौरान लोगों की मदद करने के वास्ते कोई कदम नहीं उठाया। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरोह में लगभग 100 सदस्य हैं और उन पर हत्या, बलात्कार, डकैती और अपहरण जैसे अपराधों का आरोप है।

इजरायल ने नसरुल्लाह के उत्तराधिकारी सफीद्दीन को बनाया निशाना

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल और ईरान के बीच लगातार युद्ध जारी है. इजरायली सेना आईडीएफ हिजबुल्लाह के आतंकियों को चुन-चुनकर निशाना बना रहा है. कुछ दिनों पहले इजरायल ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरुल्लाह को मार गिराया. वहीं, अब जानकारी मिली है कि नसरुल्लाह के उत्तराधिकारी माने जाने वाले सफीद्दीन को भी मार गिराया गया है. इजरायली मीडिया ने इस बात की जानकारी दी है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. जानकारी के मुताबिक संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2017 में सफीद्दीन को आतंकवादी घोषित किया था. अमेरिका ने कहा कि यह हिजबुल्लाह के राजनीतिक मामलों में इसकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है. बता दें, सफीद्दीन की गिनती टॉप तीन नेताओं में होती थी. ऐसा पता चला है कि हाशिम सफीद्दीन लगातार हमलों से बचने के लिए भागा-भागा घूम रहा है. हाशिम सफीद्दीन खुद को पैगंबर मोहम्मद का वंशज बताता है. अमेरिका ने इसे आतंकवादी घोषित इसलिए किया क्योंकि इसने इजरायल के खिलाफ बड़ी जंग शुरू की थी, जब हिजबुल्लाह के एक सीनियर कमांडर को मौत के घाट उतार दिया गया था. सफीद्दीन को हमेशा से ही नसरुल्लाह का उत्तराधिकारी माना गया. सफीद्दीन हिजबुल्लाह की सबसे बड़ी संस्था शूरा परिषद के छह मौलवियों में से एक है. इजरायल ने अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं कि किसी भी कीमत पर हिजबुल्लाह के आतंकी बचेंगे नहीं. वह इस युद्ध को अंजाम देकर ही मानेगा. अलजजीरा के मुताबिक इजराइली सेना ने जमीन के नीचे बने बंकर पर 11 मिसाइलें दागीं। यहां पर हिजबुल्लाह के टॉप अधिकारी बैठक कर रहे थे। इसमें सैफिद्दीन के भी शामिल होने वाला था। सैफिद्दीन वहां पहुंचा था या नहीं, इसकी जानकारी नहीं मिली है। इस हमले में कितने लोग मारे गए हैं, यह भी पता नहीं चला है। इजराइल डिफेंस फोर्स या फिर हिजबुल्लाह ने सैफिद्दीन के मारे जाने को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। सैफिद्दीन 1982 से ही हिजबुल्लाह से जुड़ा हुआ था। पिछले सप्ताह नसरल्लाह के मारे जाने के बाद उसके हिजबुल्लाह चीफ बनाए जाने की चर्चा थी। वह रिश्ते में नसरल्लाह का ममेरा भाई है। सैफिद्दीन, हसन नसरल्लाह की तरह ही काली पगड़ी बांधता है। अमेरिका ने उसे 2017 में आतंकवादी घोषित किया था। वह हिजबुल्लाह के राजनीतिक मामलों को देखता है। इसके अलावा वह जिहाद काउंसिल का चेयरमैन भी है, जो संगठन के मिलिट्री ऑपरेशंस की प्लानिंग करती है। हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 24 घंटे में 230 मिसाइल हमले किए।आईडीएफ ने कहा कि हिजबुल्लाह ने गुरुवार को इजराइल पर करीब 230 मिसाइल हमले किए। इसमें इजराइल को कोई नुकसान नहीं हुआ है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक हिजबुल्लाह ने पिछले 1 घंटे में 20 से ज्यादा मिसाइल दागी हैं। वेस्ट बैंक पर इजराइल का हमला, 18 की मौत इजराइल ने वेस्ट बैंक के तुल्कर्म शहर में शरणार्थी शिविर पर हवाई हमले किए। इसमें 18 लोगों की मौत हो गई, वहीं कई घायल हुए हैं। न्यूज एजेंसी एएफपीके मुताबिक ये हमले एफ-16 फाइटर जेट से किए गए। लेबनान में 28 हेल्थ वर्कर्स की मौत विश्व स्वास्थ्य संगठन मुताबिक लेबनान में गुरुवार को 28 हेल्थ वर्कर्स मारे गए हैं। डब्ल्यूएचओ डायरेक्टर जनरल टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कहा कि साउथ लेबनान में हेल्थ केयर पर अटैक हो रहे हैं। अब तक 37 हेल्थ फैसिलिटीज बंद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि बेरूत एयरपोर्ट बंद हो जाने से मेडिकल सप्लाई पर भी असर पड़ा है। घेब्रेयसस ने कहा कि अभी कई हॉस्पिटल काम कर रहे हैं लेकिन लगातार हमले होने की वजह से वे बंद हो सकते हैं। लेबनान के हेल्थ मिनिस्टर ने कहा कि पिछले 3 दिनों में 40 एम्बुलेंस और फायरफाइटर्स मारे गए हैं। गाजा में इजराइली हमले में एक दिन में 99 लोगों की मौत गाजा की हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक इजराइली हमले में गुरुवार को 99 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 169 लोग घायल हुए। गाजा में 7 अक्टूबर से अब तक कुल मरने वालों की संख्या 41,788 हो गई है।

वह अमेरिका का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त नहीं, पूर्व रिपब्लिकन सांसद ने की ट्रंप की आलोचना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अगले महीने राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही उम्मीदवार जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस बीच रिपब्लिकन की पूर्व सांसद लिज चेनी ने ट्रंप को उपयुक्त नहीं बताया। दरअसल, लिज चेनी और कमला हैरिस एकसाथ प्रचार करते हुए मतदाताओं से देश को पार्टी से ऊपर रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त नहीं है। बता दें कि चेनी के पिता डिक चेनी पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल के दौरान उपराष्ट्रपति थे। इराक युद्ध के बचाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी आज भी उनकी निनंदा करती है। दोनों को प्रमुख रिपब्लिकन माना जाता है। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव के लिए कमला हैरिस का समर्थन किया था। दोनों ने ट्रंप की तीखी आलोचना की।

हैरिस को मिला चेनी का समर्थन : प्रचार के दौरान लिज चेनी ने मजाक में कहा, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा स्प्रे टैनिंग करने से पहले भी मैं एक रिपब्लिकन थी। उन्होंने आगे कहा, मैं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को अपना वोट दे रही हूं। उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस रिपब्लिकन और मध्यमार्गी मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही हैं, ऐसे में लिज चेनी का यह बयान उनके लिए मददगार साबित हो सकता है। चुनाव जीतने के लिए हैरिस को रिपब्लिकन और निर्दलीय लोगों पर जीत हासिल करने की जरूरत है। चेनी प्रतिनिधि सभा की शीर्ष रिपब्लिकन थीं, जिन्होंने छह जनवरी को हुए दंगे की जांच की थी। इसके कारण ट्रंप को नाराजगी का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, हमारा रिपब्लिक चेहरा एक ऐसे खतरे का सामना कर रहा है।

इजराइल-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

बेरूत, एजेंसी। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक कच्चे तेल के बाजार पर गंभीर असर डाला है। पिछले कुछ दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में 5त्न की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसका एक प्रमुख कारण अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का बयान है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका और इसराइल ईरान के तेल ठिकानों पर संभावित हमले पर चर्चा कर रहे थे। जब राष्ट्रपति बाइडन से पूछा गया कि क्या वे इजराइल को इस हमले से रोकने का सुझाव दे रहे हैं, तो उन्होंने इस विषय पर सार्वजनिक चर्चा से बचते हुए कहा, मुझे पता है कि इस पर सार्वजनिक तौर पर चर्चा नहीं करनी है। इससे स्पष्ट है कि मामला बेहद संवेदनशील है और इसे खुलकर उजागर करना राजनीतिक और रणनीतिक रूप से खतरनाक हो सकता है। तेल की कीमतों में उछाल से पहले ही कई देशों को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ रहा था, और इस ताजा तनाव ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। बाइडन ने यह भी उल्लेख किया कि प्राकृतिक आपदाएं, जैसे कि हरिकेन, भी कीमतों में उछाल का कारण बन सकती हैं। वर्तमान में अमेरिका के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में हरिकेन हेलेन ने तबाही मचा दी है, जिसमें 200 से अधिक लोगों की जान चली गई है। यह आपदा वैश्विक तेल बाजार में अनिश्चितता को और बढ़ा सकती है, खासकर ऐसे समय में जब पहले से ही राजनीतिक संघर्ष की वजह से तेल की आपूर्ति पर सवाल उठ रहे हैं।

अमेरिका के आसमान में दिखा विशालकाय पोस्टर, बांग्लादेश के हिंदुओं पर हमले को लेकर विरोध

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क के आसमानों में गुरुवार को एक अजीबो-गरीब नजारा देखने को मिला। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा की खबरों के बीच लोगों ने विरोध के लिए एक अनोखी तरकीब निकाली। अमेरिका के हिंदुओं के समूहों ने न्यूयॉर्क में एक विशालकाय एयरलाइन बैनर फहराया। इस बैनर में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए वैश्विक समुदाय से जल्द से जल्द कार्रवाई करने की अपील की गई थी। यह बैनर हडसन नदी के ऊपर फहराया गया और इसने स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के चारों ओर चक्कर भी लगाया। गौरतलब है कि 2022 में अमेरिकी कांग्रेस के रिजॉल्यूशन के मुताबिक बांग्लादेश में 1971 के नरसंहार के दौरान 2.8 मिलियन लोगों की मौत हुई थी और कम से कम 2 लाख हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ था। तब से बांग्लादेश की हिंदू आबादी 1971 में 20 प्रतिशत से घटकर आज केवल 8.9 प्रतिशत रह गई है। हिंसा, लिंचिंग, नाबालिग लड़कियों के अपहरण, और जबरन नौकरी से इस्तीफा देने की हालिया घटनाओं के बीच लगभग 2 लाख से अधिक हिंदू प्रभावित हुए हैं। साथ ही उनकी संपत्ति भी जब्त की गई है। यह देश में रहने वाले 13 से 15 मिलियन हिंदुओं के लिए एक गंभीर खतरा है। 5 अगस्त 2024 से हिंदुओं पर लगभग 250 हमले और 1,000 से अधिक ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। बांग्लादेश हिंदू समुदाय के सीतांगशु गुहा और बैनर के इस कार्यक्रम आयोजकों में से एक ने इस खतरे के बारे में बात करते हुए कहा, बांग्लादेश में हिंदू खत्म होने के कगार पर है। उम्मीद है कि इससे दुनिया में जागरूकता बढ़ेगी और संयुक्त राष्ट्र बांग्लादेश में उग्रवादी इस्लामी ताकतों के पीड़ितों को बचाने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रेरित होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर बांग्लादेश हिंदू मुक्त हो जाता है तो यह अफ़ग़ानिस्तान 2.0 बन जाएगा और आतंकवादी पड़ोसी भारत और पश्चिम सहित दुनिया के अन्य हिस्सों में फैल जाएंगे। यह समस्या सबके लिए है। अमेरिका के न्यू जर्सी में श्री गीता संघ के संस्थापक सुरजीत चौधरी ने बांग्लादेश सरकार से हिंदू समुदाय के खिलाफ सभी हिंसा को रोकने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से राजनीतिक मतभेदों को दूर करने का आग्रह किया। मानवीय संस्थाएं बांग्लादेश में बिगड़ती स्थितियों पर बारीकी से नजर रख रही हैं। उन्हें डर है कि बढ़ती हिंसा बड़े पैमाने पर नरसंहार का कारण बन सकती है। जब तक कि हिंसा बंद नहीं हो जाती और अपराधियों को सजा नहीं मिलती अमेरिकियों से बांग्लादेशी कपड़ों का बहिष्कार करने की भी अपील की जा रही है जो देश की निर्यात आय का 85 प्रतिशत हिस्सा है। बांग्लादेशी कपड़ों के प्रमुख खरीदारों में शामिल वॉलमार्ट, एचएंडएम, गैप इंक., टारगेट, पीवीएच कॉर्प और वीएफ कॉरपोरेशन के अधिकारियों से बांग्लादेश से शिपमेंट रोकने की अपील की गई है।

चुनाव से पहले ट्रंप के खिलाफ पत्नी मेलानिया ने ही खोला मोर्चा, गर्भपात के अधिकारों को दिया समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने अपने पति और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विपरीत जाकर गर्भपात के कानूनों को अपना समर्थन दिया है। मेलानिया ट्रंप ने कहा कि, उनका मानना है कि जब किसी महिला की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बात आती है तो समझौते की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। अमेरिका में अगले महीने चुनाव होने हैं, ऐसे में मेलानिया का ये बयान काफी अहम माना जा रहा है।

गर्भपात के अधिकारों का समर्थन : सीएनएन की खबर के मुताबिक, मेलानिया ट्रंप ने गुरुवार को पोस्ट किए गए एक नए वीडियो में कहा कि, उनका मानना है कि जब किसी महिला की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बात आती है, तो समझौते की कोई गुंजाइश नहीं होती है। मेलानिया ने कहा है कि वह सरकार के किसी भी हस्तक्षेप या दबाव के बिना गर्भपात के अधिकारों का समर्थन करती हैं। मेलानिया ट्रंप ने ने हाल ही में एक किताब प्रकाशित हुई है। जिसमें मेलानिया ने इस मद्दे पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने किताब में लिखा कि, महिला के अलावा किसी और को यह तय करने का अधिकार क्यों होना चाहिए कि वह अपने शरीर के साथ क्या करती है? व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार एक महिला को उसके अपने जीवन के लिए और उसे अपनी गर्भावस्था को समाप्त करने का अधिकार देता है। यह किताब 8 अक्टूबर को पब्लिश होने वाली है।

किताब में कई खुलासे : यह किताब ऐसे समय में पब्लिश हो रही है, जब चुनावों में एक महीने से भी कम का समय बचा है। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, मेलानिया ने कहा कि, किसी महिला के अवांछित गर्भ को समाप्त करने या न करने के अधिकार को प्रतिबंधित करना, उसके अपने शरीर पर नियंत्रण को लेने के जैसा है। मेलानिया ने आगे कहा कि, यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि महिलाओं को सरकार के किसी भी हस्तक्षेप या दबाव से मुक्त होकर बच्चे पैदा करने की अपनी पसंद का निर्णय लेने की आजादी होनी चाहिए। मेलानिया ने अपने पति डोनाल्ड ट्रंप की आव्रजन नीतियों पर भी असहमति जताई है। गर्भपात के अधिकारों के खिलाफ हैं ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति ने कहा था कि अगर वह फिर से चुने जाते हैं तो वे संघीय गर्भपात प्रतिबंध को वीटो कर देंगे। इस पर कानून बनाने का अधिकार राज्यों को दे देंगे। प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान ट्रंप ने कहा था कि डेमोक्रेटिक पार्टी प्रेग्नेंसी के 9वें महीने में अबॉर्शन का अधिकार देना चाहती है। इस पर कमला हैरिस ने कहा कि ट्रंप नहीं बता सकते कि महिलाओं को अपने शरीर के साथ क्या करना चाहिए। बता दें कि, दो साल पहले तक अमेरिका में अबॉर्शन को लेकर एक जैसे कानून थे। यहां अबॉर्शन का अधिकार दिया गया था।

उ. कोरिया के नेता किम ने दक्षिण कोरिया को दी परमाणु हमले की धमकी

प्योंगयाग, एजेंसी। किम ने कहा, ''अगर ऐसी स्थिति आती है तो दक्षिण कोरिया का अस्तित्व मिट जाएगा।'' किम का यह बयान दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल के मंगलवार को अपने देश के सशस्त्र सेना दिवस पर दिए गए भाषण का जवाब था। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने धमकी दी है कि अगर उत्तर कोरिया को उकसाया गया तो वह परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर दक्षिण कोरिया का समूल नाश कर देगा। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दरअसल दक्षिण कोरिया के नेता ने चेतावनी दी थी कि अगर किम ने परमाणु हथियारों का उपयोग करने का प्रयास किया तो उनके शासन का खात्मा कर दिया जाएगा और इसके जवाब में किम ने दक्षिण कोरिया को यह चेतावनी दी है। दोनों देशों के नेताओं के बीच इस तरह ही बयानबाजी नयी नहीं है लेकिन उनकी ये हालिया टिप्पणी उत्तर कोरिया द्वारा हाल में परमाणु केंद्र के खुलासे और मिसाइल परीक्षणों को जारी रखने के कारण बढ़े तनाव के बीच आई है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार समिति 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) के अनुसार, किम ने बुधवार को विशेष अभियान बल की एक इकाई के दौरे के वक्त कहा कि अगर दक्षिण कोरिया उसकी संप्रभुता का अतिक्रमण करने के लिए सशस्त्र बलों का उपयोग करने का प्रयास करता है तो उनकी सेना ''बिना किसी हिचकिचाहट के अपने पास मौजूद परमाणु हथियार सहित सभी आक्रामक हथियारों का इस्तेमाल करेगी।'' किम ने कहा, ''अगर ऐसी स्थिति आती है तो दक्षिण कोरिया का अस्तित्व मिट जाएगा।'' किम का यह बयान दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल के मंगलवार को अपने देश के सशस्त्र सेना दिवस पर दिए गए भाषण का जवाब था। उत्तर कोरिया को निशाना बनाने में सक्षम दक्षिण कोरिया की सबसे शक्तिशाली ह्यूनमू-5 बैलेस्टिक मिसाइल और अन्य पारंपरिक हथियारों का अनावरण करते हुए यून ने कहा कि जिस दिन उनका पड़ोसी देश परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश करेगा, उस दिन किम सरकार का अंत हो जाएगा क्योंकि किम को दक्षिण कोरियाई-अमेरिकी गठबंधन के ''दृढ़ और भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा।

पोलैंड ने कड़े किए शराब बिक्री के नियम, लगाई पाबंदियां?

वारसॉ, एजेंसी। मध्य यूरोप का एक देश पोलैंड की सरकार ने हाल ही में शराब की बिक्री पर कड़े नियम लागू करने की घोषणा की है। इसका मकसद कम उम्र के बच्चों को शराब से बचाना और रात में पेट्रोल पंपों पर शराब की बिक्री को नियंत्रित करना है। यह कदम देश में शराब के नशे में ड्राइविंग से होने वाली दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए उठाया गया है। वर्तमान में, पोलैंड में 18 वर्ष से कम आयु के लोगों को शराब बेचना गैरकानूनी है, जिसके लिए जुर्माना या एक महीने तक की हिरासत की सजा हो सकती है। हालांकि, विक्रेताओं को खरीदारों की उम्र सत्यापित करने की आवश्यकता नहीं होती है।

शराब की बिक्री पर नए नियम : आयु सत्यापन अनिवार्य: वर्तमान में, पोलैंड में 18 साल से कम उम्र के लोगों को शराब बेचना अवैध है। नए नियमों के तहत विक्रेताओं को खरीदारों की उम्र की जांच करना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई नाबालिग शराब न खरीद सके। अगर कोई विक्रेता नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसे जुर्माने या एक महीने तक की जेल हो सकती है। पेट्रोल पंपों पर रात में बिक्री पर प्रतिबंध: रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक पेट्रोल पंपों पर शराब की बिक्री प्रतिबंधित कर दी गई है। इस नियम का उद्देश्य 24 घंटे शराब की उपलब्धता को सीमित करना है, जिससे युवाओं तक इसकी पहुंच कम हो सके।

बच्चों के लिए हानिकारक उत्पादों पर कार्रवाई : हाल ही में बच्चों के स्नैक्स जैसी दिखने वाली शराब से भरी थैलियों पर भी बहस हुई थी। इन थैलियों को लेकर चिंताएं बढ़ीं, जिसके बाद उत्पाद के निर्माता ने माफी मांगी और इन्हें बाजार से हटाने पर सहमति दी। पोलैंड के स्वास्थ्य मंत्री इजाबेला लेस्निचन ने पुष्टि की कि इस मामले को तुरंत हल करने के लिए नए नियमों पर तेजी से काम किया जा रहा है।

हर साल शराब से पोलैंड राजस्व में होता है इजाफा : पोलैंड वोदका और बीयर उत्पादन के लिए जाना जाता है और हर साल शराब टैक्स से लगभग 13 बिलियन ज्लोटी (रू 3.3 बिलियन) का राजस्व कमाता है। हालांकि, यह आर्थिक रूप से फायदेमंद है, विशेषज्ञों का मानना है कि शराब से संबंधित समयपूर्व मौतों, अनुपस्थिति, और दुर्घटनाओं के कारण होने वाले नुकसान इस राजस्व से कहीं अधिक है। पोलैंड की आबादी लगभग 38 मिलियन है, और औसत वार्षिक शराब खपत प्रति व्यक्ति लगभग 9.5 लीटर (20 पिन्ट) है, जो यूरोप में सबसे अधिक है। इस उच्च खपत को देखते हुए सरकार का यह कदम बेहद महत्वपूर्ण है। पोलैंड सरकार द्वारा उठाए गए ये नए कदम युवाओं की सुरक्षा और शराब के दुरुपयोग को नियंत्रित करने के लिए बेहद आवश्यक हैं। सरकार इन नियमों के जरिए शराब से होने वाली दुर्घटनाओं और अन्य नकारात्मक प्रभावों को कम करने की कोशिश कर रही है। जैसे-जैसे नए नियम लागू होते हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह संतुलन कैसे स्थापित किया जाता है, जहां एक तरफ आर्थिक हित है और दूसरी ओर जनता की सुरक्षा और स्वास्थ्य।

भाजपा मेरे स्वागत को उतावली है, लेकिन हम हरियाणा में सभी सीटे जीत रहे हैं: सैलजा

हिसार (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सैलजा ने एक तरफ कांग्रेस की जीत का दावा किया है और दूसरी तरफ उन्होंने यह कहकर सियासत गरमा दी है कि भाजपा उनके स्वागत के लिए उतावली है। अब लोग उसके मायने निकाल रहे हैं। चर्चा ये होने लगी है कि वे दबाव बनाने की राजनीति है कि, कांग्रेस ने सीएम नहीं बनाया तो उनके लिए दूसरे विकल्प भी खुले हैं। हालांकि ये सिर्फ चर्चाएं है जिन पर लगाम नहीं लगाई जा सकती है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा ने शनिवार को हिसार के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। मतदान करने के बाद पोलिंग बूथ के बाहर मीडिया कर्मियों से बातचीत में उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस ?हरियाणा में सरकार बनाने जा रही है। यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस जीती तो हरियाणा में मुख्यमंत्री कौन होगा, कुमारी सैलजा ने कहा कि इसका फैसला आलाकमान करेगा। हरियाणा के पूर्व सीएम और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की ओर से बीजेपी में शामिल होने का ऑफर मिलने पर कुमारी सैलजा ने कहा, बीजेपी मेरा स्वागत इसलिए करना चाहती है, क्योंकि वह हरियाणा में बहुत कमजोर है।

वह मजबूत नेताओं को अपने साथ लाने के लिए कुछ भी करेगी। कुमारी सैलजा से पत्रकारों ने पूछा कि कांग्रेस हरियाणा में कितनी सीटें जीतेगी, तो उन्होंने कहा कि हम सभी 90 सीटें जीतेंगे। उन्होंने 3 अक्टूबर को दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व से मुलाकात की। ऐसी खबरें आई कि वह हरियाणा में भूपेंद्र हुड्डा गुट द्वारा पार्टी मामलों को जिस तरह संभाला गया, उससे नाराज थीं।कुमारी सैलजा ने कहा कि यह चुनाव हरियाणा की किस्मत बदलने वाला होगा। हालांकि यह एकतरफा मुकाबला है। कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है और जनता की ओर से भी यह संकेत मिल रहा है। एक दिन पहले बातचीत में कुमारी सैलजा ने कहा था, आलाकमान मुख्यमंत्री के लिए कुछ नेताओं के नाम पर विचार कर रहा होगा। मुझे लगता है कि सैलजा भी उनमें से होंगी। निर्णय लेते समय पार्टी नेतृत्व वरिष्ठता और पार्टी के लिए किए गए काम जैसे कारकों को ध्यान में रखेगा।कुमारी सैलजा ने कहा कि पार्टी के प्रति मेरी प्रतिबद्धता कभी सवालों के घेरे में नहीं रही। मुझे विश्वास है कि आलाकमान पार्टी के लिए मेरे काम को कभी नजरअंदाज करेगा। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा हरियाणा में कैम्पेन के दौरान पार्टी के कार्यक्रमों में काफी हद तक अनुपस्थित रहीं और इसके बजाय वह अपने लोकसभा क्षेत्र में सक्रिय देखी गईं।

5600 करोड़ ड्रग्स मामला : वीरेंद्र बसोया के खिलाफ लुकआउट नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली में 5600 करोड़ रुपये के ड्रग्स रैकेट का भंडाफोड़ करने के बाद पुलिस ने मामले के मास्टरमाइंड वीरेंद्र बसोया के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया है। बसोया विदेश में बैठकर ड्रग्स का कारोबार चला रहा है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी गैंग का भंडाफोड़ कर 562 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की खेप पकड़ी थी। जांच के दौरान पता चला है कि कोकीन की खेप बसोया ने भेजी थी। मामले में एक अन्य आरोपी तुषार गोयल को गिरफ्तार किया है, जो बसोया का करीबी बताया जा रहा है। पुणे पुलिस ने 2023 में 3000 करोड़ रुपये की ड्रग्स पकड़ी थी, तब भी बसोया का नाम आया था। लेकिन इस बार बसोया का नाम एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट के मुख्य किरदार के रूप में सामने आया है। दिल्ली पुलिस अब उसकी तलाश में जुट गई है, ताकि बसोया को कानून के दायरे में लाया जा सके और इस बड़े नेटवर्क के अन्य सदस्यों का भी पता लगाया जा सके। बता दें कि मामले में तुषार गोयल को पुलिस ने पकड़ा है। तुषार 2022 तक दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के आरटीआई सेल का चेयरमैन रहा है। गोयल की कांग्रेस से जुड़ी पृष्ठभूमि और ड्रग्स सिंडिकेट से जुड़े तार ने इस मामले को संवेदनशील बनाते है। स्पेशल सेल की पूछताछ में गोयल ने बताया कि वह कांग्रेस के आरटीआई सेल का प्रमुख था। आरोपी गोयल ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर आरटीआई सेल चेयरमैन, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस लिखा हुआ है। गोयल ने डिग्गी गोयल के नाम से भी एक प्रोफाइल बनाई हुई है। जांच के दौरान, कई कांग्रेस नेताओं के साथ गोयल की फोटो भी सामने आई है।

भायली में नाबालिग लड़की से गैंगरेप, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

वडोदरा । नवरात्रि के पावन पर्व पर वडोदरा से गैंगरेप की घटना सामने आई है। वडोदरा के भायली में अपने दोस्त के साथ बैठी एक नाबालिग लड़की के साथ दो अज्ञात शख्सों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना के वक्त आरोपियों का तीसरा साथी ने पीड़ित लड़की के दोस्त को पकड़ रखा था। शिकायत मिलते ही हरकत में आई पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा में नाबालिग पीड़िता रात करीब साढ़े ग्यारह बजे अपनी दोस्त से मिली और उसके साथ स्कूटी पर बैठ कर भायली स्थित आशापुरा मंदिर चले गए। रात 12 बजे दो बाइक पर पांच लोग वहां पहुंचे इन दोनों के पास पहुंच गए और पीड़ित लड़की के साथ से अभद्र भाषा में बात की। जब दोनों ने इसका विरोध किया तो एक शख्स ने पीड़िता के दोस्त को पकड़ लिया और दो शख्सों ने लड़की के साथ दुष्कर्म किया। जबकि अन्य बाइक सवार अन्य दो लोग घटना से पहले ही वहांसे चले गए थे। कुछ देर बाद स्थिति ठीक होने पर पीड़िता ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सबूत जुटाए। पुलिस के मुताबिक पीड़िता गरबा नहीं खेलती थी और ना ही उसने पारंपरिक गरबा ड्रेस भी पहनी थी। सुबह 4 बजे थाने में पीड़िता की काउंसिलिंग की। पीड़िता के मुताबिक वह बचपन के दोस्त से मिलने और बात करने गई थी। दोनों लोग रोड डिवाइडर पर बैठक बात कर रहे थे। तभी दो बाइक सवार पांच लोग उनके पास पहुंचे और अभद्र भाषा में बातचीत करने लगे। आरोपी हिन्दी और गुजराती दोनों भाषा में बात कर रहे थे7 इस घटना में पांच में से दो लोग पहले ही वहां से चले गए थे। फिलहाल इस मामले में फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए वडोदरा ग्रामीण और शहर पुलिस की विभिन्न शाखाओं द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

प्रिंसिपल को आया ईमेल, आज स्कूल उड़ा देंगे, पुलिस जांच में जुटी

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना के एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और जांच शुरु कर दी है। सूत्रों के मुताबिक स्कूल प्रिंसिपल को यह धमकी भरा मैसेज ईमेल के जरिए मिला जिसमें कहा गया था कि उनके स्कूल को पांच अक्टूबर को बम से उड़ा दिया जाएगा। जिस मोबाइल नंबर से ईमेल भेजा गया, वह बिहार का है। पुलिस अधिकारी फिल्हाल इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे है लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह किसी की शरारत है। वहीं लुधियाना सिटी पुलिस की टीम ने एक 15 साल के नाबालिग को हिरासत में लिया है क्योंकि जिस नंबर से उक्त ईमेल एड्रेस जनरेट हुआ था, उक्त नंबर ऑन था जिसके आधार पर पुलिस ने उक्त नाबालिग को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ के बाद आगे की जानकारी मिल सकेगी।

इंडिगो की बुकिंग सिस्टम में खराबी... यात्री हो रहे परेशान कई की फ्लाइट छूटी

नई दिल्ली। देशभर में एयरलाइन कंपनी इंडिगो की बुकिंग सिस्टम में खराबी आ गई, इसके बाद इंडिगो की उड़ान और ग्राउंड सेवाएं प्रभावित हुई हैं। बताया जा रहा है कि इंडिया में आई तकनीकी खराबी के कारण कई यात्री एयरपोर्ट पर फंसे रहे और अपनी फ्लाइट नहीं पकड़ सके। यही नहीं, कई यात्रियों को बुकिंग करने में भी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। इंडिगो ने अपने एक्स अकाउंट के द्वारा सेवाएं प्रभावित होने की जानकारी दी। इंडिगो ने कहा, हम वर्तमान में अपने नेटवर्क में अस्थायी रूप से सिस्टम स्लोडाउन का सामना कर रहे हैं, इससे हमारी वेबसाइट और बुकिंग सिस्टम प्रभावित हो रहा है। हमारे ग्राहकों को वेटिंग समय में वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है, जिसमें धीमी चेक-इन और हवाई अड्डे पर लंबी कतारें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हमारी एयरपोर्ट टीम हर किसी की सहायता करने और एक सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। आश्वस्त रहें, हम जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। इंडिगो ने कहा, हम इस दौरान यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते है आपकी समझदारी और धैर्य के लिए हम आपकी सराहना करते है। वहीं, इंडिगो में आई तकनीकी खराब के बाद सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने प्रतिक्रियाएं दी।

कंगना को जस्सी की चेतावनी... सारा काला चिट्ठा खोल दूंगा

मुंबई ।अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत अपने विवादित बयानों के चलते हमेशा सुर्खियों में बनी रहती है। अब पंजाबी सिंगर जसबीर जस्सी ने कंगना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है, जिन्होंने उन्हे पंजाब के बारे में नकारात्मक टिप्पणियां करने से रोकने के लिए चेतावनी दी है। जस्सी, जो दिल ले गई कुड़ी और लौंग दा लश्कारा जैसे हिट गानों के लिए मशहूर है, ने कंगना को खुली धमकी देकर कहा कि यदि वे पंजाब के बारे में बुरा बोलना जारी रखेंगी, तब वह उन्हें बेनकाब कर दूंगा। जस्सी ने कहा, कंगना को यह समझना होगा कि पंजाब को निशाना बनाना बंद करें। इसके पहले कि बहुत देर हो जाए, उन्हें ऐसा करना बंद करना चाहिए। मैं यह कहने के लिए मजबूर हूं क्योंकि वह लगातार पंजाब को टारगेट कर रही है। उन्होंने कंगना से जुड़ी एक घटना का जिक्र कर बताया कि एक बार वे दिल्ली में उनकी कार में उनके और एक महिला मित्र के साथ शराब पी रही थी और उनका खुद पर कोई नियंत्रण नही था। जस्सी ने कहा, कंगना ने जितनी शराब और ड्रग्स का सेवन किया है, मुझे नहीं लगता कि किसी और ने किया होगा। अगर वे पंजाब के बारे में बातें करना नहीं छोड़ती, तब मैं उनकी सभी कहानियों को सबके सामने खोल कर रख दूंगा। कंगना ने एक रैली के दौरान टिप्पणी की थी कि पड़ोसी राज्य पंजाब में नशे की लत है और वहां के युवा शराब के आदी है। उन्होंने हिमाचल के युवाओं से कहा कि वे पंजाब के लोगों से प्रभावित न हों। जसबीर का यह बयान कंगना के खिलाफ उनके निरंतर निशाने पर रहने का संकेत देता है। उनकी ये विवादित टिप्पणियां न केवल कंगना के लिए बल्कि पंजाब के लिए भी एक गंभीर विषय बन चुकी है।

जाकिर नाइक के पाकिस्तान में भव्य स्वागत से भड़के भारत ने की निंदा

शिमला (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। कट्टरपंथी इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक के पाकिस्तान में किए गए हालिया भव्य स्वागत की भारत ने निंदा करते हुए कहा है कि मीडिया में आई खबरों से यह जानकारी मिली है कि जाकिर नाइक ने पाकिस्तान की यात्रा की है। जहां पाक ने गले लगाकर उसका गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को आयोजित मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए प्रश्नों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे हमें कोई आश्चर्य नहीं हुआ है कि जाकिर नाइक का पाकिस्तान में भव्य स्वागत किया गया है। यह निराशाजनक होने के साथ ही निंदनीय भी है। भारत के कानून के हिसाब से नाइक उसका एक भगोड़ा अपराधी है। वह किस पासपोर्ट या कागजों के आधार पर पाकिस्तान पहुंचा। उसके बारे में हमें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मलेशिया के प्रधानमंत्री के भारत दौरे के वक्त इस मामले पर चर्चा की गई थी।

खाड़ी से भारतीयों की वापसी संभव

जायसवाल ने मौजूदा तनाव के बीच इजरायल, ईरान सहित खाड़ी के अन्य देशों से भारतीयों की वापसी को लेकर कहा कि इसे लेकर भारतीय विमान उड़ान भर रहे है। जो लोग स्वदेश वापस लौटना चाहते है। इनका इस्तेमाल कर वापसी कर सकते हैं। फिलहाल सरकार की तरफ से भारतीयों को देश वापस लाने के संबंध में कोई आधिकारिक अभियान नहीं चलाया जा रहा है। इजरायल, ईरान और लेबनान में भारतीयों की कुल संख्या 43 हजार है। इनमें इजरायल में सबसे ज्यादा 30 हजार भारतीय नागरिक रहते है। ईरान में 10 हजार और लेबनान में 3 हजार भारतीय रह रहे हैं। लेबनान में ज्यादातर भारतीय उत्तरी बेरूत में है। वह इलाका युद्धक्षेत्र से दूरी पर है, यूएन शांति सेना का हिस्सा भारतीय भी यहीं पर रह रहे है। ईरान में रह रहे 10 हजार लोगों में से 5 हजार छात्र हैं जो मेडिकल की शिक्षा ले रहे हैं। बाकी लोग समुद्री आवाजाही से जुड़े हुए हैं। इजरायल में 30 हजार लोगों में ज्यादातर देखभाल से जुड़े हुए हैं और बाकी वर्कर हैं। कुछ लोगों ने भारतीय दूतावास से संपर्क किया है। अगर ये लोग इजरायल छोड़ना चाहते है तो उनके लिए उड़ानें उपलब्ध है।

नीतीश कुमार प्रख्यात समाजवादी और बिहार के विकास पुरुष के लगे पोस्टर

-भारत रत्न देने की मांग, विपक्ष बोला- मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास

पटना (एजेंसी)। बिहार सीएम नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश महासचिव छोटू सिंह द्वारा लगाए पोस्टरों में नीतीश को प्रख्यात समाजवादी और बिहार के विकास पुरुष के रूप में दिखाया गया है, जिसमें उन्हें भारत रत्न देने की मांग की गई है। इस पोस्टर में नीतीश को चाणक्य बताया गया है, जो उनकी राजनीतिक चतुराई और बिहार में विकास कार्यों का प्रतीक है।

इस मांग के बाद विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने कहा कि नीतीश कुमार को बिहार में गिरे पुल और बढ़ते अपराध के लिए सम्मानित किया जाना चाहिए। राजद प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि जदयू की यह मांग केवल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए है। उन्होंने बिहार में बढ़ते अपराध, पुलों के गिरने और स्मार्ट मीटर की लूट जैसी समस्याओं पर ध्यान दिलाते हुए नीतीश की आलोचना की है। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन ने कहा कि यदि किसी बिहारी को भारत रत्न मिलता है, तो यह गौरव की बात है, लेकिन इसे मांगने की बजाय सरकार को खुद इसे देना चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे पर राजनीति न करने की सलाह दी और कहा कि ऐसी मांगें मुख्यमंत्री पर ही सवाल खड़े करती हैं। जदयू की राज्य कार्यकारिणी की बैठक 5 अक्टूबर को पटना में आयोजित की गई है, की अध्यक्षता सीएम नीतीश कुमार करेंगे। इस बैठक के पहले यह पोस्टर लगाए जाने से राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग मामले में 5 राज्यों के 22 ठिकानों पर एनआईए ने की छापेमारी, 4 को हिरासत में लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग के मामले में नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी (एनआईए) ने 5 राज्यों के 22 ठिकानों पर छापेमारी की है। महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, असम और दिल्ली में हुई कार्रवाई के दौरान एजेंसी ने 4 लोगों को हिरासत में लिया है,उनसे इस संबंध में पूछताछ की जा रही है। एनआईए को संदेह है कि इन लोगों का संबंध आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से हो सकता है। मालेगांव के एक होम्योपैथी क्लिनिक से 4 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के संदेह पर पूछताछ की जा रही है। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में इकबाल भट नाम के व्यक्ति के यहां छापेमारी की गई है, जो टेरर फंडिंग के आरोपों का सामना कर रहा है। इसके अलावा, कश्मीर के अन्य स्थानों पर भी एनआईए की कार्रवाई जारी है। इससे पहले, 1 अक्टूबर को एनआईए ने पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में छापेमारी की थी। इन छापों में एनआईए ने दक्षिण 24 परगना, आसनसोल, हावड़ा, नदिया और कोलकाता में 11 जगहों पर संदिग्धों के घरों की तलाशी ली थी। ये संदिग्ध भाकपा (माओवादी) के सदस्य बताए जा रहे थे, जो नक्सली गतिविधियों को अंजाम देने में संगठन के कमांडरों की मदद कर रहे थे। तलाशी के दौरान कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए गए थे। उत्तरी कश्मीर के बारामूला के संग्री कॉलोनी में स्थित एक घर पर एनआईए ने छापेमारी की। यह कार्रवाई जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन समूह की गतिविधियों से जुड़े मामले में की जा रही है। बता दें कि एनआईए ने इससे पहले भी कई आतंकी मामलों में कार्रवाई की है। एनआईए की यह कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम है।

साईं बाबा मूर्ति मामला: कैसे होगा समस्या का समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाराणसी में साईं बाबा की मूर्तियों को करीब 14 मंदिरों से हटाए जाने के बाद एक व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया, जिसके बाद इस मामले को लेकर लगातार बयान आ रहे हैं। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने तो तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सवाल पूछा है कि जिन लोगों ने 4 से 10 साल पहले साईं बाबा की मूर्तियां स्थापित की थीं, क्या उन्हें यह नहीं पता था कि उनकी आस्था कभी अनास्था में बदल सकती है, जिससे मूर्तियां हटाई जा सकती हैं। इसके बाद लगातार बयान आ रहे हैं, जिनें लेकर बुद्धिजीवियों ने सवाल किया है, क्या इस तरह से समस्या का समाधान हो सकता है या मामले को राजनीतिक रंग देने के लिए यह सब किया जा रहा है? कुछ ने तो इसे आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखना शुरु कर दिया है।

साईं बाबा मूर्ति मामले को लेकर जहां पक्ष और विपक्ष वाले बयान सोशल मीडिया से लेकर खबरों तक में आ गए हैं तो वहीं कहा जा रहा है कि क्या यह सब महाराष्ट्र के आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है और यह किसी प्रकार का षड्यंत्र तो नहीं है। इस मामले में माता विशालाक्षी देवी मंदिर के महंत राजनाथ तिवारी ने कहा है कि हमारे सनातन धर्म या किसी भी पौराणिक ग्रंथ में साईं बाबा का उल्लेख ही नहीं है। उनका मानना है कि साईं बाबा एक फकीर हो सकते हैं, लेकिन उन्हें भगवान का दर्जा तो नहीं दिया जा सकता है। इसी के साथ महंत तिवारी ने उस व्यक्ति का समर्थन कर दिया जो कि मंदिरों से साईं बाबा की मूर्तियों को हटाने की पहल कर रहा है। उन्होंने कहा है कि अजय शर्मा जो साईं बाबा की मूर्तियों को देवालयों से हटाने का काम कर रहे हैं, वे सही काम कर रहे हैं। उनके अनुसार, साईं बाबा की मूर्तियां देवालयों में होना ही नहीं चाहिए। वहीं मंगला गौरी मंदिर के पुजारी नरेंद्र कुमार पांडेय ने भी कुछ इसी तरह का बयान दिया है। उनका कहना है कि काशी खंड में कई सनातन और परंपरागत मंदिर हैं, जहां भगवान शंकर स्वयं प्रकट हुए। साईं बाबा भगवान नहीं हैं और हमारे यहां पंचदेव पूजन का विधान है, जिसमें विभिन्न देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा होती है। सवाल करते हुए पांडेय कहते हैं कि साईं बाबा के मंदिर में किस प्रकार से प्राण प्रतिष्ठा हुई, जिससे उनकी पूजा हमारे मंदिरों में हो रही है। इसके साथ ही मंदिरों के महंतों से उन्होंने आग्रह किया कि वे साईं बाबा की मूर्तियों को वहां से हटा दें। इन बयानों के बाद सवाल उठाया जा रहा है कि आखिर इस समस्या का समाधान किस तरह से निकाला जाए, ताकि टकराव की स्थिति भी न बने और काम भी हो जाए। मालूम हो कि साईं बाबा के प्रति आस्था रखने वालों ने भी इस संबंध में एकजुटता दिखाने और मूर्तियों को बचाने के लिए आगे आने का मन बनाया हुआ है। इसके लिए साईं भक्तों से शांति के साथ एकजुट होने का आग्रह किया जा रहा है। कुछ बुद्धिजीवियों ने इस पर बीच का रास्ता निकालने की सलाह दी है और शांति के साथ समस्या का समाधान खोजने की बात कही है। इनका मानना है कि मामला बढ़ने पर यह सिर्फ वाराणसी या उत्तर प्रदेश से ही जुड़ा नहीं रहेगा बल्कि इसका असर देश के विभिन्न राज्यों तक पहुंचेगा, जिसकी चिंता की जानी चाहिए।

दुनिया को युद्ध की ओर ले जाती सैन्य तैनाती

-मिडिल ईस्ट में बढ़े तनाव को कम नहीं करेगा अमेरिका और ब्रिटेन का यह कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमास ने इजरायल पर हमला करके जिस युद्ध का आगाज किया था अब वह विश्व स्तर का होने जा रहा है। यह आशंका इसलिए जताई जा रही है क्योंकि एक तरफ अमेरिका ने 43 हजार सैनिक तैनात करने का फैसला ले लिया है तो वहीं ब्रिटेन भी सेना बढ़ाने को लेकर स्पष्ट कह चुका है। वहीं ईरान ने इजरायल को चुनौती देते हुए किसी भी कार्रवाई का जवाब देने की बात कह कर विश्व को इस युद्ध के लिए तैयार रहने जैसी बात कह दी है।

इस समय इजरायल-ईरान के बीच का तनाव चरम पर है, इससे मिडिल-ईस्ट की स्थिति तेजी से बदल रही है। दुनिया के तमाम देशों की नजर इस बदलते रुख पर टिकी हुई है। अमेरिका ने 43 हजार सैनिक तैनात करने का फैसला किया है तो ब्रिटेन भी अपनी सेना बढ़ाने की बात कह रहा है। कुल मिलाकर इन देशों ने सेना तैनाती और बल बढ़ाने की बात कह कर कोई शांति लाने जैसा उपक्रम नहीं किया है। दोनों ही देश आग में घी डाल रहे हैं, जिससे विश्व युद्ध की आधारशिला रखी जा सकेगी।

शांति सेना के साथ भारत

वहीं दूसरी तरफ भारत अपनी शांति सेना के साथ विश्व में शांति का संदेश देता नजर आया है, लेकिन यह कब तक कहा नहीं जा सकता है। भारत के संबंध चूंकि इजरायल और ईरान दोनों से ही बेहतर रहे हैं, ऐसे में किए एक पक्ष के साथ खड़े होने की बजाय शांति स्थापित करना बेहतर हल हो सकता है। यही वजह है कि मिडिल-ईस्ट में भारतीय सेना एकाएक तैनाती पर सभी आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं। भारतीय नेवी ने इस समय अपने तीन जहाज ईरान पोर्ट पर खड़े कर रखे हैं। दरअसल फारस की खाड़ी में ट्रेनिंग मिशन के तहत भारतीय नौसैनिक जहाज- आईएनएस शार्दुल, आईएनएस तीर और आईसीजीएस वीरा मंगलवार को ईरान के बंदरगाह अब्बास पहुंचे थे। भारत के इन नेवी शिप का स्वागत ईरानी नौसेना के जहाज जेरेह ने किया। यह कदम भारत और ईरान के बीच बढ़ते नौसैनिक सहयोग को दर्शाता है, इससे जंग का कोई सरोकार नहीं है।

पीएम मोदी का मंदिर बनवाया पूजा की- जब उपेक्षा और अनदेखी का फल मिला तो भाजपा छोड़ दी

पुणे (एजेंसी)। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अटूट आस्था थी। जिसके चलते पीएम मोदी का मंदिर बनवाया और दोनों टाइम पूजा की। तीन साल तक पूजा के बाद अब फल के तौर पर मयूर मुंडे को उपेक्षा और अनदेखी मिली है। इससे वे नाराज हो गए और भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। मुंडे ने कहा कि मैं पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूं। मैं पीएम मोदी का कट्टर समर्थक हूं और उनके लिए काम करता हूं। मगर, पार्टी में हमारे जैसे लोगों के लिए कोई जगह नहीं बची है। इसलिए मैंने यह फैसला लिया है।बता दें कि मयूर मुंडे ने साल 2021 में मोदी मंदिर का निर्माण करवाया, जो काफी सुर्खियों में रहा था।

मयूर मुंडे ने कहा, मैंने कई बरसों से वफादार पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम किया है। मैं विभिन्न पदों पर रहा और ईमानदारी से पार्टी के लिए काम किया। मुंडे ने बताया कि भाजपा वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर रही है और अन्य राजनीतिक दलों से शामिल होने वालों को महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक अपना समर्थन आधार बढ़ाने में लगे हुए हैं और इसके लिए पदाधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है। दूसरे दलों से आने वालों को पार्टी के विभिन्न पद दिए जा रहे हैं। मुंडे ने कहा कि पुराने पदाधिकारियों का अपमान हो रहा है। अब उन्हें पार्टी की बैठकों में भी नहीं बुलाया जाता है। उनकी राय तक नहीं सुनी जा रही और उन्हें चुनाव प्रक्रिया से दूर कर दिया गया है। दरअसल, महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की पुणे यूनिट के भीतर मतभेद दिख रहे हैं। कोथरुड और खडकवासला के मौजूदा विधायकों पर उम्मीदवार चयन प्रक्रिया में दखल देने की कोशिश का आरोप लगा है। ऐसा कहा जा रहा है कि शिवाजीनगर से विधायक सिद्धार्थ शिरोले वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर रहे है। इसे लेकर श्री नमो फाउंडेशन के मयूर मुंडे ने शिरोले के खिलाफ कड़ी नाराजगी जताई और अपने आरोपों को सार्वजनिक कर दिया।भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद मुंडे ने कहा, मौजूदा विधायक उन लोगों के इलाकों में विकास निधि खर्च कर रहे हैं जो दूसरी पार्टियों से बीजेपी में शामिल हुए हैं। वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं के क्षेत्र के लिए कुछ नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा विधायक को बीते 5 साल में शिवाजीनगर विधानसभा क्षेत्र में किसी भी 2 प्रमुख परियोजनाओं को लागू करने के लिए धन मिला। उन्होंने इसके लिए कोई प्रयास भी नहीं किया। ऐसे में इस निर्वाचन क्षेत्र का विकास थम गया है।